खबरों के 68 साल, खबरें लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें ➡ jabdesh1@yahoo.com

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 04 दिसम्बर 2023 | वर्ष –68 | अंक –24 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

■ उत्तर भारत में भाजपा... ■ क्यों हारी कांग्रेस... 04

■ हमास की कैद में सभी बंधकों को घर... ■ इजरायल ने 7 अक्टूबर से गाजा पर एक... 09

■ फ्रेंचबीन की खेती का सही तरीका और... ■ खरगोश पालन से कम समय में लाखों... 11

■ रिंकू सिंह में मोहम्मद अली... ■ पाकिस्तान के खिलाफ... 10

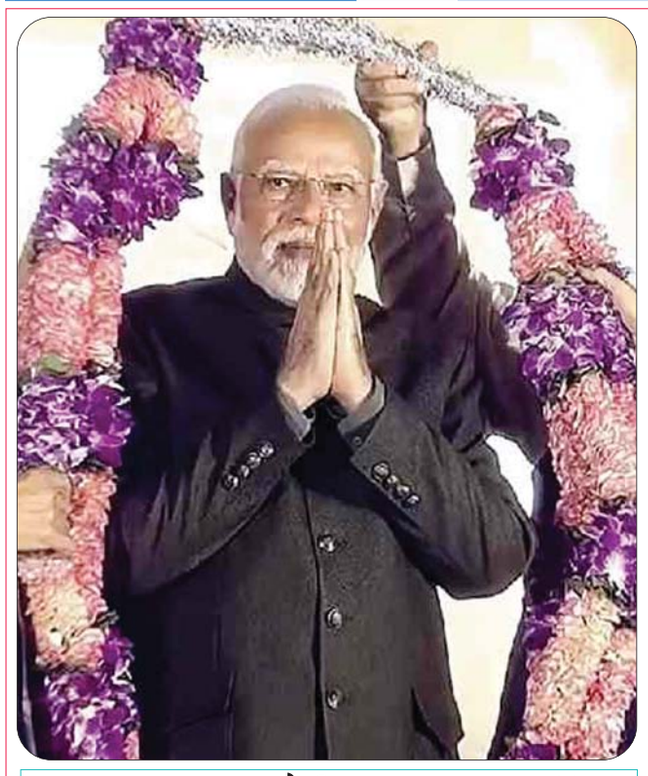

चल गई मोदी की गारंटी

हिन्दी पट्टी में खिला कमल

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में बड़े बहुमत से भाजपा की जीत, तेलंगाना कांग्रेस के हाथ

नई दिल्ली,भोपाल, देशबन्धु। पांच राज्यों के चुनाव में हिन्दी पट्टी पर मोदी की गारंटी चल गई। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन करते हुए हिन्दी भाषी तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बड़ी जीत दर्ज की। तेलंगाना सहित चार राज्यों के चुनावों की मतगणना में भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंदी कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में झटका लगा और उसने इन दोनों राज्यों में अपनी सरकार गवां दी लेकिन पार्टी ने दक्षिण के एक महत्वपूर्ण राज्य तेलंगाना में एक बड़ी कामयाबी हासिल की जब उसने राज्य के गठन के बाद से 10 साल लगातार सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को उखाड़ फेंका।

भाजपा, जिसने प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के रथ पर सवाल होकर चारों राज्यों में चुनाव लड़ा, उसने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीनी और अपने पुराने गढ़ मध्यप्रदेश में इस बार अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। 230 सदस्यीय मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव में भाजपा 164 व कांग्रेस 65 सीटों पर विजय हासिल की है। राजस्थान में कुल 199 सीटों पर हुये चुनाव में भाजपा ने 115 सीटें जीती व कांग्रेस ने 69 सीटें जीती। छत्तीसगढ़ की कुल 90 सीटों के चुनाव में भाजपा ने 54 व कांग्रेस 35 सीटें जीती।

तेलंगाना में कुल 119 सीटों में से कांग्रेस 64 सीटों पर कब्जा जमा किया। बीआरएस को 39 सीटें मिली। उधर इन चुनाव परिणामों के बाद दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर भारी जश्न के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि- परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है। उसका भरोसा भाजपा पर है। यह जीत भ्रष्टाचार के खिलाफ जनादेश है और हैट्रिक बता रही है कि 2024 में भी हैट्रिक लगेगी। अब बड़ा सवाल चारों प्रदेशों में यह है कि- इन प्रदेशों में मुख्यमंत्री कौन-कौन बनाए जाएंगे।

आज का हैट्रिक 2024 में हैट्रिक की गारंटी : मोदी

मोदी जी पर विश्वास और मातृ शक्ति का आशीर्वाद से विजय : शिवराज

मध्यप्रदेश- 230

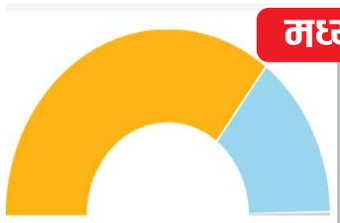

बहुमत- 116

भाजपा-	164
कांग्रेस-	64
बसपा-	00
सपा-	00
अन्य-	01

छत्तीसगढ़- 90

बहुमत- 46

भाजपा-	54
कांग्रेस-	35
बसपा-	01
अन्य-	00

राजस्थान-199

बहुमत- 103

भाजपा-	115
कांग्रेस-	70
बसपा-	02
आरएलपी-	01
अन्य-	11

तेलंगाना-119

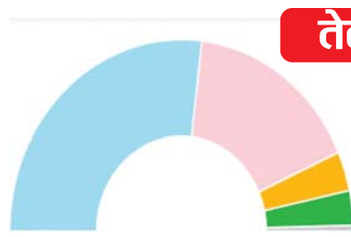

बहुमत- 60

कांग्रेस-	65
बीआरएस-	39
भाजपा-	08
एआईएमआईएम-	05
अन्य-	00

अब बड़ा सवाल.. कौन बनेगा मुख्यमंत्री ?

मप्र में ये सांसद और दिग्गज जीते

मप्र में लहर में भी हारे कई दिग्गज, नरोत्तम मिश्रा व कुलस्ते को भी मिली शिकस्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में भाजपा की लहर के बावजूद कई दिग्ग्ज नेता चुनाव हारे हैं। इनमें फग्गन सिंह कुलस्ते, कमल पटेल, माया सिंह और सिंधिया की करीबी इमरती देवी जैसे नेता शामिल हैं। वहीं, नरोत्तम मिश्रा चुनाव की दतिया क्षेत्र में री काउंटिंग की खबर सामने आई है।

मंडला जिले की निवास विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को हार का सामना करना पड़ा है। कुलस्ते को कांग्रेस के चैन सिंह वरकड़े चुनाव हरा दिया है। बीजेपी के आदिवासी नेता कुलस्ते करीब 10 हजार वोटों से चुनाव हारे हैं। ग्वालियर के सिंधिया घराने को भी इस विधानसभा चुनाव में तगड़ा झटका लगा है। ग्वालियर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी माया सिंह को कांग्रेस के डॉ सतीश सिकरवार ने चुनाव हराया है।

सतना विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और सांसद गणेश सिंह को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के सिद्धार्थ डब्बू कुशवाहा ने करीब 404 वोटों से गणेश सिंह को चुनाव हराया है। हरदा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी व कृषि मंत्री कमल पटेल को भी इस विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। पटेल को कांग्रेस के डॉ रामकिशोर डोंगरे ने 870 वोटों से हराया है।

भाजपा के सीनियर नेता नरोत्तम मिश्रा को भी इस विधानसभा चुनाव में हार का सामने करना पड़ा। ज्योतिरादित्य सिंधिया को बड़ा झटका लगा है। उनकी कट्टर समर्थक कही जाने वाली इमरती देवी को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा है।

सिंधिया की मामी माया सिंह को भी मिली हार

भारतीय आदिवासी पार्टी ने मध्य प्रदेश में पहली जीत हासिल की

भोपाल। भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने मध्य प्रदेश में डेब्यू करते हुए रविवार को रतलाम जिले की सैलाना सीट जीती है। चुनाव आयोग के अनुसार, पार्टी के कमलेश्वर डोडियार ने सैलाना निर्वाचन क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के हर्ष विजय गहलोत को 4,618 मतों के अंतर से हराया। यह पहली बार है कि राजस्थान में मुख्यालय वाली बीएपी ने मध्य प्रदेश के किसी चुनाव में जीत दर्ज की है। रतलाम जिले की सैलाना सीट राजस्थान की सीमा पर स्थित है। साल 2020 में भारतीय ट्राइबल पार्टी से उभरी बीएपी आदिवासी-आधारित पार्टी है और विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही इसे मध्य प्रदेश में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था। पार्टी ने मध्य प्रदेश में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में 25 उम्मीदवार उतारे थे। मोहनलाल रोत के नेतृत्व में बीएपी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी कई उम्मीदवार उतारे थे। 2018 में सैलाना से कांग्रेस के गेहलोत ने जीत हासिल की थी और पार्टी ने उन्हें इस चुनाव में भी उम्मीदवार बनाए रखा है। भाजपा ने संगीता चारैल को मैदान में उतारा था, जिन्होंने तीसरा स्थान हासिल किया।

मध्य प्रदेश में पांचवी बार भाजपा सरकार

इस बार बहुमत दो तिहाई के पार

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो- बड़ी हार के बाद राहुल कह रहे हैं विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी।

चुहिया- हां प्रिये- शायद अब कहने के लिए ज्यादा कुछ बचा भी नहीं है ?

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर

epaper.deshbandhump.com

वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

कांगेस देश को बांटने का काम न करे : मोदी

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिना जातिगत जनगणना की बात किए कांग्रेस पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि- कांग्रेस देश को बांटने का काम न करे। उन्होंने कहा कि ये लोग समाज को जाति के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। इस चुनाव में समाज को जातियों में बांटने की खूब कोशिश हुई। लेकिन मैं लगातार कह रहा था कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं. ये हैं हमारी नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और गरीब परिवार। इन चार जातियों को सशक्त करने से ही देश सशक्त होने वाला है। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज की विजय ऐताहिसिक है।

राहुल ने कहा- विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना में पार्टी को बहुमत से जीतने के लिए वहां की जनता का आभार व्यक्त किया लेकिन कहा कि वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मिले जनादेश को विनम्रता पूरक स्वीकार करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी लड़ाई विचारधारा की है और यह लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस को बहुमत देने के लिए वहां के मतदाताओं का आभार जताया और कहा 'तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद - प्रजालु तेलंगाना बनाने का वादा हम ज़रूर पूरा करेंगे। सभी कार्यकर्ताओं को उनकी मेहनत और समर्थन के लिए दिल से शुक्रिया।' इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश ने कहा कि जिन राज्यों में पार्टी को हार मिली है वहां जल्द ही पार्टी फिर मजबूती के साथ खड़ी होगी।

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से

मोतियाबिंद ऑपरेशन

मध्य भारत का सबसे आधुनिक नया युग

आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर

डॉ. पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894

जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL

Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319

An English Medium Co-educational School

ADMISSIONS OPEN

Class: Nursery 12th

(Science, Commerce & Humanities)

Call us: 0761-2676370, 9826587200

Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com

E-mail: apncbseschool@gmail.com

मौसम मिचौंग तूफान को लेकर तमिलनाडु और पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट जारी

100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दे सकता है तूफान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। भारत मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी और दक्षिण अंडमान सागर में बन रहे चक्रवात मिचौंग तूफान को लेकर बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने इस तूफान के मजबूत होने की जानकारी देते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। चक्रवात मिचौंग चेन्नई को छोड़कर नेलोर और मछलीपट्टनम में मंगलवार को 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से भारी तूफान के साथ दस्तक दे सकती है।

अगले 24 घंटों में दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी से होते हुए आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु के तट पर पहुंने की संभावना है। अलर्ट जारी होने के बाद पुडुचेरी सरकार ने पुडुचेरी, करईकल और यनम मेंकॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। इसी के साथ अन्य राज्यों को अपनी टीमों के साथ तैयार रहने की चेतावनी भी दी गई है।

दक्षिणी रेलवे ने तमिलनाडु में तीन से छह दिसंबर तक 118 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मौसम विभाग के अधिकारी के अनुसार तीन से चार दिसंबर तक तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा में छह दिसंबर तक भारी बारिश होने के आसार हैं।

6 दिसम्बर तक भारी बारिश के आसार

मौसम विभाग के डिप्टी डायरेक्टर जनरल बालाचंद्रन ने कहा, चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टु जिले में भारी बारिश के आसार है। करीबन 60 से 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाए चल सकती है। तिरुवल्लूर और इ ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

देश-विदेश

कांग्रेसे ने कहा, हार से हताश नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना के मतदाताओं को अपनी पार्टी के प्रति विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि पार्टी तीन राज्यों में अपनी हार से हताश हुए बगैर अगला लोकसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के दलों के साथ दोगुने जोश के साथ लड़ेगी। कांग्रेस के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फिर से ईवीएम का मुद्दा उठाया और पार्टी के कुछ कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय पर ईवीएम के खिलाफ तख्तियां लेकर प्रदर्शन करते देखे गए।

राजस्थान में 17 मंत्री चुनाव हारे

जयपुर, ,(एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। यह जीत कितनी बड़ी है कि इसे इस बात से समझा जा सकता है कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार के 25 मंत्री में से 17 मंत्री चुनाव हार चुके हैं। यहां की 21 हॉट सीट में से 10 से ज्यादा सीटों पर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है।

गहलोत इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को भी मिली हार

इस हार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने राजस्थान के राज्यपाल से मिलकर अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष और दिग्गज कांग्रेस नेता सीपी जोशी खुद चुनाव हार गए हैं। इस तरह की हार भाजपा के खेमे में भी हुई है। भले ही भाजपा की राजस्थान में शानदार जीत हुई है लेकिन इसके कई बड़े नेता हार गये हैं। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे राजेंद्र राठौर और प्रतिपक्ष के उपनेता सतीश पूनिया भी हार चुके हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी हार को कबूल करते हुए कहा है कि काम करने के बाद भी हम कामयाब नहीं हुए है।

इसका मतलब यह नहीं है कि वे काम न करें। यह अप्रत्याशित परिणाम है। राजस्थान में भाजपा की इस जीत पर पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की नेता वसुंधरा राजे ने कहा है कि राजस्थान की शानदार जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दी हुई गारंटी की जीत है। उन्होंने इसका श्रेय पीएम मोदी और भाजपा शीर्ष नेतृत्व को दिया है।

मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की आज

सभी 11 जिलों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए

आइजोल, (एजेंसियां)। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती सोमवार सुबह शुरू होगी जिसके लिए सभी 11 जिलों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच. लियानजेला ने कहा कि महिलाओं सहित चार हजार से अधिक अधिकारियों को लगाया गया है जो रविवार सुबह आठ बजे से वोटों की गिनती के लिए राज्य भर के 13 केंद्रों पर तैनात रहेंगे।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, विभिन्न जिलों में लगभग 40 मतगणना हॉल बनाए गए हैं। लियानजेला ने कहा कि सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) सभी 11 जिला मुख्यालयों के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रूप से रखी गई हैं।

पुलिस महानिदेशक अनिल शुक्ला ने बताया कि मतगणना के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और वोटों की गिनती सुचारू रूप से संपन्न हो यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और मिजोरम सशस्त्र पुलिस की टुकड़ियों को तैनात किया जाएगा। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए 7 नवंबर को मतदान हुआ था।

174 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का होगा फैसला -कुल 8.57 लाख मतदाताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक ने 16 महिलाओं सहित 174 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), राज्य के मुख्य विपक्षी जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस ने सभी 40 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि आम आदमी पार्टी चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इनके अलावा 27 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में हैं। भाजपा ने भाषाई अल्पसंख्यक आबादी वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए 23 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, खासकर जहां रियांग और चकमा आदिवासी समुदाय मतदाताओं की पर्याप्त संख्या है। ईसाई-बहुल (87 प्रतिशत) राज्य में वोटों की गिनती पहले रविवार को होनी थी, लेकिन प्रभावशाली यंग मिज़ो एसोसिएशन (वाईएमए) सहित सभी राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, चर्चों, युवाओं और छात्र निकायों की अपील के बाद भारतीय निर्वाचन आयोग ने मतगणना सोमवार को पुनर्निर्धारित की।

कांग्रेस ने 6 दिसम्बर को बुलाई इंडिया गठबंधन की बैठक

चुनाव नतीजे आते ही 2024 की तैयारी में लगी कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे अगले साल होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। खबर है कि मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है। ये बैठक 6 दिसम्बर को राजधानी दिल्ली में होगी। इस बैठक में पूरे घटक दलों के बजाए समन्वय समिति में शामिल दलों के नेता शामिल होंगे। जिसमें लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। माना जा रहा हा कि चार राज्यों के नतीजों का असर इंडिया गठबंधन के समीकरण पर भी पड़ सकता है। दरअसल सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में भी तालमेल नहीं बैठ पा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले ही समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सीटों के बंटवारे को लेकर बात करना चाह रही थी। लेकिन उस समय कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव का हवाला देकर बात टाल दी थी। उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इंडिया गठबंधन में 2024 के एजेंडे पर कांग्रेस के हल्के रुख पर सवाल उठा रहे थे। नीतीश ने खुले मंच से कह दिया था कि कांग्रेस राज्यों के चुनावों में व्यस्त हैं। अब जबकि विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं, इस बीच खरगे ने लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक बुला ली है।

समन्वय समिति में शामिल दलों के नेता भाग लेंगे

उपराट्रपति ने कही बड़ी बात

मध्यस्थता प्रणाली सेवानिवृत्त जजों के कब्जे मेंट : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने देश की मध्यस्थता प्रणाली पर कब्जा जमा रखा है और अन्य योग्य लोगों को मौका नहीं मिलता है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, अब हमें आत्मनिरीक्षण करने और आवश्यकता पड़ने पर कानून बनाने समेत आवश्यक बदलाव लाकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

धनखड़ ने कहा, इस ग्रह पर कहीं भी, किसी अन्य देश में, किसी अन्य प्रणाली में, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने मध्यस्थता प्रणाली को इतना नहीं जकड़ रखा है। हमारे देश में यह बड़े पैमाने पर है। उन्होंने देश में मध्यस्थता प्रणाली पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की साहसी टिप्पणियों की भी सराहना की। आगे कहा कि एक व्यक्ति देश में न्यायपालिका के परिदृश्य को बदल रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने मध्यस्थों की नियुक्ति में विविधता की कमी पर विचार किया है। उपराष्ट्रपति ने जस्टिस चंद्रचूड़ के हवाले से कहा कि सेवानिवृत्त न्यायाधीश मध्यस्थता क्षेत्र पर हावी हैं। धनखड़ ने कहा, उन्होंने अपनी बात कही और मैं इसके लिए उन्हें सलाम करता हूं। उन्होंने कहा है कि योग्य उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जो मध्यस्थता क्षेत्र में रूढ़िवादी मानसिकता को दर्शाता है। जस्टिस चंद्रचूड़ का साहसी बयान भारत में मध्यस्थता प्रक्रिया की रीढ़ को मजबूत बनाने में काफी मदद करेगा।

संविधान सभा के आचरण का पालन करें विधायिका -सदस्य संसद के शीतकालीन सत्र से पहले राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को विधायिका के सभी सदस्यों से देश की संविधान सभा में देखे गए व्यवहार का पालन करने का आग्रह किया, जिसके तीन साल के कार्यकाल के दौरान लेशमात्र भी व्यवधान नहीं हुआ था। यहां आकाशवाणी रंग भवन में राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने यह भी कहा कि देश में एक बड़ा बदलाव आया है, जो 2014 में शुरू हुआ था। धनखड़ ने कहा, मैं राजनीति की ओर इशारा नहीं कर रहा। लेकिन भारत जैसे विशाल देश में अगर राजनीतिक स्थिरता हो तो लोगों की प्रतिभाएं सही दिशा में आगे बढ़ती हैं। तीन दशक बाद 2014 में वह मौका आया, जब भारत को एक मजबूत एकदलीय सरकार मिली।

चेंगलपट्टू में खाई में गिरी बस

भीषण सड़क हादसे में एक की मौत; 20 लोग घायल

चेंगलपट्टू। तमिलनाडु के चेंगलपट्टू इलाके में यात्रियों से भरी एक बस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गई। बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। इसकी वजह से एक शख्स की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। बस कहां से आ रही थी और कहां जा रही थी फिलहाल इसकी जानकारी हासिल नहीं हो सकी है। दुर्घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू कर दिये गये थे।

तेलंगाना चुनाव परिणामों के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, डीजीपी को ही किया सस्पेंड

तेलंगाना। तेलंगाना विधानसभा चुनावों के परिणामों के बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राज्य पुलिस के प्रमुख अंजनी कुमार को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार, चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के लिए तेलंगाना के डीजीपी को निलंबित करने का आदेश दिया है। सूत्र बता रहे हैं कि चुनाव आयोग के पास डीजीपी को लेकर कई शिकायत की गई थीं, इसी को लेकर चुनाव आयोग ने यह बड़ा फैसला लिया है।

इससे पहले तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक ने संजय जैन, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी, तेलंगाना और महेश भागवत, नोडल (व्यय) के साथ हैदराबाद में तेलंगाना विधान सभा के लिए चल रहे आम चुनाव में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार अनुमुला रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात को लेकर ही आपत्ति जताई गई थी और अब इसी मामले को लेकर उन्हें चुनाव आयोग ने निलंबित किया है। वहीं इससे पहले राज्य गठन के बाद लगातार दस साल तक मुख्यमंत्री रहे केसीआर ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं चुनावों में पिछड़ने के बाद केसीआर के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री केटीआर ने ट्वीट करते हुए कहा कि भारत राष्ट्र समिति को लगातार दो बार मौके देने के लिए तेलंगाना की जनता का धन्यवाद। उन्होंने कहा कि आज के नतीजे से दुखी नहीं हूं, लेकिन निराश जरूर हूं क्योंकि यह हमारे लिए उम्मीद के मुताबिक नहीं था। लेकिन हम इसे एक सीख के रूप में लेंगे और वापसी करेंगे। जनादेश जीतने पर कांग्रेस पार्टी को बधाई।

कर्नाटक में तीन सहकारी बैंकों के घोटाले की जांच करेगी सीबीआई

बेंगलुरु कर्नाटक के तीन सहकारी बैंकों में हुई करोड़ो रुपये के घोटाले की जांच अब सीबीआइ करेगी। मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने शनिवार को कहा कि- सरकार ने श्री गुरु राघवेंद्र सहकारी बैंक लिमिटेड, वशिष्ठ क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड और गुरु सार्वभौम सौहार्द क्रेडिट सहकारी लिमिटेड के घोटाले की जांच को सीबीआइ को सौंपने की मंजूरी दे दी है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि सीबीआइ के अधिकारी सहकारी बैंकों के प्रबंधन बोर्ड के निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा की गई करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की जांच करेगी।

आदेश में बैंक के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से कागजात और रिकार्ड सीबीआइ को सौंपने को कहा गया है।सीएम सिद्दरमैया ने कहा कि हजारों जमाकर्ताओं ने बच्चों की शादी, घर खरीदने और भविष्य के लिए जीवन भर की बचत बैंक में निवेश की थी।

निविदा / नियुक्ति / जाहिरात

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति के लिए)

(Under Rule-8(1) of Security Interest (Enforcement) Rules- 2002)

सेक्यूरीटाइजेशन एण्ड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ फाइनेनशियल असेटेस एण्ड एनफोर्समेंट ऑफ सेक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के नियम– 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत् प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत् इंडियन बैंक (ई–इलाहाबाद बैंक) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित उधारकर्ता/जमानतदार को डिमांड नोटिस, नोटिस में दर्शाई राशि, उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए जारी किया गया।

उधारकर्ता द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता और जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम के नियम– 8 और 9 के साथ पठित उक्त एक्ट के द्वारा 13(4) के तहत् उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है।

विशेष रूप से निम्नलिखित उधारकर्ता/जमानतदार और सामान्य रूप से जनता को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस सम्पत्ति से संबंधित कोई लेन–देन नहीं करें और निम्नलिखित सम्पत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन–देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिए इंडियन बैंक (ई–इलाहाबाद बैंक) की संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्याधीन होगा।

क्र.	शाखा का नाम	ऋणी एवं बंधककर्ता एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना का दिनांक	कब्जा दिनांक	देय राशि
1	सतना ईवनिंग	**ऋणी– मेसर्स अश्वमेधा ग्रुप** **पार्टनर– 1. श्री प्रतीक राजपाल पिता श्री राजपाल सिंह,** ग्राम– रेरूआ खुर्द, पोस्ट– पटवारा, तहसील– नागौद, सतना– 485446 **पार्टनर/ बंधककर्ता– 2. श्रीमति मृदुला सिंह पत्नि श्री राजपाल सिंह,** ग्राम– रेरूआ खुर्द, पोस्ट– पटवारा, तहसील– नागौद, सतना– 485446 **जमानतदार– 3. श्री कार्तिकेय सिंह पिता श्री युवराज प्रताप सिंह,** C/o अभिनव पीसीओ, बर्डाडीह चौक, मुख्तियारगंज, रघुनाथगंज, सतना– 485001 **जमानतदार– 4. श्रीमति प्रज्ञा सिंह पुत्री श्री अमर सिंह,** शंकर सदन गुड़ रोड, मैजिक सिनेमा के पास, गुड़ चौराहा, रीवा– 486001 **जमानतदार– 5. श्रीमति रानू सिंह पत्नि श्री युवराज प्रताप सिंह,** C/o अभिनव पीसीओ, बर्डाडीह चौक, मुख्तियारगंज, रघुनाथगंज, सतना– 485001	सम्पत्ति 1– सम्पत्ति के सभी भू–भाग भूमि एवं बिल्डिंग, सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति मृदुला सिंह, स्थित अराजी नं.– 436/1, एरिया– 1.118 हेक्टे. या 120225 वर्गफुट या 11173.38 वर्गमीटर (जुड़ा हुआ निर्मित मकान साथ में निर्मित एरिया– 2500 वर्गफुट या 232.342 वर्गमीटर) स्थित मौजा रेरूआखुर्द, प.ह.नं.– 40, तहसील– नागौद, जिला– सतना (ई– गिफ्ट नं. **MP348622016 A1126303** दिनांक 05.03.2016, ऋण पुस्तिका नं. एल/के– 911308) । चतुर्सीमाः उत्तर– रेरूआकला की बाऊंड्री, दक्षिण– विजय सिंह की अराजी, पूर्व– दंदाता की अराजी, पश्चिम– रेरूआ– पटवारा रोड। सम्पत्ति 2– सम्पत्ति के सभी भू–भाग भूमि एवं बिल्डिंग नं. 219/205, सम्पत्ति स्वामी– श्रीमति रेनू सिंह, स्थित अराजी नं.– 1/10 एरिया– 900 वर्गफुट एवं अराजी नं. 1/21 एरिया– 400 वर्गफुट, कुल एरिया– 1300 वर्गफुट या 120.817 वर्गमीटर, मौजा बम्हनगवां, वार्ड नं. 6, तहसील– रघुराजनगर, प.ह.नं.– 75, तहसील– रघुराजनगर, जिला– सतना (सेल डीड नं. 453 दिनांक 02.06.2007, ऋण पुस्तिका नं. 0–30729)। चतुर्सीमाः उत्तर– पौराणिक सिंह का मकान, दक्षिण– रोड, पूर्व– अजय सिंह चन्देल का मकान, पश्चिम– सूरज सिंह का मकान।	**16/09/2023**	**29/11/2023**	रू. **87,03,999.83** + बाद का ब्याज और अन्य व्यय
2	टिकर	**ऋणी– 1. मेसर्स लक्ष्मी वेयरहाउस एंड एग्रो सर्विस प्रोप. श्रीमति लक्ष्मी शुक्ला,** स्थित ग्राम– बंसा 30, पटवारी हल्का बंसा, आर.आई. सर्किल– गोविंदगढ़, जिला– रीवा– 486550 **प्रोपराइटर– 2. श्रीमति लक्ष्मी शुक्ला (प्रोप. मेसर्स लक्ष्मी वेयरहाउस एंड एग्रो सर्विसेस) पत्नि श्री चंद्रमनी शुक्ला,** 473, चिराहुला वार्ड नं. 43, ग्राम– चिराहुला, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **जमानतदार– 3. श्री विकास शुक्ला पिता श्री चंद्रमनी शुक्ला,** 473, चिराहुला वार्ड नं. 43, ग्राम– चिराहुला, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **जमानतदार– 4. श्री चंद्रमनी शुक्ला पिता श्री श्यामदास शुक्ला,** 473, चिराहुला वार्ड नं. 43, ग्राम– चिराहुला, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा (म.प्र.)– 486001 **बंधककर्ता/जमानतदार– 5. श्री राकेश कुमार शुक्ला पिता श्री इंद्रमनी शुक्ला,** देवी टोला, बनास, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा– 486001	सम्पत्ति के सभी भू–भाग डायवर्टेड भूमि सम्पत्ति स्वामी– श्री राकेश शुक्ला पिता श्री इंद्रमनी शुक्ला, स्थित अराजी खसरा नं. 182/1 (नया 182/40), एरिया– 2400 वर्गफुट (डायमेंशन उत्तर से दक्षिण– 60 फुट एवं पूर्व से पश्चिम– 40 फुट) स्थित ग्राम– चिराहुला 183, प.ह.नं.– 34, तहसील– हुजूर, जिला– रीवा । चतुर्सीमाः उत्तर– विक्रएता की भूमि, दक्षिण– 10 फुट चौड़ी रोड, पूर्व– उपयुक्त कुमार शुक्ला का प्लाट, पश्चिम– चंद्रमनी शुक्ला का प्लाट।	**05/09/2023**	**30/11/2023**	रू. **24,44,237.40** + बाद का ब्याज और अन्य व्यय

दिनांक: 04/12/2023, स्थान– सतना — प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

प्रथम पृष्ठ का शेष

मिचौंग तूफान को लेकर.....

कुड्डालोर में 50 से 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के चलने की संभावना है। पांच दिसंबर तक मछुआरों को समुद्री तट के करीब जाने से मना किया गया है। पुडुचेरी और करईकल में 35 सेमी तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसी के साथ आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश की आशंका, रेड अलर्ट जारी-आईएमडी के मुताबिक, आज और 4- 5 दिसंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी से बात की और चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लिया और सभी मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी शीर्ष अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि राज्य को हर संभव मदद प्रदान की जाए।

गाजा में फलस्तीनी कहीं भी सुरक्षित नहीं!

इजरायल ने लोगों को जहां जाने को कहा, वहीं कर रहा बमबारी

यरुशलम। इजरायली हमलों के चलते गाजा पट्टी में फलस्तीनी आमजन कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं और हर बीतते घंटे के साथ उनके रहने की जगह कम होती जा रही है। इजरायली लड़ाकू विमानों ने शनिवार-रविवार की पूरी रात खान यूनिस और रफाह शहरों पर बमबारी कर उन्हें जान-माल का भारी नुकसान पहुंचाया।

इजरायली हमले का लगातार निशाना बन रहा यह वही रफाह शहर है जहां दक्षिण गाजा में रहने वाले फलस्तीनियों को सुरक्षा की दृष्टि से जाने के लिए इजरायली सेना कह रही है। युद्धविराम के बाद महज तीन दिनों की लड़ाई में घायल हुए लोगों से गाजा के अस्पताल भर गए हैं। इजरायली हमलों से गाजा में अभी तक कुल 15,400 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि 40 हजार से ज्यादा घायल हुए हैं।

खान यूनिस में घुस सकती है इजरायली सेना-इजरायली सेना जिस तरह से दक्षिणी गाजा के सबसे बड़े शहर खान यूनिस को निशाना बना रही है उससे संकेत मिल रहा है वहां जल्द ही इजरायली सेना का प्रवेश होने वाला है। शुक्रवार से शुरू हुए युद्ध के दूसरे दौर में इजरायली सेना शहर पर लगातार हवाई हमले और टैंकों से गोलाबारी कर रही है।

जमीनी कार्रवाई के बिना युद्ध के उद्देश्यों की प्राप्ति संभव नहीं-दक्षिणी गाजा में भी जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू करने का संकेत देते हुए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि पूरे गाजा में जमीनी कार्रवाई के बिना युद्ध के उद्देश्यों की प्राप्ति संभव नहीं है। इजरायल के छेड़े युद्ध का उद्देश्य हमास को खत्म करना और अगवा कर बंधक बनाए गए सभी लोगों को सुरक्षित रिहा करवाना है।

गाजा पट्टी को तीन हिस्सों में बांटकर हुई कार्रवाई-खान यूनिस और अन्य दक्षिणी इलाकों में रहने वाले आमजनों को रफाह जाने के लिए इजरायली सेना लगातार संदेश दे रही है। लेकिन दक्षिण के लोग कह रहे हैं इजरायली सेना जिस रफाह शहर में जाने के लिए कह रही है वहीं पर वह हमले कर रही है। इजरायली सेना गाजा पट्टी को फिलहाल तीन हिस्सों में बांटकर कार्रवाई कर रही है। कहा है कि हमास के ठिकानों को तलाशकर उन्हें नष्ट किया जा रहा है।

पता नहीं कब तक जान बचाने के लिए भागना पड़ेगा-गाजा सिटी के मूलवासी 37 वर्षीय माहेर ने टेलीफोन से बताया है कि इजरायली सेना के कहने पर वह दक्षिण के अल करारा कस्बे में आए। युद्धविराम के बाद जब इजरायली हमले शुरू हुए तब वह अपने तीन बच्चों के परिवार के साथ बचने के लिए खान यूनिस शहर के भीतरी इलाके में आ गए, लेकिन अब वह बमबारी के बीच रफाह जाने की कोशिश में हैं। पता नहीं कब तक जान बचाने के लिए भागना पड़ेगा।

देश-प्रदेश

उवाच

मजबूत वापसी करेंगे : खड़गे

नई दिल्ली। हिन्दी पट्टी में बड़ी हार के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि- जनता का आदेश सिरोधार्य है। हम हार के कारणों पर गहराई से समीक्षा करेंगे । खड़गे ने कहा कि- तीन राज्यों में हमारा प्रदर्शन निस्संदेह निराशाजनक रहा लेकिन हमारा दृढ़ विश्वास है कि इन तीन राज्यों में मेहनत और दृढ़ निश्चय से हम मजबूती के साथ वापसी करेंगे।

भाजपा की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यालय में मना जश्न, पटाखे फोड़े , मिठाई बांटी

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में जश्न का माहौल था। यहां कार्यकर्ताओं ने जमकर पटाखे फोड़े और मिठाईयां बांटकर एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। मतों की गिनती के दौरान जैसे-जैसे पार्टी को बढ़त मिलती गई पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं प्रदेश कार्यालय पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गए। दोपहर तक स्पष्ट रुझान भाजपा के पक्ष में आने के बाद कार्यकर्ताओं का जोश देखते बनता था। यहां ढोल नगाड़े लेकर कार्यकर्ता पहुंचे और जमकर नृत्य किया। ऐतिहासिक जीत पर खुशी का आलम यह था कि कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा को कंधे पर उठा लिया। पूरा इलाका पटाखों की आवाज और भाजपा जिंदाबाद के नारों से गूंज रहा था।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद , केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा, सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, राहुल कोठारी, लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगल किशोर शर्मा, श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, पूर्व सांसद आलोक संजर, निगम मंडल अध्यक्ष विनोद गोटिया, शैलेन्द्र बरूआ, शैलेन्द्र शर्मा, शैतान सिंह पाल, विजय दुबे, प्रदेश प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी, नरेन्द्र सलूजा, मिलन भार्गव, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया नारोलिया, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष दर्शन सिंह चौधरी, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार, सोशल मीडिया विभाग के संयोजक अभिषेक शर्मा, आईटी विभाग के प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला, भोपाल जिला प्रभारी महेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, सुनील पाण्डे, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, अभय प्रताप सिंह, प्रदीप त्रिपाठी, उमाकांत दीक्षित, श्याम बंसल, एसएस उप्पल, विजय अटवाल, पेनालिस्ट सचिन वर्मा, श्रीमती वंदना त्रिपाठी, शिवम शुक्ला, सत्येन्द्र जैन, रामदयाल प्रजापति व पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डबल इंजन सरकार के काम को मिला आशीर्वाद : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एमपी के मन में और देश के दिल में बसे हैं। प्रदेश को लगातार उनका प्यार और आशीर्वाद मिला है तथा प्रदेश की जनता भी उनके प्रति अगाध विश्वास और श्रद्धा रखती है। इसी श्रद्धा और विश्वास के चलते प्रधानमंत्री ने जो गारंटी दी, जनता ने उस पर भी विश्वास किया और भाजपा पर भरपूर प्यार और आशीर्वाद लुटाया है। श्री चौहान ने प्रदेश में पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत को डबल इंजन सरकार के कामों को मिला आशीर्वाद बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा को एक बार फिर शानदार जीत मिली है। उन्होंने कहा कि हमने हर वर्ग के कल्याण के लिए लाड़ली बहना योजना, सीखो कमाओ योजना जैसी जो योजनाएं बनाईं और केंद्र सरकार की योजनाओं का जिस तरह से क्रियान्वयन किया है। श्री चौहान ने कहा कि हम सभी जनता को यह विश्वास दिलाते हैं कि जनता को दिया गया एक-एक वचन पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में देश के गृहमंत्री और कुशल रणनीतिकार अमित शाह ने जीत की रणनीति तैयार की। हमें राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कुशल मार्गदर्शन मिला। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, केंद्रीय मंत्री व प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और हम सभी लोगों ने कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम किया, मेहनत की। यह जीत उसी का परिणाम है और इसके लिए मैं सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं।

कल्याणकारी योजनाओं, रणनीति और सामूहिक नेतृत्व की जीत : शर्मा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन की सरकार, रणनीति व सामूहिक नेतृत्व से यह जीत मिली है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कुशल नेतृत्व और रणनीति की वजह से भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बना रही है। इसके लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को बहुत-बहुत धन्यवाद। केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारों की नीतियों और विकास तथा गरीब कल्याण के कार्यों के लिए जनता ने पार्टी को आशीर्वाद दिया है।

सिर्फ नामांकन भरने गए शिवराज, 1 लाख से अधिक मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने निर्वाचन क्षेत्र बुधनी में सिर्फ नामांकन दाखिल करने गए थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया था कि आप सब शिवराज बनकर बुधनी में काम करें, मैं मध्यप्रदेश देखूंगा। इसके बाद शिवराज चुनाव बाद ही कार्यकर्ताओं से मिलने बुधनी पहुंचे। उन्होंने 1 लाख 4 हजार 964 वोटों से जीत दर्ज की।

1 लाख से अधिक वोटों से जीतने वाले उम्मीदवार

1. कृष्णा गौर (गोविंदपुरा, भोपाल) 2. रमेश मेंदोला (इंदौर-2) 3. रामेश्वर शर्मा (हुजूर, भोपाल)

यह मंत्री जीते

तुलसी सिलावट
विजय शाह
जगदीश देवड़ा
बिसाहूलाल
भूपेंद्र सिंह
मीना सिंह
गोविंदसिंह राजपूत
बृजेंद्र प्रताप सिंह
विश्वास सारंग
प्रभुराम चौधरी
प्रद्युमसिंह तोमर
ओमप्रकाश सखलेचा
ऊषा ठाकुर
राजेंद्र शुक्ल
इंदरसिंह परमार
बृजेंद्रसिंह यादव
हरदीप सिंह डंग
मोहन यादव

हारे

नरोत्तम मिश्रा
कमल पटेल
महेंद्रसिंह सिसोदिया
प्रेमसिंह पटेल
अरविंद सिंह भदौरिया
राजवर्धन सिंह
गौरीशंकर बिसेन
भारतसिंह कुशवाह
राम खेलावन पटेल
राम किशोर कांवरे
सुरेश धाकड़
राहुल लोधी

त्वरित टिप्पणी

बड़ी जीत इसकी, बड़ी हार उसकी

नरेन्द्र कुमार मौर्य

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणाम ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। वैसे ये परिणाम इतने अप्रत्याशित हैं कि प्रदेश का हर आदमी हैरान है। अब देखिए कि एंटी इनकमबेंसी के चलते तीन राज्यों में सत्ताधारी दल चुनाव हार जाते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में 18 साल से काबिज भाजपा सरकार की एंटी इनकमबैंसी गायब हो जाती है। लगता है जैसे जनता ने नाराज होने की बजाय भाजपा सरकार की पीठ थपथपाई है। हालांकि अभी यह देखना बाकी है कि केन्द्रीय नेतृत्व शिवराज सिंह की पीठ कैसे थपथपाता है।

सवाल है कि मध्यप्रदेश में सरकार के खिलाफ जो नाराज़गी दिखाई दे रही थी वो कैसे शाबासी में बदल गई। इसके लिए हमें सबसे पहले दाद देनी होगी मुख्यमंत्री चौहान को। तमाम आलोचनाओं और भाजपा सुप्रीमो मोदी की अनदेखी के बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ। वे उत्साह से दौरे प दौरे करते रहे और अपनी योजनाओं की ढपली बजाते रहे। इससे भी पहले, मानना पड़ेगा कि चुनाव की व्यूह रचना रचने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जवाब नहीं। उनकी कुछ शुरूआती सभाएं कमजोर गईं। उनमें जनता तो थी, लेकिन बहुत उत्साहित नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने कहने में कसर नहीं की। खूब बोले और कांग्रेस की धज्जियां उड़ाते रहे।

भाजपा के पास समर्पित कार्यकर्ताओं का काडर है। अकूत संसाधन हैं और नेताओं का बड़ा समूह भी है। यही वजह है कि शुरूआत में पिछड़ने के बाद भाजपा ने जबरदस्त वापसी की। दूसरी तरफ कांग्रेस ने जो माहौल बनाया था, वह उसे बरकरार नहीं रख पाई। कांग्रेस की सबसे बड़ी परेशानी है संगठन का अभाव। उसके बड़े नेताओं ने माहौल बनाया। प्रदेश की भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उसका असर भी हुआ, लेकिन उस असर को वोट में तब्दील करने के लिए जैसे समर्पित कार्यकर्ता चाहिए वे उसके पास नहीं थे। इसके अलावा टिकट वितरण में भी कमलनाथ जिस सर्वे का जिक्र करते रहे उस पर अमल नहीं कर सके। सतना जिले की नागौद सीट पर यादवेन्द्र सिंह पिछली बार बहुत कम मतों से हारे थे। उन्हें टिकट नहीं दी तो वे बसपा के टिकट पर लड़े और दूसरे नंबर पर रहे। इसी तरह गोटेगांव में पहले शेखर चौधरी को टिकट दिया। फिर टिकट बदल कर निवर्तमान विधायक प्रजापति को मैदान में उतार दिया। इससे आहत शेखर चौधरी निर्दलीय मैदान में आ गए और जाहिर है वे कांग्रेस को भी ले डूबे। सतना में रैंगाव की निवर्तमान विधायक कल्पना वर्मा से लोग नाराज थे। जीतने के बाद उन्होंने जनता से संपर्क ही नहीं रखा, लेकिन उन्हें फिर टिकट मिल गई और वे चुनाव हार गईं। वहाँ भाजपा की प्रतिमा बागरी ने पिछली हार का बदला ले लिया। ऐसे कई उदाहरण हैं।

शुरुआती माहौल देखकर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह अति आत्मविश्वास के शिकार हो गए। यहाँ उन्होंने सबसे बड़ी ग़लती कर दी। मोदी शुरू से ही कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाते रहे हैं। इस बार भी उनके आरोपों में परिवारवाद ही मुख्य था, लेकिन प्रदेश कांग्रेस के दोनों बड़े नेता इसे भूल गए और अति उत्साह में अपने बेटों को आगे कर दिया। पता चला कि छिन्दवाड़ा समेत कई सीटों पर फैसला नकुल नाथ कर रहे हैं और कई सीटों पर जयवर्द्धन सिंह फैसला ले रहे थे। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के इस पुत्र प्रेम का गलत संदेश गया। लोगों को लगा कि मोदी ठीक कहते हैं, इन्हें प्रदेश की नहीं अपने बच्चों की चिंता है।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेतृत्व संकट से जूझ रही है। इस चुनाव ने साफ कर दिया कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह अपनी पारी खेल चुके हैं। इससे ज्यादा वे कांग्रेस की मदद नहीं कर पाएंगे। राहुल गांधी को हिन्दी प्रदेशों में नये नेतृत्व को खोजना होगा। ऐसा नहीं हैं कि कांग्रेस के पास नये चेहरों की कमी है लेकिन उसके क्षत्रप आड़े आ जाते हैं। सबक कई है, बशर्ते हम उन्हें पहचान कर कार्यशैली बदल सकें। दूसरे, संगठन का कोई विकल्प नहीं है। कांग्रेस को संगठन को फिर खड़ा करने में जुट जाना चाहिए। तेलंगाना के नतीजों ने भी साबित किया है कि कांग्रेस अभी चुकी नहीं है। उसने मोदी मैजिक के बावजूद छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। भाजपा की जीत ने साबित कर दिया कि मोदी का प्रभाव अभी बाकी है। खुद भाजपा के नेताओं को ऐसी प्रत्याशित जीत कर भरोसा नहीं था।

आखिरी बात, भाजपा को उन दलों का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए जिन्होंने उसकी जीत को अप्रत्याशित बना दिया। बसपा, आप और सपा की मौजूदगी ने कांग्रेस को कमज़ोर किया। नारायण त्रिपाठी की विंध्य जनता पार्टी ने भी कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया। मैहर में खुद त्रिपाठी तीसरे नंबर पर रहे और सीधी में भी केदारनाथ शुक्ला इसी गति को प्राप्त हुए।

भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर प्रदेशाध्यक्ष बोले

प्रदेश में चला मोदी मैजिक, कुशल रणनीति की जीत

भोपाल, देशबन्धु । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और विष्णुदत्त शर्मा ने पार्टी को मिली जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व अमित शाह की कुशल रणनीति, सामूहिक नेतृत्व, केन्द्र व राज्य सरकार के कामकाज को जीत का श्रेय दिया है।

श्री शर्मा पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली अभूतपूर्व जीत प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह की कुशल रणनीति और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन मिली है। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भोपाल में देश भर के 10 लाख बूथों के कार्यकर्ताओं को मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत बूथ जीतने का जो मंत्र दिया था,

उसे पार्टी कार्यकर्ताओं ने साकार करने का काम किया है। वहीं शाह ने प्रदेश के चुनाव में हर बूथ पर 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने का लक्ष्य दिया था। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के 64523 बूथों पर अथक मेहनत करके हर बूथ को जीतने के साथ 51 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त करने की ओर अग्रसर हुए है।

श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा ने सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ा है और कार्यकर्ता ने लगातार जमीनी स्तर पर कार्य करके पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत दिलाया है। प्रदेश की जनता से केन्द्र की प्रधानमंत्री मोदी की सरकार और प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों के साथ गरीब कल्याण के कार्यों को लेकर जनता ने अपना आशीर्वाद भाजपा को दिया है। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने लाड़ली लक्ष्मी योजना और लाड़ली बहना योजना सहित केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र भी किया। श्री शर्मा ने कहा कि कर्मचारियों को कांग्रेस ने गुमराह करने की खूब कोशिश की,लेकिन पोस्टल बैलेट पेपर में कर्मचारियों के मतों ने कांग्रेस को आईना दिखा दिया।

अल्पसंख्यकों ने दिया भाजपा को वोट -श्री शर्मा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने भोपाल में रोड शो अल्पसंख्यकों के इलाके में किया। इस बार अल्पसंख्यकों ने भी कांग्रेस का साथ नहीं दिया और कई सीटों पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की नीतियों से प्रभावित होकर मतदान किया। बुरहानपुर में भाजपा प्रत्याशी अर्चना चिटनीस चुनाव जीत गईं है।

कांग्रेस की हार स्वीकारी, कमलनाथ बोले- भाजपा को बधाई

विपक्ष की जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद कांग्रेस ने हार स्वीकार कर ली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा को जीत के लिए बधाई दी है, साथ ही कहा कि हम विरोधी दल के नाते अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते रहेंगे। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की जनता का फैसला मुझे स्वीकार है, हमें विपक्ष में बैठने की जिम्मेदारी दी गई है, तो हम उस जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

कमलनाथ ने इसके साथ ही इस बात का भरोसा जताया कि भाजपा पर प्रदेश के मतदाताओं ने जो भरोसा जताया है, उनके साथ भाजपा विश्वासघात नहीं करेगी और जनता के विश्वास पर भाजपा खरी उतरेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सामने अभी सबसे बड़ा सवाल यही है कि प्रदेश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो, हमारे किसानों को खुशहाली मिले।

उन्होंने कहा कि आप सबको याद होगा कि मैंने कभी सीटों की घोषणा नहीं की। सिर्फ यही कहा कि मुझे प्रदेश के मतदाताओं पर पूरा विश्वास है और आज भी मैं यही कहूंगा कि मुझे प्रदेश के मतदाता पर विश्वास है, हम इस बात पर विचार करेंगे कि हमारे भीतर क्या कमियां रह गई थीं। कमलनाथ ने कहा कि मैं सभी हारे हुए कांगेस प्रत्याशियों और जीते हुए कांग्रेस विधायकों के साथ इस बात की समीक्षा करूंगा कि आखिर वह क्या वजह रही जो हम अपनी बात प्रदेश के मतदाता को समझा नहीं पाए।

कमलनाथ 35 हजार से ज्यादा मतों से जीते

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश की छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ चुनाव मैदान में रहे। उनका अभेद गढ़ मानी जाने वाली इस सीट से कमलनाथ ने 35009 मतों से जीत दर्ज की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के विवेक बंटी साहू को चुनाव में शिकस्त दी है। कमलनाथ जहां इस सीट से दो बार विधायक रह चुके हैं, वहीं वह छिंदवाड़ा संसदीय क्षेत्र से पहली बार 1980 में सांसद चुने गए थे। इसके बाद वह इस संसदीय सीट पर 9 बार सांसद रहे। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में कुल 7 सीटें आती हैं, जिनमें 4 आरक्षित हैं।

चुनाव नजीते कांग्रेस को बड़ा झटका

हिमाचल को छोड़कर हिंदी बेल्ट से हुआ सफाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आक्रामक अभियान चलाने के बावजूद कांग्रेस राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हार गई और इसके साथ ही 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से हिमाचल प्रदेश को छोड़कर पार्टी का मुख्य हिंदी बेल्ट में लगभग सफाया हो गया है।

इस बड़े झटके ने लोकसभा चुनाव के लिए अधिक सीटों की सौदेबाजी के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) में भी कांग्रेस को झटका दिया है। पार्टी के एक नेता ने, जो अभी तक तीन राज्यों में हार के सदमे से उबर नहीं पाए हैं, नाम न छापने की शर्त पर कहा कि नतीजे हमारे लिए बहुत बड़ा झटका हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को उम्मीद थी कि वह छत्तीसगढ़ में अपनी सरकार बनाएगी, जहां उसे पिछले पांच वर्षों में कोई समस्या नहीं हुई और न ही कोई सत्ता विरोधी लहर दिखी और न ही पार्टी नेतृत्व के पास कोई रिपोर्ट आई। मप्र के नतीजों पर टिप्पणी करते हुए पार्टी नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि राज्य की रिपोर्ट के आधार पर हमें राज्य में 150 सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीजें हमारे अनुरूप नहीं रहीं और हम इस चुनाव में बहुत कम सीटों पर सिमट गए, जो काफी आश्चर्यजनक है।

पार्टी नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में सफलता का स्वाद न चख पाने का मुख्य कारण यह था कि पार्टी के रणनीतिकार सुनील कनुगोलू और उनकी टीम को कमल नाथ और अशोक गहलोत जैसे नेताओं द्वारा खुली छूट नहीं दी गई थी। पार्टी नेता ने कहा, हालांकि, उन्हें तेलंगाना में पार्टी को उचित रिपोर्ट देने और अभियानों के लिए तरीके सुझाने की पूरी आजादी थी और राज्य नेतृत्व उनसे सहमत था और उन्हें आवश्यक सभी मदद दी। उन्होंने कहा, यहां तक कि राज्य नेतृत्व ने कनुगोलू की टीम द्वारा किए गए आंतरिक सर्वेक्षणों पर कार्रवाई की, जो कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में नहीं था, जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता उनके साथ नहीं आए, जिसके कारण मूड अनुकूल होने के बावजूद इतनी बड़ी हार हुई। पार्टी नेता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि राजस्थान में कनुगोलू की टीम के बीच मतभेद तब सामने आए जब उन्होंने पार्टी के आंतरिक सर्वेक्षण में सुझाव दिया कि कई मौजूदा विधायक और मंत्री रेगिस्तानी राज्य में जीत नहीं पाएंगे। हालांकि, पार्टी नेता ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी रणनीति टीम डिजाइनबॉक्स्ड द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर अपने विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर से इनकार किया है। यही वह जगह है जहां अंतर है। कनुगोलू की टीम द्वारा तैयार किया गया सर्वेक्षण एक ईमानदार सर्वेक्षण था जिसने समस्याओं को उजागर किया था, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। पार्टी नेता ने कहा कि अब हिंदी पट्टी में पूरी तरह से सफाये के बाद 2024 के महत्वपूर्ण लोकसभा चुनाव से पहले की राह आसान नहीं होगी।

उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि विधानसभा चुनावों के मद्देनजर रोकी गई इंडिया गठबंधन के सीट बंटवारे की बातचीत का असर उसी पर पड़ेगा क्योंकि हिंदी भाषी क्षेत्र में कोई उपस्थिति नहीं होने या बहुत कम उपस्थिति का हवाला देकर अन्य दलों से कड़ी सौदेबाजी करने की स्थिति में वह नहीं होगी।

जबलपुर, सोमवार 04 दिसम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्यों हारी कांग्रेस

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में चार के नतीजे 3 दिसंबर को आ गए। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक चार में से तीन राज्य भाजपा के खाते में और एक कांग्रेस के खाते में जा रहा है। यानी मुकाबला बीजेपी के नाम ही रहा है। तीन में से दो राज्य, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में पिछले पांच साल कांग्रेस की सरकार रही और अब अगले पांच साल के लिए सत्ता भाजपा के खाते में जा रही है। वहीं मध्यप्रदेश की सत्ता इस बार नैतिक तरीके से भाजपा के पास आ गई है। पिछली बार कांग्रेस के हाथों से भाजपा ने छल के जरिए सत्ता हथिया ली थी और विधानसभा चुनावों में यह बड़ा मुद्दा भी बना था। लेकिन जनता को शायद सरकार चुराने के इस खेल से खास फर्क नहीं पड़ा या फिर अन्य कारण कांग्रेस के खिलाफ काम कर गए और सत्ता पूरी तरह से भाजपा के हाथ में आ गई है। ये तीनों हिंदी पट्टी के राज्य हैं, और यहां भाजपा बरसों से कांग्रेस से मजबूत रही है। हिंदी पट्टी राज्यों में धर्म का कार्ड कैसे चलना है, इस की विशेषज्ञ भाजपा है। जबकि कांग्रेस उसकी नकल करने के चक्कर में पिट गई। जब लोगों को धर्म के आधार पर ही वोट देना है, तो वो असली छोड़, नकली माल की ओर क्यों देखेंगे। कांग्रेस पता नहीं कब इस बात को समझेगी कि सॉफ्ट हिंदुत्व से वो बीजेपी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। बागेश्वरधाम जैसे बाबा के चरणों में सिर नवाने में किसी कांग्रेस नेता की निजी श्रद्धा हो सकती है, और ऐसा करके वह अपनी और अपने परिवार की जीत सुनिश्चित कर सकता है, लेकिन यहां पार्टी आलाकमान की जिम्मेदारी है कि वे पूछें कि इससे कांग्रेस का भला कैसे हो सकता है। जाहिर है कमलनाथ जैसे नेताओं की इस तरह की मनमर्जी पर आलाकमान रोक नहीं लगा पाया और इसका नतीजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है।

इन नतीजों में भाजपा के लिए दक्षिण के दरवाजे एक बार फिर बंद हो गए हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है। इन नतीजों की एक और व्याख्या ये है कि देश में दक्षिण और उत्तर भारत की मानसिकता का फर्क पूरी तरह सतह पर आ गया है। कांग्रेस ने जैसी गारंटियां कर्नाटक में दी थीं, वैसी ही तेलंगाना और छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में भी दी थीं। लेकिन इन गारंटियों का असर दक्षिण भारत में अलग हुआ और उत्तर भारत में अलग रहा। रोजगार, नौकरियों के लिए परीक्षाएं, सस्ता परिवहन, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, किसानों, मजदूरों के हित, ओबीसी का हक ऐसे तमाम मुद्दों पर उत्तर और दक्षिण भारत की जनता की सोच अलग नजर आई। कर्नाटक के बाद तेलंगाना के लोगों ने कांग्रेस की विकासपरक सोच को धर्म के ऊपर तरजीह दी, लेकिन हिंदी पट्टी में धर्म बाजी मार गया। इन नतीजों में क्षत्रपों के रवैये ने भी कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का कहना है कि 20 साल की राजनीति में 15 साल वो विपक्ष में रहे हैं और इसने उन्हें जनता से जोड़ा है, नयी पहचान दी है। गौरतलब है कि एबीवीपी से राजनीति की शुरुआत करने वाले रेवंत रेड्डी टीडीपी में भी रहे और फिर कांग्रेस में आए। दो साल पहले ही उन्हें कांग्रेस की राज्य ईकाई की कमान मिली और अपने पर दिखाए इस भरोसे को उन्होंने गलत साबित नहीं होने दिया। तेलंगाना में बीआरएस, एआईएमआईएम और भाजपा की मिली-जुली घेराबंदी को तोड़ते हुए उन्होंने कांग्रेस को आगे निकाला। जाहिर है ये काम एक अकेले के बस का नहीं है, बल्कि पूरे संगठन को साथ लेकर चलने की क्षमता की जरूरत होती है। रेवंत रेड्डी ने इसी क्षमता का परिचय दिया। लेकिन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में तीन की जगह केवल एक प्रतिद्वंद्वी यानी भाजपा से ही कांग्रेस को मुकाबला करना था, उसमें भी छत्तीसगढ़ और राजस्थान में तो उसकी अपनी सरकारें थीं, मगर फिर भी कांग्रेस यहां फेल हो गई, क्योंकि उसके क्षत्रपों ने पार्टी की जगह खुद को जरूरत से अधिक तवज्जो दे दी। पार्टी आलाकमान इन्हें साध नहीं पाया या इन क्षत्रपों का अहंकार पार्टी से बढ़कर हो गया, इसकी विवेचना खुद कांग्रेस को करनी होगी। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान, तीनों जगह कांग्रेस में बड़े पदों पर बैठे नेता भाजपा से अधिक एक-दूसरे से लड़ने में व्यस्त रहे। इस तरह कहा जा सकता है कि इन क्षत्रपों का अहंकार जीत गया, और पार्टी की हार या जीत से इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि फर्क पड़ता होता तो चुनाव के करीब आने पर एकता का दिखावा करने की जगह वे ईमानदारी से अपनी दरारें भरते, ताकि पार्टी को जीत मिलती। राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के कांग्रेस नेता न आलाकमान के भरोसे पर खरे उतरे, न स्थानीय कार्यकर्ताओं के। वे केवल अपने अहंकारों की कसौटी पर खरे उतरे। अब ये कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विचार करने का सवाल है कि इसके बाद इन राज्यों में कांग्रेस को सही अर्थों में वे कैसे पुनर्जीवित करेंगे और कैसे बेलगाम हो चुके नेताओं को काबू में रखेंगे।

कांग्रेस की तीन राज्यों में हार का असर क्या अब इंडिया गठबंधन पर पड़ेगा या 2024 के चुनाव इससे किसी तरह प्रभावित होंगे, अभी ऐसे कुछ सवालों पर चर्चा चलेगी। हालांकि पिछले चुनाव के अनुभव यही बताते हैं कि राज्य जीतने के बावजूद कांग्रेस आम चुनाव हार गई थी। मुमकिन है इस हार से कांग्रेस की तंद्रा भंग हो और वो 2024 की रणनीति तैयार करने में इस बार हुई भूलों से सबक ले सके। अगर कांग्रेस तीन राज्यों में जीत जाती, तो शायद उसके क्षत्रपों की मनमानी और बढ़ जाती और 2024 में उसका अच्छा असर नहीं होता। इस लिहाज से ठीक ही हुआ कि कांग्रेस ने हिंदी पट्टी के राज्यों में हार का स्वाद चख लिया है। देश की असल पहचान और संविधान बचाने के लिए जरूरी है कि उन सामाजिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हो, जो बीते दशक में तेजी से दफन कर दिए गए हैं। जिन बातों को न्यू नॉर्मल कहकर सहज स्वीकृति मिल चुकी हैं, वे दरअसल भारत की जड़ों को खोखला कर रही हैं। इसलिए सत्ता का केन्द्रीकरण और व्यक्तिकेन्द्रित राजनीति दोनों को खत्म करना होगा। इंडिया गठबंधन की जीत से यह मुमकिन हो सकता है, इसलिए 2024 के चुनावों पर अब कांग्रेस और गठबंधन के बाकी दलों का फोकस होना चाहिए। हालांकि भाजपा की पूरी कोशिश रहेगी कि मोदी मैजिक जैसे जुमले को वो भारतीय राजनीति का सच बनाने की कोशिश करे।

फिलहाल इस बार के बाद अब यह देखना है कि भाजपा का अहंकार और कितना बढ़ता है, गांधी परिवार पर उसके हमलों में कितनी तेजी आती है और ये भी देखना है कि कांग्रेस कब ईमानदारी से आत्ममंथन कर अपनी गलतियों को सुधारती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि मोहब्बत के कारोबार का जिम्मा केवल राहुल गांधी के कंधों पर नहीं डाला जा सकता, इसमें सबको अपनी हिस्सेदारी निभानी होगी।

उत्तर भारत में भाजपा नहीं जीती कांग्रेस हारी

उत्तर भारत के क्षत्रपों ने कांग्रेस को फिर डुबो दिया। जबकि तेलंगाना के नायक रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की तरह दक्षिण में कांग्रेस की नैया पार लगा दी।

राहुल गांधी का रोल हर जगह समान रहा। खूब मेहनत की। निश्चित ही रूप से उनके साथ पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका गांधी की भी पूरी मेहनत रही। मगर उनके नेता कमलनाथ, गहलोत, पायलट, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव सब अपनी ढपली अपना राग बजाते रहे। किसी को न पार्टी की चिन्ता थी और न ही राहुल की।

नतीजा सबके सामने है। जबकि दक्षिण में कर्नाटक भी और फिर तेलंगाना भी कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने अपना अहं छोड़कर पार्टी के लिए लड़ा। और वहां का नतीजा भी सामने है।

अब फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। उसे उत्तर भारत के इन क्षत्रपों पर लगाम लगाना है या फिर ऐसा ही ढीला ढाला रवैया चलते रहने देना है।

राजस्थान में पांच साल से ज्यादा कांग्रेस में भयंकर गुटबाजी चली। 2018 के चुनाव में जाने से पहले गहलोत और पायलट में तलवारें खिंच चुकी थीं। और उसके बाद 2023 में रिजल्ट आने के बाद तक वे म्यानों में वापस नहीं गईं। हमने शायद दो साल पहले लिखा था कि वोट कांग्रेस को मिलते हैं। उसके नेताओं सोनिया गांधी राहुल के नाम पर। उसकी नीतियों को लोग पसंद करते हैं। मगर चुनाव जीतने के बाद क्षत्रप यह समझने लगते हैं कि वोट उन्हें मिले। लोकप्रियता उनकी है और वे अपनी मनमानी करने लगते हैं। हमारी यह बात उस समय कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की समझ में आई थी। एकाध ने सार्वजनिक रूप से उसका समर्थन कर दिया। बड़ा हंगामा मचा। कांग्रेस के क्षत्रप लाल-पीले हो गए। मगर बात सच थी और आज नुकसान उठाकर कांग्रेस की समझ में आई है।

हमने यह भी लिखा था कि कांग्रेस को राजस्थान में गहलोत और पायलट दोनों को भूलकर तीसरा नेतृत्व तैयार करना चाहिए। मगर कांग्रेस कभी सुनती है? याद रखना चाहिए कि राजस्थान में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को किनारे करके चुनाव लड़ा। मगर कांग्रेस गहलोत और पायलट के बीच झूलती रही। जिस समय पायलट अपने विधायकों को लेकर मानेसर गए कांग्रेस क्या कर रही थी? क्यों नहीं पायलट के खिलाफ एक्शन लिया गया? और फिर जब पार्टी अपना सबसे बड़ा डिसिजन ले रही थी। परिवार के बाहर का अध्यक्ष बनाने का तो गहलोत ने राजस्थान की कहावत के अनुसार मुट्ठी भर बाजरे के लिए हिन्दुस्तान की बादशाहत ठुकरा दी।

कांग्रेस गहलोत को अध्यक्ष बना रही थी। मगर राजस्थानी भाषा के अनुसार गहलोत नट गए। मतलब इन्कार कर दिया। और उसके साथ ही उन्होंने भी पार्टी का अनुशासन तोड़ने का एक बड़ा काम भी कर दिया। कांग्रेस ने वहां विधायक दल की बैठक बुलाई थी। उसमें आब्जर्वर के तौर पर उस समय के राजस्थान इंचार्ज अजय माकन और खरगे जी जिनका नाम उस समय अध्यक्ष पद की रेस में दूर-दूर तक नहीं था गए थे। मगर गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों को उसे बैठक में जाने से रोक दिया। कांग्रेस इस पर कोई एक्शन नहीं ले पाई। नतीजा आज राजस्थान के रिजल्ट हैं।

शकील अख्तर

> 2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना। और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है।

मध्य प्रदेश की कहानी तो और भी खराब है। वहां तो कमलनाथ ने अपने आपको भावी मुख्यमंत्री ही लिखवाना शुरू कर दिया था। ये तो सबको मालूम था कि वे किसी से मिलते-जुलते नहीं हैं। मगर यह नहीं मालूम था कि वे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री पूरे टर्म के अखिलेश यादव के लिए ऐसे भी बोल सकते हैं कि अरे छोड़िए भी अखिलेश वखिलेश! और इससे भी आगे जाकर दस साल मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह और उनके विधायक पुत्र जयवर्द्धन सिंह जिनका टिकट बंटवारे से कोई लेना-देना नहीं के लिए यह बोल सकते हैं कि जाकर उनके कपड़े फाड़ो।

दिग्विजय ने एक कार्यक्रम में इस पर कमलनाथ की मौजूदगी में ही हल्के व्यंग्य के साथ एक कमेंट भी किया। मगर पार्टी की एकता बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए ज्यादा तूल नहीं दिया। इसके साथ ही बेमतलब की फिल्मी डायलगबाजी की गई। वहां कांग्रेस इन्चार्ज के तौर पर अच्छा-भला बैकग्राउंड में रहकर काम कर रहे वरिष्ठ नेता जयप्रकाश अग्रवाल को अचानक प्रेस नोट जारी करते पद से हटा दिया गया। इतने वरिष्ठ नेता को पहले से जानकारी देना भी कांग्रेस ने उचित नहीं समझा। जिस समय उन्हें हटाने की विज्ञप्ति आई वे कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में पत्रकारों को भाजपा पर बाइट दे रहे थे। बता रहे थे कि कांग्रेस कैसे मध्य प्रदेश से भाजपा को हटाएगी मगर उसी समय उन्हीं को हटा दिया गया। उनकी जगह आए रणदीप सुरजेवाला ने उनकी चुपचाप काम करने वाली स्टाइल के विपरीत धूम-धड़ाका शुरू कर दिया। कमलनाथ और दिग्विजय को फिल्म शोले की जय-वीरू की जोड़ी बता दिया। बीजेपी तो इसी के इंतजार में थी। उसने फौरन सवाल किया की फिल्म खत्म होने से पहले एक खत्म हो गया था। वह कौन है? और वह अब कमलनाथ निकले।

कमलनाथ के पुत्र नकुलनाथ ने तारीख तो मध्यप्रदेश में उनके शपथ ग्रहण की बताई थी मगर किस को पता था कि उनकी राजनीति ही खत्म हो जाएगी। कमलनाथ किसी की सुनते नहीं थे। इंडिया गठबंधन ने जिस एंकर का बायकाट किया था उसे वे अपने जहाज में घुमाते हुए इंटरव्यू दे रहे थे। अपने आसपास के लोगों द्वारा रोज सुबह-शाम जय जय कमलनाथ सुनकर उन्हें लगने लगा था कि वे मुख्यमंत्री बन ही गए हैं।

अब बात छत्तीसगढ़ की। जहां कांग्रेस सबसे ज्यादा अपनी जीत सुनिश्चित मान रही थी। भाजपा को दस से ज्यादा सीटें न देने की बात कही जा रही थी। वहां मुख्यमंत्री बघेल, कमलनाथ जैसे अहंकार में तो नहीं थे मगर आत्मुमग्ध थे। उनके आसपास भी ऐसे लोगों की भीड़ जुट गई थी जो करते-धरते तो कुछ नहीं थे मगर रोज आकर बघेल को कहानियां सुनाते थे कि उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है।

तीनों राज्यों में एक बात कॉमन थी कि दो के मुख्यमंत्री गहलोत और बघेल को और तीसरे के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ को चापलूस लोगों ने घेर रखा था। सत्ताधारियों का चाटुकारों और दलालों से घिरा होना कोई खास बात नहीं मगर खास बात यह है कांग्रेस के नेता इनके अलावा किसी और से कोई संपर्क ही नहीं रखते थे।

यहां एक बात और कह दें कि दिल्ली भी अब अपने नेताओं पर निगाह नहीं रख पाती है। इन्दिरा गांधी के समय तक कांग्रेस में एक निगरानी की व्यवस्था थी। बाद में बीच के लोगों ने खुद ही सबकुछ देख लेने की जिम्मेदारी लेकर सब कुछ व्यक्तिगत बना दिया। सिस्टम खत्म कर दिया।

2023 कांग्रेस के लिए निराशा का साल बन गया। मगर एक अवसर है। अगर कांग्रेस सीख सके तो। क्षत्रपों पर कंट्रोल। दलाल नेताओं की पहचान। खाली दफ्तर में बैठकर मीडिया के जरिए अपना फोटो चमकाने वालों को तत्काल पदों से हटाना।

और अच्छी बात अभी यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी अपनी नई टीम घोषित नहीं की है। उसे लिस्ट में से उन सब लोगों को निकालकर बाहर कर देना चाहिए जो केवल बातें करते हैं। जिनका कोई काम नहीं है। नए लोगों को जिम्मेदारियां देना चाहिए। गणेश परिक्रमा करने वाले कांग्रेस के सबसे बड़े दुश्मन हैं।

इतनी नफ़रत इतना ज़हर?

■ तनवीर जाफ़री

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भवना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को 'अनेकता में एकता' रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम, रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों, जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम ख़ान सूर रहे हों, जिस देश में छत्रपति शिवाजी महाराज के कई सेनापति, नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज़ पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों, जिस देश की आज़ादी की लड़ाई में क़ुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों, जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हज़ारों शहीदों ने अपनी राष्ट्रभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व परमाणु सुरक्षा प्रणाली का जनक भारत रत्न मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम जैसा महान वैज्ञानिक हो, उसी देश में नफ़रत और ज़हर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नज़र अंदाज़ करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफ़रत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आज़ादी के लिये लाठियां-गोलियां खाने वालों में इनका कोई ज़िक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेजों की जी हुज़ूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफ़रत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, ख़ासकर देश में हिन्दू-मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में ज़रूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाज़ा इसे निरंतर 'धार' देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये जरूरी है। इसी मकसद के तहत कहीं जिलों, शहरों, कस्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं, मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां हो रही हैं, हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है, जिहाद, लव जिहाद, अज़ान और हिजाब जैसे विषय उछाले जाते हैं, इतिहास बदले जा रहे हैं। नये इतिहास गढ़े जा रहे हैं। हद तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है, ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है, संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है।

> ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ?

पिछले दिनों ऐसी ही ग्रुण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफरती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा खातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा ख़ातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीक़े से इसी आयोजन में नफ़रत का 'एंगल' साम्प्रदायिकतावादियों द्वारा ढूंढ कर इसे विवादित बना दिया गया। एक स्थानीय छुटभैय्ये भाजपा नेता द्वारा अपनी पार्टी व हिंदू संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफ़रत के इन सौदागरों का कहना था कि 'विधायक सैय्यदा खातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ?'

जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि 'वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग-अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम?' वे सवाल उठाते हैं, 'अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? ' पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला कहते हैं, 'हमारे लिए कोई अपवित्र नहीं है. ग्रन्थों में भी यही लिखा है कि मंदिर में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं होता है। मंदिर तो धार्मिक स्थल है, वहां कोई भी जाकर के अपना शीश झुका सकता है।' सपा विधायक के निमंत्रण पर 'कृष्णदत्त शुक्ला ने बताया कि जब मंदिर में हमने शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया तो हमारे डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रत्याशी थे हमने सभी को न्यौता दिया था। सबको न्यौता देने के बाद जो हमारे पास आया उसका हमने स्वागत किया। पंडित शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि - मंदिर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। वहां आने वालों में हिंदू और मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं है। पहले भी जैसे लोग मंदिर आते-जाते थे, आगे भी वैसे ही आएंगे। उधर विधायक प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश उपाध्याय का इस पूरे मामले पर कहना था कि साम्या माता के शतचंडी यज्ञ में विधायक को न्यौता दिया गया था। विधायक वहां गईं, वहां के पुजारियों ने विधायक का स्वागत सत्कार किया। फिर वहां कुछ दान करके वह वापस चली आईं। जबकि विधायक सैय्यदा ख़ातून इस विषय पर कहती हैं कि विवाद खड़ा करने वालों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सोशल मीडिया में और क्षेत्र की जनता के बीच शोहरत पाने के लिए वह ऐसा करते हैं। इन जैसे लोगों की बातों और काम पर मैं ध्यान नहीं देती। ऐसे लोगों को ज़्यादा तवज्जो देने की ज़रूरत नहीं है। विधायक ने कहा कि अगर मेरे क्षेत्र की जनता मुझे बुलाएगी तो मैं ज़रूर जाऊंगी। मेरे लिए मंदिर और मस्जिद, सब खुदा के घर हैं।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में जहर घोलने वाले नफरत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ? क्या उनकी अब भी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को शुद्ध करने की कोई योजना है ? दूसरी बात यह कि मंदिरों या हवन में प्रवेश करने व शामिल होने के लिये क्या शाकाहारी होना जरूरी है ? यदि जरूरी है, तो फितना फैलाने वाली इसी पार्टी व विचारधारा के तमाम नेता न केवल माँसाहारी हैं बल्कि गोभक्षक भी हैं। देश में सभी धर्मों व जातियों में तमाम मांसाहारी लोग पाये जाते हैं। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई माँसाहारी थे। देश के गृह मंत्री किरण रिजिजू तो गोभक्षक हैं। इन सबसे किसी को कोई तकलीफ नहीं ? भाजपाई मुस्लिम नेता किसी भी मंदिर में जाएँ तो कोई आपत्ति नहीं परन्तु सपा मुस्लिम नेता यज्ञ में गयीं तो आपत्तिजनक? इस अवसरवादी दोहरे चरित्र को देखकर अक्सर यह ख़याल आता है कि इतनी नफ़रत, इतना ज़हर यह लोग आख़िर लाते कहाँ से हैं ?

गुरुवाणी विचार

तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है

बानी गुरु गोविंद सिंहजी की वैप्रसादि सव्यै
कहां गयो जो दोऊ लोकन मंद के
बैठ रहियो बक धियान लगाइओ
लोक गयो परलोक गवाइयो
बास कीओ बिखियन सों बैठ के
अैसे ही अैसे सुबांस बिताइओ
साच कहों सुनि लेह सभै
।जिन प्रेम कीओ तिन से प्रभु पाओ।

दसम गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा रचित त्वैप्रसाद सवयै नामक वाणी से ये कुछ पंक्तियां ली गईं पैं। इसमें गुरुदेवजी समझा रहे हैं कि अधिकांश लोग प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु दोनों आंखें मूंदकर ध्यान लगाये रहते हैं। तपस्या करते रहते हैं पर किसी विरले का ही ध्यान परमात्मा में लग पाता है। जो प्रभु की प्राप्ति करना तो चाहते हैं पर मन तो उनका भी भटकता ही रहता है। किसी विरले का ही मन प्रभु परमात्मा की बंदगी में जुड़ पाता है। कुछ लोग सात समुद्रों की यात्रा कर तीर्थों में स्नान भी करते हैं यह सोचकर कि इससे प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हो पाएगी। पर तीर्थ स्नान करने मात्र से मन तो पवित्र नहीं हो जाता। लौकी (तुम्बी) को अड़सठ तीर्थों में गंगा में डुबो कर ले आओ पर रहती तो कड़वी की कड़वी ही है। तुम्बी अड़सढ़ तीरथ नावें कड़ुआन तो न जावे। तीर्थ स्नान करने मात्र से मन शुद्ध नहीं हो सकता बल्कि तीर्थ सही मायने में प्रभु का नाम सिमरन बंदगी करने पर ही है-

तीरथ नावन जावो तीरथ नाम है।
तीरथ शब्द विचार अंतर ज्ञान है।।

इस तरह बगुले की तरह ध्यान लगाने से, तीर्थों में स्नान करने से आंख बंद कर प्रभु बंदगी ध्यान लगाने से आप अपने आपको धार्मिक तो दिखला सकते हो पर इन बातों से प्रभु परमात्मा की प्राप्ति किसी विरले को ही अगर हमने सही मायने में प्रभु की सिमरन परमात्मा की की प्राप्तिकरनी हैतो मन को सिमरन साची रूपी मथनी से मथना पड़ेाग। प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगानी पड़ेगी। जैसे भकत रविदास ने लगाई थी-

साची प्रीत हम तुम सिंओ जोड़ी।
तुम सिंओ जोर अवरसंग तोड़ी।।

इस तरह उपरोक्त किसी भी तरह का कर्मकांड करना प्रभु प्राप्ति का साधन नहीं है बल्कि प्रभु परमात्मा की प्राप्ति हेतु इन कर्मकांडों के साथ साची प्रीत प्रभु परमात्मा से लगानी पड़ेगी। विषय विकारों से मोह भंग करना पड़ेगा। तभी हमें प्रभु की प्राप्ति होगी। हम सांसारिक मोह माया में फंसकर विषय विकारों में गलतान होकर अपने हीरे जैसे मानव जीवन को जो हमें पूर्व जनम के किसी अच्छे पुण्य कर्म के कारण प्राप्त हुआ है। जिसको व्यर्थ ही गंवा रहे हैं। अंतिम पंक्तियों में आप समझा रहे हैं कि सही मायने में जिसने भजन बंदगी कर साध संगत में जाकर प्रभु कथा कीर्तिन में मन रमाकर प्रभुबंदगी की है उसी ने प्रभु परमात्मा से साची प्रीति लगाई है। जिन्होंने प्रभु सिमरन कर अपने मन में विराजमान प्रभु परमात्मा के दर्शन कर लिए हैं। जिसने प्रभु द्वारा बनाए प्रत्येक मानव से प्रेम किया है जरूरतमंदों की मदद की है। नेक कमाई कर उसका दसबंध निकाल दीन दुखियों की सेवा में लगाया है। इस तरह मानव जीवन पाकर हमारा एक सूत्रीय कार्यक्रम होना चाहिए। ऊबर पोषण हेतु कार विहार भी करते रहना है पर मन हमहर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। तभी हमारा मानव जीवन पाकर इस धरा पर आना सफल हो सकेगा और तभी हम अपन`जीवन नौका को सुचारू रूप से खेकर इससंसार सागर से पार उतर कर प्रभु की साची दरगाह में स्थान प्राप्त कर पाएंगे। इस लिए- कर बंदे तू बंदगी जिचर घटि में साहो।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

एक्जिट पोल और हकीकत

एक दौर था जब चुनाव सम्पन्न होने के बाद लोग खुलकर बोलने लगते थे तब उनकी बात से जो कयास लगाया जाता वह अधिकांशत: सच के बहुत करीब होता था। जैसे-जैसे मतदाता को यह भान हो गया कि इसे गोपनीय रखना चाहिए उसने अपने दिल की बात कहना कम कर दिया लेकिन एक्जिट पोल का धंधा जोरों से चल पड़ा। जबकि ये आमतौर पर सही साबित नहीं होते। कभी कभार ही किसी की चांदी हो जाती है।

इससे पहले ज़मीन से जुड़े पत्रकार ही इस तरह की अनुमानित विवेचना देते थे जो बहुत कुछ सही साबित होती रही थीं लेकिन जब से मोदी मीडिया उदित हुआ उसने जमीनी सच्चाई से मुख मोड़ लिया है वह आसमान से हाथ हिलाती सत्ता का मुखापेक्षी बन गया है। अब तो एक रणनीति के तहत यह पूरी तरह सरकारी व्यवसाय बन गया है। कुछ सटोरिए भी इस वक्त अच्छी कमाई कर लेते हैं। ये एक्जिट पोल वाले कब, कहां किससे संपर्क करते हैं ये बताने वाला एक भी व्यक्ति मुझे आज तक नहीं मिला। जैसे सब मनगढ़ंत हो इसलिए इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ऊंट किस करवट बैठेगा यह मुहावरा इसलिए अंत में जोड़ा जाता है ताकि अपनी इज्जत बचाई जा सके।

यह पहली बार इस चुनाव में देखा गया कि सरकार विरोधी वोट देने के बावजूद लोग इस भय से कि 'जीतेगा मोदी ही' चुप साध लिए या जबरिया बोलने कहा गया तो उन्होंने मौजूदा सरकार का ही नाम लिया। ईवीएम का खतरा भी वे जानते हैं इसलिए ऊंट किस करवट बैठेगा आसान नहीं रहा है इसलिए ये पोल कांटे की टक्कर या जीत में दस-पच्चीस सीट का अंतर दिखा रहे हैं ताकि चित भी मेरी और पट भी मेरी हो।

बहरहाल जो हालात राजनैतिक नेताओं के चेहरे बता रहे हैं, उसके मुताबिक मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ कांग्रेस जीत रही है। इस जीत की वजह कांग्रेस के दो राज्य राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे हैं उनमें मुख्यमंत्रियों ने जो कहा कर दिखाया चाहे चिरंजीवी योजना हो, पेंशन बहाली या एमएसपी और किसान ऋण वापसी जैसे महत्वपूर्ण काम हों।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार गिराई गई इस बात से आमजन, किसान परेशान रहे वरना उन्हें भी ये लाभ मिले होते। मौका आया तो वे हाथ के साथ हो लिए। कांग्रेस पर उनका विश्वास बढ़ा है। कहा जाता शिवराज सरकार ने एक करोड़ लाडली बहना को जो राशि तीन माह से दी है उसका भाजपा को लाभ मिलेगा। सत्य यह है कि महिलाओं का एक बड़ा समूह उमा भारती के समय से भाजपा के साथ है। शिवराज की जीत भी इन्हीं की वजह से हुई इसलिए उसमें वृद्धि नहीं बल्कि जिन्हें नहीं शामिल किया गया वे घट गई है। तेलंगाना में राव और भाजपा की तकरार के बीच कांग्रेस विजय पथ पर अग्रसर है। मिजोरम में कांग्रेस दूसरी बड़ी पार्टी बनती नज़र आ रही है संभावित है वह सत्ता में सहभागी हों।

-सुसंस्कृति परिहार

कौन बनेगा विधायक की जानकारी जानने लोग रहे उत्सुक

जबलपुर, देशबन्धु। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में जहां एक तरफ विधानसभा चुनाव की मतगणना चल रही थी वहीं दूसरी तरफ बाहर लोग कौन प्रत्याशी आगे हैं और कौन पीछे इसे लेकर उत्सुकता का माहौल व्याप्त रहा। सभी यह जानने को आतुर थे, कि उनके क्षेत्र में कौन सा प्रत्याशी आगे है और कौन पीछे जा रहा है। रविवार को सुबह के नौ बजते तक मतगणना को लेकर चाक चौराहो में लोग एकत्र होने लगे थे। इसमें चाय-पान की दुकान से लेकर अन्य सार्वजनिक स्थानों पर दिन चढ़ने के साथ ही भीड़ बढ़ने लगी थी।

चाय की चुस्की के साथ ही लोग जवाहर लाल नेहरू कृड्क्षष विश्वविद्यालय में चलने वाली मतगणना के परिणाम को विभिन्न माध्यमों से जानने का काम कर रहे थे। वहीं सोशल मीडिया द्वारा लोग चुनाव परिणाम की जानकारी ले रहे थे। कोई फेस बुक तो व्हाट्सप आदि के माध्यम से पल-पल की जानकारी ले रहे थे। टीवी खबरिया चैनल भी धारा-प्रवाह तरीके से प्रदेश और अन्य प्रदेश जहां पर विधानसभा चुनाव हुये हैं, वहां की जानकारी दे रहे थे। जिसको जानने लोगों में उत्सकुता देखी जा रही थी।

पुलिस जवान भी चिपके रहे मोबाइल पर

इधर शहर और ग्रामीण अंचल के सार्वजनिक स्थानों पर जहां पर पुलिस जवान तैनात थे, वे भी मोबाईल से चिपके रहे, और किस

मतगणना केंद्र के बाहर और अन्य जगह रोमांच और उत्साह का माहौल

पार्टी की सरकार बन सकती है, इसकी जानकारी लेने में सक्रिय देखे जा रहे थे। यहीं हाल व्यापारिक क्षेत्रों में भी देखने को मिला, सुनरहाई, कोतवाली, फुहारा, अंधेरदेव, सदर, गढ़ा, आदि जगह ही यही दृश्य देखने को मिल रहे थे। जहां पर लोग मतगणना की जानकारी ले रहे थे। कुल मिलाकर भले ही राजनीतिक दल के नेता मतगणना केंद्र के अंदर सक्रिय थे, बावजूद बाहर भी अच्छा खासा माहौल व्याप्त रहा। हालाकि पहले एमएलबी स्कूल में मतगणना होती थी, जिसके बाद शहर के अंदर अच्छा खासा माहौल देखने को मिलता था। इस बार शहर से दूर कृषि विश्वविद्यालय में मतगणना चलने से कम लोग ही वहां तक पहुंच पाये।

सुबह-सुबह किसी ने मंदिर में टेका मत्था तो किसी ने नर्मदा दर्शन किये

मतगणना के पहले सुबह-सुबह विधायक प्रत्याशियों ने अपने तरह से अपने-अपने ईष्टों का नमन किया। इसी कड़ी में उत्तर मध्य के कांग्रेस प्रत्याशी विनय सक्सेना ने मंदिर में पूजन अर्चन कर जीत का आशीर्वाद मांगा। वहीं दूसरी तरफ केंट के विधायक प्रत्याशी अशोक रोहाणी ने नर्मदा दर्शन कर दिन की शुरूआत की। इसी तरह अन्य विधायक प्रत्याशियों ने भी प्रातःकाल दिन की शुरूआत की।

बाहर तैनात कर्मी पानी के लिए रहे परेशान

जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में हो रही मतगणना स्थल की सुरक्षा में सड़कों और गेट पर तैनात पुलिस कर्मियों के लिए पानी का कोई इंतजाम प्रशासन की ओर से नहीं किए जाने पुलिस कर्मियों ने नाराजगी रही। पुलिस कर्मियों का कहना था कि खाना तो दे दिया, लेकिन अब वह पानी पीने कहां जाए, क्योंकि यहां

होटल भी नहीं है। पुलिस कर्मी कह रहे थे कि अगर उनको खाना खाते समय खाना गले में फंस जायेगा तो वह क्या करेंगे।

मुख्य गेट पर हर समय लगता रहा जाम

पनागर की ओर से शहर आने वाले रास्ते पर जेएनकेविवि का मुख्य गेट पर हर समय जाम के हालात बने रहे। राहगीरों को सुहागी सड़क को मेन रोड से जोड़ने वाले तिराहे पर लगा राजनैतिक जमावड़ा राहगीरों की परेशानी का मुख्य सबब बना रहा। जितनी मुस्तैदी से पुलिस नानाजी देशमुख विटनरी विश्वविद्यालय के गेट पर सड़के पर यातायात व्यवस्था संभाले रही, उससे ज्यादा लापरवाही मुख्य गेट नजर आई जिससे राहगीरों को जाम फंसकर परेशानी उठानी पड़ी रही थी।

मतगणना स्थल पहुंचने सभी होते रहे परेशान

पुलिस की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के चलते निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए पासधारियों को ही मतगणना स्थल तक पहुंचने दिया गया, वहीं राजनैतिक दलों के एजेंटों को देर आने के बाद मतगणना स्थल तक पुलिस कर्मियों ने नहीं जाने दिया। जिन मीडिया कर्मियों के पास निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी किया गया पास नहीं था , उन्हें भी मतगणना स्थल तक सुरक्षा कर्मियों ने मतगणना स्थल तक नहीं पहुंचने दिया।

मतगणना के साथ ही चुनावी प्रक्रिया के शांतिपूर्ण और निर्विघ्न सम्पन्न होने पर कलेक्टर ने जताया आभार

जबलपुर, देशबन्धु। मतगणना के साथ ही विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के शांतिपूर्ण और निर्विघ्न सम्पन्न होने पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री सौरभ कुमार सुमन ने जिले के सभी नागरिकों का आभार जताया है । सुमन ने राजनैतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों, चुनावी ड्यूटी में संलग्न शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों से मिले सहयोग की तारीफ करते हुए कहा कि इसीका परिणाम है की जिला प्रशासन लोकतंत्र के इस महायज्ञ को बिना किसी कठिनाई के पूरा करा सका। उन्होंने समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की खास तौर पर सराहना करते हुए कहा कि चुनावी कार्यक्रम, चुनावी व्यवस्थाओं एवं चुनाव को लेकर किये गये नवाचारों को आम जनता तथा मतदाताओं तक पहुंचाने में पत्रकारों की भूमिका और जिला प्रशासन को मिला उनका सहयोग अद्वितीय था। श्री सुमन ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने में तैनात पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों एवं सुरक्षा बलों की सक्रिय भूमिका की भी सराहना की।

पश्चिम विधानसभा की विजय आभार रैली स्थगित

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम विधानसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह की जीत के उपरांत सोमवार 4 दिसंबर को निकाली जाने वाली विजय आभार रैली आगामी समय के लिए स्थगित की गई है। गौरतलब है कि सोमवार 4 दिसंबर को संसद सत्र के प्रारंभ होने और इस संदर्भ में आयोजित आवश्यक बैठक में राकेश सिंह के भाग लेने दिल्ली रवाना होने के कारण, आभार रैली को आगामी समय के लिए स्थगित किया गया है।

जनता का निर्णय सर्वमान्य हम मंथन करेंगे कि कहां चूक हुई-अन्नु सिंह

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के परिणामों से सबसे ज्यादा जनता आश्चर्यचकित है चुनाव में हार जीत तो होती रहती है परंतु इस तरह के परिणाम किसी के भी गले नहीं उतर रहे ।लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वमान्य एवं स्वीकार है शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व महापौर जगत बहादुर से अन्नु ने पूज्य व प्यारी जनता जनार्दन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओ एवं कार्यकर्ताओं की कर्मठता एवं निष्ठा को प्रणाम करते हुए कहा कार्यकर्ता निराश ना हो हमने बाजी हारी है हौसला नहीं। हम मंथन करेंगे कि कहां चूक हुई ।

नम आँखो से दी विदाई

जबलपुर, देशबन्धु। मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत अल्लामा मौलाना मुहम्मद हामिद अहमद सिद्दीकी कादरी के निवास उपरैन स्थित दारुस्सलाम मे उनके इंतकाल की खबर लगते ही हज़ारो अक़ीदतमंद पहुँचने लगे। मुफ्ती ए आज़म का घराना पिछले कई दशको से मध्यप्रदेश और शहरे जबलपुर की रहनुमाई कर रहा है। चाहे दीनी या दुनियावी हो या फिर कोई और मामला इस घराने के हर बुजुर्ग ने शहर जबलपुर की हमेशा कौमी एकता व सामाजिक सद्भाव को हमेशा ध्यान मे रखा है। शाम 6 बजे जब मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश का जनाजा शरीफ उनके निवास से रवाना हुआ तो उसमे शामिल हज़ारो लोगों ने मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश को नम आँखों से विदाई दी। उनके जनाज़े मे हिंदू मुस्लिम व सभी धर्म के लोग शामिल रहे।जनाज़े की नमाज़ सैय्यद गयासुद्दीन अहमद हुज़ूर गयासे मिल्लत

मुफ्ती ए आज़म के जनाजे मे शामिल हुए हज़ारो लोग

सज्जादानशीन खानकाहे आलिया कादरीया कालपी शरीफ ने पढाई जनाज़े मे हज़रत अल्हाज कोसर रब्बानी साहब, हज़रत आमिर रजा साहब बरेली सहित सेकड़ो आलिम, हाफिज और उलेमाक्राम शामिल रहे। रात्रि 8.15बजे मुफ्ती ए आज़म को रानीताल ईदगाह मे सुपूर्दे खाक किया। और इसके साथ ही जबलपुर की एक अज़ीम शख़्सियत पर्दा फरमा गई। नायबे मुफ्ती ए आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना मुहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुर्हानी ने बताया कि हज़रत के सोयम की फातिहा आज सोमवार को सुबह 10 बजे उपरैनगंज स्थित दारुस्सलाम मे रखी गई है।

प्रदेश में भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में सरकार बनने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा मालवीय चौक पर जीत का जश्न मनाते हुए आतिशबाजी एवं मिष्ठान वितरण किया गया ।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू ने कहा कि जनता ने भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत दिया है जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मध्यप्रदेश सहित पूरा देश भाजपा मय है एवं पूरे मध्यप्रदेश में विकास को जनता ने सराहा है प्रदेश की लाडली बहनों ने अपने मुख्यमंत्री भाई को आशीर्वाद दिया है जनता भाजपा के काम से संतुष्ट हैं एवं कांग्रेस को समाप्त करने का मन बना चुकी है।

प्रदेश मंत्री आशीष दुबे ने कहा कि भाजपा की नीति एवं

मालवीय चौक पर मनाया जीत का जश्न

मोदी जी के काम पर जनता को विश्वास है कि आने वाले समय मे देश के चहुमुखी विकास के लिए भाजपा आवश्यक है इसलिए जनता हमारे साथ है। जनता का भाजपा पर विश्वास बना है एवं सीटों का बढ़ता क्रम बता रहा है कि विश्वास बढ़ता जा रहा है, जनता हमसे प्रसन्न जिसके लिए जनता साधुवाद भाजपा करती है। इस अवसर पर एसके मुद्दीन, संदीप जैन,अरविंद पाठक, रोहित जैन, रंजीत पटेल, लालू यादव, जयराम तिवारी, शुभम अवस्थी, आकाश गुप्ता आदि उपस्थित थे।

पानी गिरने से खतरनाक हो गई बरगी से बरगी नगर सड़क

जबलपुर, देशबन्धु। पिछले दो-तीन दिनों से बेमौसम हो रही बरसात के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 7 बरगी से बरगी नगर, बांध तक पहुंच मार्ग 10 किलोमीटर अत्यंत खतरनाक स्थिति में आ गया है । लंबे समय से जर्जर और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो जाने के कारण इस सड़क पर यात्रा करना उतना ही खतरनाक हो गया है । गड्ढे भरने के लिए डाली गई मुरम पर पानी पड़ने के कारण अत्याधिक फिशलन बढ़ गई है जिसके कारण राहगीर फिसल कर गिर रहे हैं ।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जल जीवन मिशन के अंतर्गत एलएनटी कंपनी द्वारा यहां भारी भरकम जेसीबी डंपर एवं अन्य भारी वाहनों की आवाजाही तथा ज्ञाबुआ पावर प्लांट से राख़ड़ वाले ओवरलोड हाईवा के कारण यह सड़क दुर्दशा की शिकार हो गई है इस सड़क से रोजाना बरगी से बरगी नगर तक अप डाउन करने वाले दो पहिया तथा चार पहिया वाहन वाले दुकानदार भाइयों का कहना है कि यह सड़क रात में चलने लायक बिल्कुल भी नहीं बची है हर समय दुर्घटना का खतरा सताता रहता है जगह-जगह से एलएनटी कंपनी द्वारा काटी गई नालियों को बेतरतीब तरीके से मुरम से भर दिया गया है इनकी सीमेंट कंक्रीट से प्रॉपर मरम्मत नहीं की गई है जिस कारण कई जगह अघोषित ब्रेकर भी बन गए हैं ।

कहीं खिले चेहरे, कहीं उम्मीद चकनाचूर

हर राउंड के बाद बढ़ीं धड़कनें,प्रशासनिक कसावट से समय पर शुरु हुआ मतदान

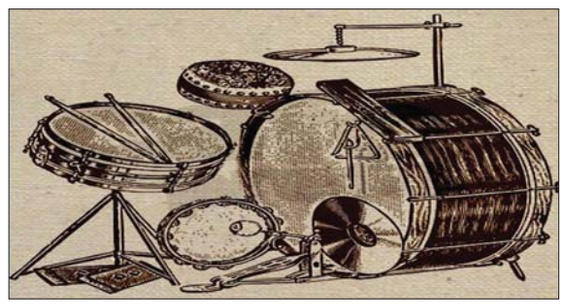

जबलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव की मतगणना के दौरान प्रशासनिक कसावट स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। एकदम समय पर पोस्टल बैलेट की गिनती शुरु हुई और समय पर ही ईवीएम मशीनों की गणना शुरु हुई। कलेक्टर सौरभ के सुमन और अन्य अधिकारियों की मुस्तैदी के कारण काउंटिंग जारी है। मतगणना के दौरान जब हर राउंड के आंकड़े जारी हो रहे थे तब पार्टियों के प्रतिनिधियों की धड़कतें घटती-बढ़ती रहीं। पहले पोस्टल बैलेट और फिर जब ईवीएम के वोट गिने जाने लगे तब हलचल और बढ़ने लगी।

सोशल मीडिया रहा हावी

चुनाव के नतीजे देने के मामले एक बार फिर से सोशल मीडिया ने बाजी मार दी। पहले राउंड से शुरु हुआ सोशल मीडिया में अपडेट करने का काम लगातार जारी रहा। पहले हर राउंड की जानकारी बाहर तक आने में जो वक्त लगता था, वो सिमटकर बहुत कम हो गया।

प्रत्याशी फोन पर अपडेट हुये

मतगणना स्थल पर तैनात एजेंटों के माध्यम से प्रत्याशी प्रत्येक राउंड की जानकारी लेते रहे। हालाकि, जब विरोधी पार्टी के प्रत्याशी ने लंबी लीड ले ली तो एजेंटों के पास फोन आने बंद हो गये। प्रत्याशियों की ओर से आए प्रतिनिधि भी लगातार अपडेट करते रहे। जिन प्रत्याशियों को आशानुरुप परिणाम नहीं मिले उनके प्रतिनिधि भी धीरे-धीरे बाहर चले गये।

सुनाई देने लगे ढोल-ढमाके

13 वे राउंड के पूरे होने के साथ ही शहर के अनेक इलाकों में बाजे-गाजे के स्वर सुनाई देने लगे। प्रत्याशियों ने जब एक निश्चित बढ़त बना ली तब उनके समर्थक आतिशबाजी और ढोल बजाने से खुद को रोक नहीं पाए। हालाकि, ये सिलसिला देर शाम से देर रात तक जारी रहेगा।

चर्चाओं का बाजार सरगर्म

जिस तरह से प्रदेश और जिले के नतीजे आ रहे हैं तो जानकार उन मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं,जिन्होंने इस बार सरकार का रुख तय किया। जबलपुर की आठों विधानसभा में कौन सा मुद्दा हावी रहा और कौन सा मुद्दा कमजोर रहा, इस पर डिबेट प्रारंभ हो गयी है। चाहे भाजपा हो या कांग्रेस सभी के समर्थकों ने अपनी-अपनी बात अपने तरीके से रखी। कुछ एक समर्थक कह रहे हैं कि परिणाम चौंकाने वाले आ रहे हैं तो कुछ का कहना है कि ये परिणाम पहले से तय थे।

हमारे इतिहास से की छेड़छाड़ ने जाति भेद को बढ़ावा दिया

जबलपुर, देशबन्धु। भारत के इतिहास के साथ की गई छेड़छाड़ के कारण देश मे जाति भेद को बढ़ावा मिला और लोग सिर्फ जातियों में विभक्त नही हुए बल्कि लोगो ने अपने अपने जातियों के आराध्य बना लिए जो सबके थे उन्हें सीमित कर दिया, इसे दूर करने और जातिवाद तोड़ने के लिए समरसता से अच्छा कोई कार्य नही है और यह कार्य यह संगठन बहुत अच्छे से कर रहा है यह बात समरसता सेवा संगठन द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु जयंती के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इतिहासकार डॉ आनंद सिंह राणा ने होटल श्रीराधा सिविक सेंटर में कही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रजनीश गुप्ता (सहायक महाप्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया), मुख्य वक्ता वरिष्ठ इतिहासकार डॉ आनंद सिंह राणा एवँ समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन मंचासीन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतमाता, भगवान श्रीराम, नर्मदा जी एवँ भगवान सहस्त्रबाहु के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में वक्ताओं ने विचार गोष्ठी को संबोधित किया। दूसरे चरण में सामजिक जनो का सम्मान किया गया।

मुख्य वक्ता इतिहासकार प्रो आंनद सिंह राणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा सब सबको जाने - सब सबको माने के धेय्य को लेकर चल गतिमान संगठन समरसता सेवा संगठन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम भगवान सहस्त्रबाहु जयंती को हम मना रहे है।

उन्होंने कहा भगवान सहस्त्रबाहु जो विष्णु का 24 वें अंश चक्र अवतार थे जो शिव का अंश थे उनका वध कैसे हो सकता है, यह विवाद की स्थिति पैदा करने विषय था, इतिहासकारों ने भ्रम बनाया, यह सिर्फ लोगो को भ्रमित करने के लिए फैलाई गई भ्रांति है। जो अंश अवतार है उनका वध नही किया जा सकता जब तक वह स्वयं अपना शरीर न त्यागने का निर्णय न ले। योग बल से उन्होंने अपने पार्थिव शरीर को त्यागा था।

उन्होंने कहा भगवान सहस्त्रबाहु ने क्रीड़ा के

समरसता सेवा संगठन के माध्यम से सुख समृद्धि का संदेश देने की अनुकरणीय पहल

चलते नर्मदा नदी को अपनी हजार बांहों से रोका था और जब उन्हें पता चला कि नर्मदा तट में रावण पूजन करने आया है तब उन्होंने अपनी बांहे खोल दी और आपार जल से रावण की पूरी सेना बह गई और पूरा दक्षिणावृत राक्षसों से विहीन हो गया और रावण सिर्फ लंका में जाकर सीमित हो गया।

भारत मे सुख समृद्धि शांति की स्थापना में भगवान सहस्त्रबाहु का योगदान था। देश के प्रथम महारथी भगवान सहस्त्रबाहु थे।

जो नरेटिव बनाया गया उसे बदलने की आवश्यकता है लोगो को जाग्रत करने की आवश्यकता है, जाति समुदाय की लड़ाई को रोकने की आवश्यकता है और समरसता के माध्यम से हम इस नरेटिव को बदल सकते है और समरसता सेवा संगठन ने इसकी शुरुआत की है। समरसता की स्थिति जब निर्मित हो रही है तो हमे अपने इतिहास को जानना और पढ़ना चाहिए और समझना चाहिए।

मुख्य अतिथि सहायक प्रबंधक आयुध निर्माणी खमरिया रजनीश गुप्ता ने विचार गोष्टी को संबोधित करते हुए कहा हमारी धर्म परंपरा ने चार वर्णों के उल्लेख किया गया है यहाँ जाति व्यवस्था नही थी जो लोग जिस कार्य को अच्छे से और रुचि से करते थे उन्हें उस कार्य के आधार पर जाति से जोड़ दिया जाता था और यह सिर्फ पहचान के लिए था किंतु कालांतर में बाहरी आक्रांताओं ने देश पर कब्जा करने के उद्देश्य से जातिवाद को बढ़ावा दिया और लोगो के साथ साथ महापुरुषों को भी बांट दिया इसे दूर करने और लोगो के जोड़ने जा कार्य समरसता सेवा संगठन द्वारा किया जा रहा है यह अच्छी पहल है।

संगठन अध्यक्ष संदीप जैन ने कार्यक्रम के संदर्भ में अपनी बात रखते हुए कहा हमारा उद्देश्य सब सबको जाने सबको माने है। हमारे महापुरुष, आदि पुरुष हुए उनने अपना संदेश सर्व समाज को दिया है। इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई और गलत जानकारी परोसी जा रही है इसीलिए भारत की सनातन संस्कृति के बारे में बहुत अच्छे से जाने और अच्छे से माने। संगठन की ओर से रवि शर्मा ने विचार व्यक्त किये। संचालन उज्ज्वल पचौरी एवँ आभार दीपक तिवारी ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम में मुरारीलाल ताम्रकार, राजेश जायसवाल, सुबोध पैगवार, प्रदीप चौकसे, प्रमोद रामकृष्ण ताम्रकार, मनोज जसाठी, योगेश पैगवार, प्रमोद वर्मा, प्रीति ताम्रकार, प्रकाश ताम्रकार, लखन महलावर, नंदा ताम्रकार, अतुल ताम्रकार, सुधीर ताम्रकार, अभय ताम्रकार, अजय ताम्रकार, अनिल ताम्रकार, राजेन्द्र ताम्रकार, श्यामलाल मंजुलता ताम्रकार अभिषेक जसाठी, प्रतिभा पंडा, मोहन ताम्रकार, साकेत ताम्रकार, अमित गुप्ता, दिनेश शिवहरे, जायसवाल, ज्योति राय, रेखा चौकसे आदि का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में डॉ वाणी अहलूवालिया, आलोक पाठक, संजय यादव, प्रमोद पंडा, कौशल किशोर दुबे, नंदा वर्मा, रत्नेश मिश्रा, शैलेश साहू,कृष्णकुमार उमरे, संजय गोस्वामी, करोड़ीलाल अग्रवाल, सुरेश पांडे, परमवीर सिंह, कैलाश कोष्टा, पुनीत मिश्रा, विजय चौरसिया, मनीष शिवहरे, संदीप अग्रवाल, अतुल पांडे, प्रदीप पटेल, ओंकार रजक आदि बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

श्रीहरि ने भक्तों के कष्ट हरने ही नित नव अवतार लिये : स्वामी नरसिंह दास

नरसिंह मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा पुराण में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूम

जबलपुर, देशबन्धु। भक्तों के कष्टों को हरने के लिए भगवान श्री हरि नारायण ने नित नव अवतार लिए। भक्त नारायण का नाम जप करने के साथ पूर्ण समर्पण भाव से नारायण का होता है।

श्रीमद् भागवत मह पुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा व्यास में श्रीनृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंह दास महराज ने कहा हमारा मन और बुद्धि निर्मल और शुद्ध होना चाहिए, मन और बुद्धि की शुद्धि का साधन कथा ही है। कथा के समान अन्य कोई दूसरा साधन नहीं। कथा समान भुवि नास्ति चान्यत्ग इसलिए भगवान की कथा खूब श्रवण करना चाहिए, यह कथा अमृत है। इसे स्वयं पियो तथा दूसरों को प्रेरणा देना चाहिए, भगवान के अनेक अवतार हुए पर उन सबका एक ही उद्देश्य है।धर्म की रक्षा और भक्तों पर अनुग्रह करना, जिन लीलाओं को करके भगवान चले जाते हैं, उन्हीं का गायन करना स्मरण करना नाम जपना यही भक्ति है। चाहे श्रीहरि का बाराह अवतार हो चाहे वामन परशुराम या नृसिंह अवतार हो हरि की लीलाएँ दिव्य है। श्रीरामवतार में भगवान त्रेता में जन्म लेते हैं, तो द्वापर में श्री कृष्ण व बलराम के रूप में प्रगट होकर इस पृथ्वी के भार को दूर करते हैं और धर्म की स्थापना करते हैं।

यजमान शालिनी पांडे, गीता तिवारी, सावित्री उपाध्याय, विजय तिवारी ने व्यास पीठ का पूजन किया। इस अवसर पर प्रो. आचार्य रामफल शुक्ल, कामता गौतम, एस बी मिश्रा, प्रो. वीणा तिवारी, डॉ. बहरानी, रमेश भसेड़िया, जुगल किशोर श्रीवास्तव उपस्थित रहे ।

प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्म जयंती पर कांग्रेस ने श्रद्धा-सुमन अर्पित किये

जबलपुर, देशबन्धु । छोटे से स्कूल से राष्ट्रपति भवन तक का सफर तय करने वाले स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करने वाले भारत के संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले भारत के प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की जन्म जयंती के अवसर पर शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु के निर्देश पर हाईकोर्ट चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व पार्षद भगत राम, संगठन मंत्री मनोज सेठ, राकेश चक्रवर्ती, श्याम सोलंकी, अतुल जोसेफ, विष्णु विनोदिया आदि उपस्थित रहे।

विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। दो दिवसीय प्रवास पर नगर आए भोपाल शाखा के अध्यक्ष केके मनवारे ने जबलपुर शाखा संरक्षक पी एस मथारू द्वारा कॉफी हाऊस एवं जगदीश गुलाटी द्वारा संचालित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं पेंशनर्स की बैठक में शामिल हुए। विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ की बैठक में उन्होंने कहा पेंशन की अनिश्चितता, मंहगाई राहत स्वीकृति में आनाकानी एवं अन्य मांगों और समस्याओं पर टाला-मटोली, पेंशनर्स के भविष्य जैसे मुद्दों और मांगों सहित समस्याओं पर विचार विमर्श किया। नई सरकार के व्यवहार को देखते हुए आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

विद्युत पेंशनर हित रक्षक संघ की बैठक में भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष आरडी मिश्रा, उपाध्यक्ष बीएल पटेल, संगठन सचिव एस एन पटेल, राकेश बाजपेयी, केदार अग्निहोत्री, सुब्रतो बैनर्जी ने संबोधित किया। गिरीश परेतकर दम्पति, जगदीश गुलाटी, थॉमस वर्गीस, शिरीष नेरकर, जयवंत खारपाटे केके गुप्ता, का विशिष्ट सम्मान किया गयाज जबलपुर पेंशनर्स का प्रदेश स्तरीय वृहत समागम आयोजित करने का प्रस्ताव स्वीकार किया। इस बैठक के समापन पूर्व मोहन श्रीवास ने किया।

बच्चों ने लगाई नींबू चम्मच दौड़

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद मनोरमा संभाग के तत्वावधान में पठदान केन्द्र में खेल महोत्सव मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने मेढक दौड़, नींबू चम्मच दौड़, उलटी दौड़ में हिस्सा लिया। इस मौके पर बच्चों को शिक्षण सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में ध्रुव कुमार गुप्ता, आभा जैन, शोभा जैन, विभा जैन, अध्यक्ष वैशाली जैन, किरण, भारती, नीता मौजूद रहीं।

कलश शोभायात्रा से आरंभ होगा महामृत्युंजय महायज्ञ का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीमठ मदनमहल आमनपुर जबलपुर से महामृत्युंजय महायज्ञ की कलश शोभायात्रा का शुभारंभ श्री पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती महाराज और स्वामी प्यारेनंद महाराज के सानिध्य में आरंभ होगी। डॉ. स्वामी राधेचैतनय महाराज तथा कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद ने कलश शोभा यात्रा के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि महामृत्युंजय महादेव का 21 आचार्य पुरोहितों द्वारा शिवा अर्चन तथा 8 से 9 बजे तक 501 कलशों का पूजन किया जाएगा। कालीमठ से विशाल कलश शोभा यात्रा का शुभारंभ ध्वज पताका और धूमधाम के साथ प्रात: 9 बजे से आरंभ होगी। कलश शोभायात्रा में शामिल होने के लिए दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती महाराज, डॉ. स्वामी राधेचैतन्य महाराज, महंत चंद्रशेखरानंद, स्वामी रंजीतानंद महाराज, नरसिंह पीठाधीशवर महाराज, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, अजय ग्रोवर, इंद्र कुमार तिवारी, प्रदीप चौहान, अनिल सराठे, बबलू, अमित मिश्रा, भैयाराम अवस्थी, नारायण दास ब्रजवांनी, प्रभात दुबे, संदीप जैन, अजय यादव, मनु मिश्रा बंटी, रघुवीर श्रीवास, मुकेश मल्होत्रा, अरुण तिवारी, विवेक तिवारी, अश्विन शुक्ला, सुभाष डागा, अनिल उसरेटे मीडिया प्रभारी ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की 139 वीं जयंती पर कायस्थ महासभा का संगोष्ठी आयोजन

जबलपुर,देशबन्धु। स्वतंत्रता भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भारत रत्न एवं कायस्थ कुल गौरव डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की 139वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यालय ए.पी.एन शैक्षणिक परिसर सदर में पुष्पांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव के मुख्यातिथ्य एवं जिलाध्यक्ष अनूप वर्मा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में गणेश खरे, संतोष श्रीवास्तव, डॉ सोनल खरे, मनु श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा डॉ राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन व पूजन अर्चन के साथ किया।

इस अवसर पर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने राजेन्द्र प्रसाद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, कि राजेन्द्र प्रसाद एक विलक्षण प्रतिभा के व्यक्तित्व थे। संविधान सभा के अध्यक्ष से लेकर स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित करते हुए उन्होंने समग्र कायस्थ कुल का गौरव बढ़ाया। राष्ट्रपति होने के बावजूद भी उनका पूरा जीवन सादगी से भरा रहा। हम सभी को उनके जीवन से कर्तव्यनिष्ठा, सदाचारिता, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा लेते हुए अपने कार्यो को राष्ट्रहित में लगाना चाहिए।

कार्यक्रम का कुशल संचालन नवनीत श्रीवास्तव ने व आभार प्रदर्शन जिला महिला अध्यक्ष दीप्ति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष अनूप वर्मा, मयंक श्रीवास्तव, गणेश खरे, संतोष श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव, नीलेश भटनागर, विजय खरे, जितेन्द्र श्रीवास्तव, बीना श्रीवास्तव, डॉ सोनल खरे, मनु श्रीवास्तव, शालिनी निगम, रजनी श्रीवास्तव, वर्षा वर्मा, राधा खरे, रीता श्रीवास्तव, हिना निगम, रेनु, शिवानी, हरिओम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कायस्थजनों ने उपस्थित होकर डॉ राजेन्द्र प्रसाद के प्रति अपनी पुष्पांजलि अर्पित की।

दैनिक राशिफल

सोमवार 04 दिसम्बर 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। अगहन कृष्णपक्ष की सप्तमी। नक्षत्र-मघा।

मेष

किसी नए काम की शुरुआत के लिए सुबह का समय अनुकूल रहेगा। आज सरकारी लाभ होने की संभावना है।

वृषभ

आज का दिन आप के लिए मध्यम फलदायी है। आज मित्रों तथा स्नेहीजनों के साथ हुई मुलाकात से मन खुश रहेगा।

मिथुन

आज आय के मुकाबले खर्च अधिक रहेगा। आंखों में दर्द की समस्या आ सकती है। मानसिक चिंता बनी रहेगी। विचारों में परिवर्तन होगा।

कर्क

आप आर्थिक जिम्मेदारियों के प्रति ध्यान देंगे तथा कहीं निवेश की योजना भी बना सकेंगे। आर्थिक लाभ होने की संभावना हैं।

सिंह

आज सुबह का समय बहुत अच्छी तरह से गुजरेगा। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आनंदप्रद और लाभप्रद समाचार मिलेंगे।

कन्या

आपका दिन अनुकूल रहेगा। परिजनों के साथ आपके संबंध अच्छे बने रहेंगे। दोस्तों और स्वजनों से उपहार मिल सकता है।

तुला

आज सुबह आपका मन किसी बात को लेकर चिंता में रहेगा। शारीरिक रूप से शिथिलता और आलस्य बना रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। सुबह के समय आप आनंद और मनोरंजन में डूबे रहेंगे। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा।

धनु

कला के प्रति आज आपकी रुचि ज्यादा रहेगी। खर्च ज्यादा रहने से आप परेशान हो सकते हैं। संतान से संबंधित कोई चिंता आपको हो सकती है। काम में मन नहीं लगेगा।

मकर

बातचीत करते समय क्रोध ना करें। परिवार में सुख-शांति और आनंदपूर्ण वातावरण बना रहेगा। मान सम्मान मिलने की भी संभावना है।

कुंभ

ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए समय अच्छा नहीं है।

मीन

आज अधिक इमोशनल होने से बचें। ज्यादा सोच-विचार करने से आप चिंता में रहेंगे। जमीन और मकान संबंधी काम के लिए आज समय अच्छा नहीं है।

मा.

'मेरे अपने' कृति का हुआ विमोचन

जबलपुर, देशबन्धु। सी साइंस कार्यालय भंवरताल गार्डन के पास सृजन शिल्पी डॉ. प्रार्थना राजेन्द्र अर्गल की कृति मेरे अपने का विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। आयोजन की मुख्य अतिथि गीता शरद तिवारी रहीं और अध्यक्षता साधना उपाध्याय ने की। के.के. नायकर, राजेश माहेश्वरी, अनामिका तिवारी और निर्मला तिवारी के सारस्वत आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कविता अर्गल, रागिनी आदिवासी ने सरस्वती वंदन कर नृत्य प्रस्तुत किया। नगर की प्रतिष्ठित संस्थाओं में से वर्तिका, म.प्र. लेखिका संघ, त्रिवेणी परिषद, गीत पराग, सशक्त हस्ताक्षर, विविधा कला, लायंस क्लब, वर्तिका से विजय नेमा, सुशील श्रीवास्तव, सिद्धेश्वरी सराफ, मनीषा गौतम, छाया सिंह, आशा श्रीवास्तव, मुकुल तिवारी, चंद्र प्रकाश वैश्य, डॉ. गीता गीत, रीता दास, नेपियर टाऊन लेडिज क्लब के सदस्यों ने शाल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। इस आयोजन में क्राइम ब्रांच समर वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्रमिक नेता ने पौधा रोपकर मनाया जन्मोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। श्रमिक नेता एस. नूरुल्लाह ने अपना 74 वां जन्मदिन कदम संस्था द्वारा पौधा रोपण कर मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति की सेवा करना ही मानव जीवन का मिशन होना चाहिए, क्योंकि प्रकृति की सेवा करने से ही हमारी सुरक्षा है। इस दौरान वारिस अली कादरी, मुहम्मद नूरुल्लाह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शासकीय स्कूल और कार्यालयों की मरम्मत के कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाएं: संघ

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी-कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शासकीय शालाओं और कार्यालयों में जहां बाउंड्री वॉल नहीं हैं, वहां सबसे पहले बाउंड्री वॉल बनवाए जाने चाहिए। जिससे आसामाजिक तत्वों के द्वारा शासकीय भूमि पर किसी प्रकार से अतिक्रमण न किया जा सके। शालाओं और कार्यालयों के कैंम्पस में आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है। जिससे विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना शिक्षकों को करना पड़ रहा है।

संघ ने आगे बताया कि शासकीय शालाओं एवं कार्यालयों के सभी प्रकार के मरम्मत कार्य पूर्ण किए जाने चाहिए। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर ऐसे स्कूल भी हैं, जिन्हें मरम्मत कर दुरस्त किया जाना अति आवश्यक है। खराब मौसम के चलते कभी भी हादसा हो सकता है। अत: हादसा हो इसके पहले ही मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया जाना चाहिए। क्योंकि कई स्कूल रोड से लगे हुए हैं, जहां बच्चे बाहर निकल जाते हैं। ऐसे में स्कूलों के मरम्मत कार्य एवं बाउंड्री वॉल बनवाने के कार्य अतिशीघ्र किए जाने चाहिए। साथ ही जर्जर कार्यालयों में भी शीघ्र सुधार कार्य किए जाने चाहिए। संघ के रॉबर्ट मार्टिन, जिर्याउरहीम, राकेश श्रीवास, हेमंत ठाकरे, दिनेश गौंड़, रऊफ खान, फिलिप अन्थोनी, सुधीर पावेल, विनोद सिंह, गुडविन चार्ल्स, राजकुमार यादव, उमेश सिंह ठाकुर, सुनील झारिया, क्रिस्टोफर नरोन्हा, एनोस विक्टर, मनीष मिश्रा, राजेन्द्र सिंह, रामदयाल उईके, धनराज पिल्ले, सुधीर अवधिया, आबिद खान, अफरोज खान, देवेन्द्र पटेल, मनीष झारिया, गोपीशाह, रवि जैन, नेत राम, नीरज मरावी, वीरेन्द्र श्रीवास, विजय झारिया, सुनील स्टीफन, विनय रामजे, रामकुमार कतिया, सरीफ अहमद अंसारी, आशीष कोरी, मनीष मिश्रा, संतोष चैरसिया, एस.बी.रजक, अजय मिश्रा, सुखराम विश्वकर्मा, रामाधर चैधरी, आदि ने जिला शिक्षा केन्द्र से मांग की है कि वे जिले के स्कूलों की बाउंड्री वॉल एवं जर्जर विद्यालयों के मरम्मत कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करें। साथ ही हर विभाग के विभागीय अधिकारियों से भी मांग की गई है कि अपने विभाग के जर्जर कार्यालयों में भी मरम्मत कार्य अतिशीघ्र कराएं।

सभी शासकीय स्कूलों में जल्द बनायी जाये बाउंड्री वॉल

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री भगवत प्रसाद झारिया- गोरखपुर ककरैया तलैया झारिया मोहल्ला निवासी श्री भगवत प्रसाद झारिया (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जानकी जायसवाल- मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री सूरज जायसवाल की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी जायसवाल (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगदीश नारायण चौधरी- चेरीताल दमोहनाका रोड निवासी श्री जगदीश नारायण चौधरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांति देवी असरानी- गंजीपुरा नार्मल स्कूल रोड निवासी श्री प्रेमचंद असरानी की धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी असरानी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राधा देवी- तुलसी नगर रांझी निवासी श्री हरक सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती राधा देवी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम स्वरूप कबीरपंथी- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री राम स्वरूप कबीरपंथी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पुरूषोत्तम दास रघुवंशी- बुद्धू काछी का बाड़ा रांझी निवासी श्री पुरूषोत्तम दास रघुवंशी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोमी गुजराती- विनोबा नगर अधारताल निवासी श्री रामा गुजराती की धर्मपत्नी श्रीमती सोमी गुजराती (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुभाष गोलछा- सदर केंट निवासी श्री सुभाष गोलछा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राम बाई राज- भानतलैया बकरा मार्केट के पास निवासी श्री मोतीलाल राज की धर्मपत्नी श्रीमती राम बाई राज (100) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री भगवत प्रसाद चौबे- एपीआर कॉलोनी रामनगर कटंगी रोड निवासी श्री भगवत प्रसाद चौबे (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धर्मेंद्र अहिरवार- झिन्ना मोहल्ला बाबा टोला राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री मेवालाल अहिरवार के पुत्र श्री धर्मेंद्र अहिरवार (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

ओम श्रीवास्तव- छापर रामपुर निवासी श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव के पुत्र ओम श्रीवास्तव (06) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

रजा चौक पर युवक को गोली मारी, गंभीर हालत में घायल अस्पताल में भर्ती

जबलपुर, देशबंधु। हनुमान ताल थाना अंतर्गत रजा चौक के पास बीती शाम एक युवक पर कुछ बदमाशों ने फायर कर दिया और भाग निकले। गोली युवक की पसली में लगना बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने तत्काल वारदात की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल को मैडिकल अस्पताल भिजवाया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम गोहलपुर निवासी वारिस मिश्रा रजा चौक दवाई लेने गया था। वह दवा लेकर अपने घर जा रहा था जैसे ही वह रजा चौक और बहोरा बाग के बीच पहुंचा तभी गगन यादव और मनीष अहिरवार नामक दो युवकों ने वारिस मिश्रा को गोली कर दी। जिससे गोली वारिस की पसली में जाकर फंस गई। जिससे गंभीर हालत में मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। घायल वारिस मिश्रा ने बताया कि गगन यादव और मनीष अहिरवार ने उसे गोली मारी है और भाग गए। दोनो अलग अलग गाड़ियों में आए थे। सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार वारिस मिश्रा एक अपराधिक प्रवृत्ति का युवक है जिसके खिलाफ कई दोनो में अपराध दर्ज हैं, आपसी रंजिश के चलते वारिस पर गोली चालान की वारदात को अंजाम दिया गया है।

विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम का किया आयोजन

बिछुआ, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश एड्स नियंत्रण समिति भोपाल द्वारा संचालित लिंक वर्कर परियोजना क्रियान्वयन संस्था जनमंगल संस्थान छिंदवाड़ा द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बिछुआ मैं सेमिनार का आयोजन किया गया।

जिसमें कलस्टर लिंक वर्कर विरेंद्र कुमार घागरे द्वारा एच आई वी, एड्स ,यौन जनित रोग ,टीबी के प्रति जागरूकता फैलाने एचआईवी एड्स होने के कारक व उसके बचाव की जानकारी व टोल-फ्री नंबर 1097, क्षय रोग की जानकारी दी गई। इस दौरान बिछुआ प्राचार्य पदोले , व्याख्याता कुरेकर ,श्रीमती लिना निगम , श्रीमती रितु कुमरे एव समस्त स्टाफ एवं समस्त विद्यार्थी मौजूद रहे, साथ हि जिले से लिंक वर्कर परियोजना के जिला रिसोर्स पर्सन दिवाकर कराडे जोनल सुपरवाइजर अकिल अहमद एवं नितेश डेहरिया , सी एल डब्ल्यू अंबिका चौरिया इत्यादि मौजूद रहे, प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी विश्व एड्स दिवस पर थीम समुदाय को नेतृत्व करने दे पर कार्यशाला आयोजित की गई ओर बच्चों के द्वारा अपने-अपने तरीके से प्रस्तुति दी गई साथ ही रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें बच्चों द्वारा विविध रूप से रंगोली प्रदर्शित की गई, कार्यक्रम में रेड रिबन के सदस्य रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य इत्यादि भी मौजूद रहे।

ट्रेन नहीं चलने से यात्री परेशान

जबलपुर,देशबन्धु। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल के राजनांदगांव-कलमना रेल खण्ड पर तीसरी रेल लाइन के लिए कन्हान जंक्शन स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग लिया जा रहा है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाडियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है. इस इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली एक जोड़ी रेलगाड़ी निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 11754 रीवा से इतवारी एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन रीवा से दिनाँक 06.12.2023, 09.12.2023, 11.12.2023 एवं 13.12.2023 तथा वापसी में गाड़ी संख्या 11753 इतवारी से रीवा एक्सप्रेस अपने प्रारंभिक स्टेशन इतवारी से दिनांक 07.12.2023, 10.12.2023, 12.12.2023 एवं 14.12.2023 को निरस्त रहेगी.

नाना का अंतिम संस्कार कर नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

जबलपुर,देशबन्धु। हादसे की खबर लगते ही खितौला पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद गहरे पानी से युवक के शव को बाहर निकाला गया। जिसके बाद पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द करते हुए पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक खितौला वार्ड क्रमांक 14 टंकी मोहल्ला निवासी 20 वर्षीय प्रेम उर्फ भूरा कोल के नाना नानू कोल की मौत हो गई थी। हिरन नदी मुक्तिधाम में दोपहर बाद उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के बाद परिवार और मोहल्ले के लोग हिरन नदी घाट खितौला में नहाने गए। सभी लोग नहा कर घर लौट कर आ गए, लेकिन भूरा घाट पर अकेला नहा रहा था।

घाट पर रखे कपड़ों से पता चला- नहाने के दौरान भूरा हिरन नदी में उतरा और गहरे पानी के बीच पहुंच गया। उसने अपने आप को पानी से बचने के लिए बहुत हाथ पैर चलाएं लेकिन देखते ही देखते वह गहरे पानी में डूब गया। भूरा को खोजते हुए उसकी चाची संगीता कोल पहुंची। घाट पर भूरा के कपड़े रखे थे लेकिन भूरा का कहीं आता-पता नहीं। वह तत्काल समझ गई की भूरा हिरन नदी में डूब गया है। उसने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद भरा के शव को पानी से निकलवाया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले को जांच में लिया है।

कुत्ते को बेहोश कर चोर घर से उड़ा ले गए लाखों की जेवर-नगदी

जबलपुर,देशबन्धु। सुबह जब मकान मालिक घर पहुंचे तब उन्हें चोरी की वारदात का पता चला। इस मामले में पारस रेसीडेंसी कॉलोनी निवासी दीक्षा पटेल ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार शाम को अपनी बहन को लेने घर पर ताला लगाकर जबलपुर गईं थी। सुबह 5 बजे घर पहुंची तो देखा कि गेट का ताला टूटा था। सीढी वाले कमरे में बंधा उनका कुत्ता बेहोश पडा था। अंदर के कमरे के दरवाजे खुले पडे थे और पूरे घर का सामान बिखरा था। बीच वाले कमरे की आलमारी खुली पडी थी। आलमारी में रखी सोने की छह अंगूठी, 2 सोने की चैन, 2 रानी हार, एक गुलबंद, एक सोने की दो लॉकेट, एक मंगलसूत्र, 2 जोडी सोने की झुमकी, बच्चों की सोने की हायचंद्रमा, लॉकेट सहित चांदी पायलें गायब थीं। लगभग 7 ताले सोने का सामान चोरी हो गया था।

आधा दर्जन सटोरियों के साथ सट्टे के सरगना के अड्डे पर क्राइम का छापा

15 दिन पूर्व ही सीएसपी की टीम ने मारा था छापा

जबलपुर,,देशबन्धु। शहर के बीचों-बीच लार्डगंज थाने के पास नारियल मंडी में सालों से सट्टे का अवैध कारोबार संचालित करने वाले मट्टू केशरवानी के अड्डे पर क्राइम ब्रांच की टीम ने छापेमार कार्यवाही की है। बताया जा रहा है कि कार्यवाही में क्राइम ब्रांच द्वारा मट्टू केशरवानी के साथ ही आधादर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मौके से 50 हजार रूपसे से अधिक नगद एवं लाखों रुपये का सट्टे का हिसाब-किताब भी बरामद किया है। हैरानी की बात तो यह है कि लार्डगंज थाने से कुछ ही दूरी पर मट्टू केशरवानी के द्वारा सट्टे का कारोबार संचलित किया जा रहा है। लेकिन आज तक कुख्यात सटोरिये मट्टू केशरवानी पर कोई बड़ी कार्यवाही पुलिस द्वारा नहीं की गई है। कुछ दिन पूर्व ही सीएसपी की टीम ने कार्यवाही की थी परंतु मट्टू ने फिर से जिंदा वली का खेल शुरू कर दिया। थाने द्वारा भीछुट पुट कार्यवाही के बाद मट्टू फिर से अपना काम शुरु कर देता है। जानकारी हो कि मट्टू केशरवानी के विरुद्ध लार्डगंज में 32 अपराध सट्टा, जुआ, मारपीट औ थाना कोतवाली में 5 अपराध सट्टा एवं आबकारी एक्ट कुल कुल 37 अपराध दर्ज है।

ये हुए गिरफ्तार-क्राइम ब्रांच एवं लार्डगंज पुलिस ने शुक्रवार को सूचना पर कार्यवाही करते हुए नारियल गली से मट्टू केशरवानी उर्फ ओमप्रकाश के साथ ही अन्य 8 सटोरिये नीलेश केशरवानी उम्र 32 वर्ष निवासी जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक, विवेक पटैल उम्र 24 वर्ष निवासी पिपरिया खिरिया थाना पनागर, लवकुश गोटिया उम्र 40 वर्ष निवासी सहजपुर थाना भेड़ाघाट, हर्ष केशरवानी पिता मट्टू केशरवानी उम्र 19 वर्ष निवासी नरियल वाली गली, बलराम सोनी उम्र 39 वर्ष निवासी शंकर नगर, विजय तिवारी उम्र 50 वर्ष निवासी पुरानी बस्ती सुहागी, श्याम लहरे उम्र 58 वर्ष निवासी कृष्णा नगर, अभिनय शर्मा उम्र 20 वर्ष निवासी महाराजपुर को गिरफ्तार किया है।

जुए के फड़ पर छापा, 7 जुआडी गिरफ्तार, 27 हजार 750 रुपये जप्त

जबलपुर,देशबन्धु। थाना प्रभारी बेलखेड़ा राजेन्द्र सिंह मर्सकोले ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बेलखेड़ा पानी की टंकी के पास कुछ जुआरी मोबाइल की रोशनी में ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ मन्ना खेल रहे हैं सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई जहां कुछ जुआरी ताश पत्तों पर रूपयों की हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते दिखे जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया, नाम पता पूछने पर अपना जग्गू निवासी बखरी मोहल्ला बेलखेड़ा, छोटे सिंह निवासी सुंदरादेही, सुरजीत सिंह निवासी रेतटीला, अशोक सिंह ग्राम खेरमाई मोहल्ला बेलखेड़ा , चंदन ठाकुर निवासी बजार मोहल्ला बेलखेड़ा, आशीष सिंह ग्राम बेलखेड़ा, खेत सिंह ठाकुर निवासी ग्राम सुंदरादेही बताये जुआरियों के पास एवं फड़ से ताश के 52 पत्ते एवं 27 हजार 750 रूपये जप्त करते हुये जुआरियों के विरूद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

छपरा यार्ड के आधुनिकीकरण कार्य के चलते कुछ गाड़ियो का परिचालन रहेगा प्रभावित

गंगाकावरी एवं सारनाथ एक्सप्रेस का परिचालन बलिया तक रहेगा

जबलपुर,देशबन्धु। उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी रेल मण्डल के छपरा यार्ड के आधुनिकीकरण कार्य के चलते कुछ रेलगाड़ियो का परिचालन प्रभावित रहेगा। पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली पुरट्चि तलैवर डॉण् एमण् जीण् रामचंद्रन ;चैन्नईद्ध सेंट्रल.छपरा.पुरट्चि तलैवर डॉण् एमण् जीण् रामचंद्रन ;चैन्नईद्ध सेंट्रल गंगाकावेरी एक्सप्रेस एवं दुर्गदृछपरा.दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेनें बलिया रेलवे स्टेशन पर ही समाप्त होगी और बलिया से ही रवाना होगी। विस्तृत जानकारी इस प्रकार है:.

'बलिया तक चलने वाली रेलगाडि़यां इस प्रकार है रू.'1द्ध गाड़ी संख्या 12669 चैन्नई सेन्ट्रल . छपरा गंगाकावेरी एक्सप्रेस अपने प्रस्थान स्टेशन से दिनांक 02ए 04ए 09ए 11ए 16ए 18ए 23ए 25 एवं 30 दिसम्बर 2023 कोए तथा जनवरी माह में 01ए 06 एवं 08 जनवरीए 2024 को बलिया तक ही चलेगी।

2 गाड़ी संख्या 12670 छपरा . चेन्नई सेन्ट्रल गंगाकावेरी एक्सप्रेस ट्रेन अपने प्रस्थान स्टेशन छपरा की बजाय दिसम्बर माह में दिनांक 04ए 06ए 11ए 13ए 18ए

20ए 25 एवं 27 दिसम्बर 2023 कोए तथा जनवरी माह में 01ए 03ए 08 एवं 10 जनवरीए 2024 को बलिया से रवाना होगी।

इसी तरह 3 गाड़ी संख्या 15159 छपरा.दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस छ्परा के स्थान पर बलिया से रवाना होगीए दिसम्बर माह में दिनांक 01ए 03ए 05ए 07ए 08ए 10ए 12ए 14ए 15ए 17ए 19ए 21ए 22ए 24ए 26ए 28 एवं 29 दिसम्बरए 2023 कोए तथा जनवरी माह में 02ए 04ए 05ए 07ए 09ए एवं 11 जनवरीए 2024 को बलिया से दुर्ग के लिए रवाना होगी।

4द्ध गाड़ी संख्या 15160 दुर्ग.छपरा सारनाथ एक्सप्रेस दिसम्बर माह में दिनांक 01ए 02ए 04ए 06ए 08ए 09ए 11ए 13ए 15ए 16ए 18ए 20ए 22ए 23ए 25ए 27ए 29 एवं 30 दिसम्बरए 2023 कोए जनवरी माह में 01ए 03ए 05ए 06ए 08ए 10 एवं 12 जनवरीए 2024 को बलिया तक ही चलेगी । यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस ď139 से गा?ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

वीरांगना झलकारी बाई ने देश के लिए पूरे परिवार की दी थी आहुतिः कांग्रेस

जबलपुर,देशबन्धु। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में भारत की प्रथम महिला वीरांगना 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की महान वीरांगना झलकारी बाई का शहादत दिवस मनाया गया। कांग्रेस नेता विष्णु विनोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि वीरांगना झलकारी बाई का जन्म 22 नवंबर को झांसी से 4 कोस दूर भोजला गांव में हुआ था। उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों का मुकाबला किया था। अंग्रेजों से लड़ते लड़ते पति पूरन कोरी के साथ 5 अप्रैल 1858 को वीरगति को प्राप्त हुए थी। उन्होंने प्रतिज्ञा किया था कि जब तक झांसी को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद नहीं करा दूंगी, तब तक माथे पर सिंदूर नहीं लगाऊंगीं।

कार्यक्रम में प्रशांत कोरी श्रीमती प्रभा सिंह विष्णु विनोदिया,बाला राम,पूनम करी गौरी सेन, बंटी कोरी,किशोर तिवारी,मनोज रामटेक धीरेंद्र विश्वकर्मा उमेश पटेल,जितेंद्र रजक ,डॉ रामनाथ विनोदिया, चिंटू चौरसिया, विकास जाट, पूजा कोरी आकाश श्रीपाल अनिल विश्वकर्मा मोहित कश्यप आसिफ खान,आकाश केवट एड,विमल शाक्य,जितेंद्र यादव ,राकेश चक्रवर्ती,आदि लोगों ने वीरांगना झलकारी बाई को पुष्पांजलि अर्पित किया।

कटंगी, भेड़ाघाट,मझौली व सिविल लाइन क्षेत्र में मारपीट घटनाएं

जबलपुर,देशबन्धु। थाना कटंगी में रात्रि शिवकुमार चौधरी के अनुसार वह मजदूरी करता है कि और रात लगभग 8-30 बजे अपने दोस्त आकाश चौधरी के साथ गांव में चंडी मेला घूमने गया था तभी रास्ते में सामने से लल्लू बर्मन , सुरजीत ठाकुर आ रहे थे जो धोखे से वह लल्लू बर्मन से टकरा गया तो लल्लू बर्मन गाली गलोज कर जातिगत रूप से अपमानित कर गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो लल्लू बर्मन ने हाथ में पहने कड़े से हमलाकर सिर में चोट पहॅुचा दी तथा कान पकड़ कर खींच दिया सुरजीत ठाकुर ने सीने में चोट पहुंची दीा, वह चिल्लाया तो उसका छोटा भाई राजा चौधरी एवं मां पार्वती बाई आकर बीच बचाव करने लगे तो लल्लू बर्मन ने राजा चौधरी के सिर में कड़े से मारकर चोट पहॅुचा दी, लल्लू बर्मन ने डंडे से हमलाकर मां के दाहिने पैर के पंजे मे चोट पहॅुचा दी तथा दोनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, 34 भादवि तथा 3(1)द, 3(1)ध, 3(2)(व्हीए)एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह थाना भेडाघाट मे रात पूरन लाल चौधरी उम्र 60 वर्ष निवासी ग्राम खैरी भेड़ाधाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रात लगभग 00-30 बजे उसके नाती के जन्मदिन का प्रोग्राम पूर्ण हो चुका था रात लगभग 00-30 बजे उसने गोविन्द चौधरी तथा भारत चौधरी से कहा कि कार्यक्रम समाप्त हो गया है साउण्ड बाक्स बंद कर लो इसी बात पर दोनों गाली गलौज करने लगे, उसने गालियां देने से मना किया तो गोविन्द चौधरी ने सब्जी काटने वाले चाकू से हमलाकर वायें हाथ की हथेली में चोट पहॅुचा दी उसकी बेटी रूकमणि चौधरी

तथा संतो चौधरी बीच बचाव करने आयीं तो गोविन्द चौधरी एवं भारत चौधरी ने रूकमणि के साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर सिर एवं ओठ के पास चोट पहॅुचा दी कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बीच बचाव किया तो दोनों जान से मारने की धमकी दिये। रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 324, 506, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

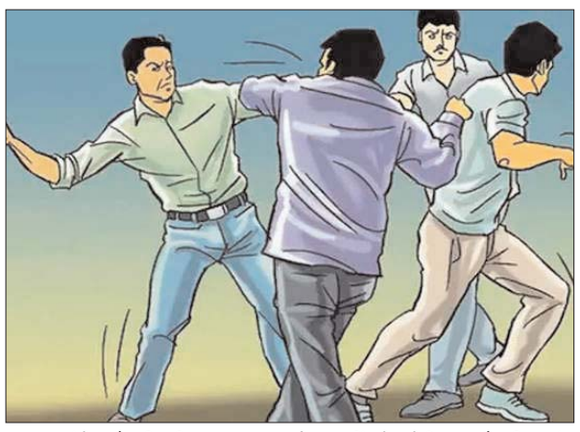

इसी प्रकार थाना मझौली में रात रवि कुमार भूमिया उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम खमरिया बम्होरी ने बताया कि लगभग 6 बजे वह खमरिया से बम्होरी चंडी मेला देखने जा रहा था जैसे ही बम्होरी पुलिया के पास रोड पर पहॅुचा गिरधारी यादव और बिन्दू यादव मिले गिरधारी ने उससे लगभग 6 माह पहले 1500 रूपये उधार लिये थे उसने उधारी के पैसे मांगे तो गिरधारी ने पैसे देने से मना कर दिया एवं जातिगत रूप से अपमानित करते हुये गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो हाथ मुक्कों से मारपीट कर रोड पर पटक दिया जिससे उसे कंधे में चोट आयी, शील कुमार भूमिया, एवं नंदी भूमिया ने आकर बीच बचाव किये तो गिरधारी यादव एवं बिन्दू यादव उसे जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 506, 34 भादवि तथा 3(1)द, 3(1)ध, 3(2)(व्हीए)एससी एसटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वहीं थाना सिविल लाईन रात लगभग 2-15 बजे रोहित सोनकर उम्र 35 वर्ष निवासी भरतीपुर दुर्गा मंदिर के सामने ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नम्बर 6 के बाहर मोटर सायकल स्टेण्ड चलाता है। रात लगभग 00-30 बजे वह स्टेण्ड मे था उसके साथ में विशाल पटैल और बाबी बंजारे भी थे शिवा सोनकर, आदित्य मेहरा, और लवकुश सोनकर आये और शराब पीने के लिये पैसे मांगने लगे, उसने पैसे देने से मना किया तो गाली गलौज कर उसके साथ के लड़के विशाल पटैल एवं बाबी बंजारे को डंडे से मारपीट किये जिससे विशाल पटैल के सिर में तथ बाबी को गाल में चोट आयी है उसने तथा जीतू जग्गी और उमेश गुप्ता ने बीच बचाव किया तो तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 294, 323, 327, 506, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

माढ़ोताल में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

जबलपुर,देशबन्धु। माढ़ोताल में सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत हो गई ,तो वहीं खितौला में अंतिम यात्रा में शामिल होने गए युवक की नदी में नहाते समय मौत हो गई ,पुलिस मामले की जांच कर रही है। पहला मामला माढ़ोताल थाना क्षेत्र का है पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि वकील खान उम्र 53 वर्ष निवासी खेरमाई वार्ड थाना हनुमानताल में शाम लगभग 7 बजे कटंगी वायपास हाईवे रौड केटवरी कम्पनी के पास थाना माढोताल में सड़क दुर्घटना में घायल होकर उपचार हेतु लाया गया था जिसे रात लगभग 8:50 बजे डाक्टर ने चैक कर मृत घोषित कर दिया सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

मप्र सहित तीन राज्यों में मिली जीत पर भाजपा ने मनाया जश्न

गांधीग्राम, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के तीन राज्यों में मिली जीत को लेकर भाजपा पार्टी कार्यालय में जमकर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस दौरान पार्टी कार्यालय के बाहर जमकर आतिशबाजी भी हुई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता वा पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रताप सिंह बघेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि मध्यप्रदेश के मन में प्रधानमंत्री मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं एवम नीतियों के साथ विकास कार्यों पर विश्वास करते हुए वोट दिया है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल ने कहा कि सिहोरा विधान सभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संतोष वरकड़े ने कांग्रेस प्रत्याशी एकता ठाकुर को 42 हजार मतों से पराजित किया।साथ ही गांधीग्राम पंचायत क्षेत्र से 1100 मतों से एवं नजदीकी ग्राम में मिढासन, देवनगर, पथरई, ह्रदय नगर, धरमपुरा, एवं सभी पूरे क्षेत्र से भाजपा,ने भारी जीत अर्जित की है।सभी सहयोगियों,मतदाताओं एवं प्यारी लाडली बहनों को खूब बधाइयां।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल ने कहा है कि पार्टी के कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उन रणनीतियों की जीत है जिसके जरिए देश भर में आम जनता को लाभ मिल रहा है।कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस तरह भाजपा के कार्यकर्ता चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरते हैं। उसका

परिणाम है कि भाजपा राज्यों में अपनी जीत को प्रशस्त कर रही है। भाजपा की प्रचण्ड जीत पर इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यकर्ता नत्थू लाल चौरसिया, हरीशंकर तिवारी,बंटू मिश्रा, रेवाशंकर असाटी, विजय चौरसिया, मंहगू चौरसिया,राम मनोहर तिवारी, कंछेदी लाल, अजय राज गौतम, जोगेन्द्र सिंह, सुरेश असाटी ,विनोद असाटी आदि उपस्थित रहे।

गोसलपुर में मनाया जश्न, बांटी मिठाई

गोसलपुर, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ राजस्थान सहित भाजपा को मिली शानदार जीत पर गोसलपुर एवं आसपास के क्षेत्र में जश्न मनाया गया इसी क्रम में सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के सिहोरा कुंडम क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी संतोष बरकड़े को मिली प्रचंड जीत पर कार्यकर्ता एवं जनता ने जश्न मना कर खुशी का इजहार किया।

कल सुबह से ही 17 दिन बाद आए चुनाव परिणाम को लेकर लोगों में व्यापक उत्सुकता का माहौल देखा गया लोग सुबह से ही टीवी एवं अन्य माध्यमों से समाचारों को जानने के लिए बेताब रहे सड़कों पर सन्नाटा पसरा देखा गया। दोपहर बाद भाजपा की मध्य प्रदेश सहित छत्तीसगढ़ राजस्थान में मिल रही सफलता पर कार्यकर्ता घरों से निकलकर सड़क पर आए एवं आतिशबाजी एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मना कर मनाते देखे गए लगभग रात्रि तक यह क्रम चलता रहा भाजपा की प्रचंड जीत पर गोसलपुर वरिष्ठ पत्रकार भाजपा कार्यकर्ता प्रकाश पालीवाल ,नंदन ताम्रकार, धर्मेंद्र सिंह राजपूत,

हेमचन्द असाटी,सुरेश पालीवाल ,जीवन लाल गुप्ता ,महेंद्र सिंह राजपूत, सुमित पालीवाल ,दौलत सिंह राजपूत, जीवन कोष्टा, ध्रुव श्रीवास्तव ,उप सरपंच सुखदेव पटेल , उपसरपंच सरोज श्रीवास्तव आदि ने खुशी मनाई ।

सार-समाचार

इंदु तिवारी के विजयी होने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बरेला, देशबन्धु। पनागर विधानसभा अंतर्गत आने वाले बरेला नगर मे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशी इंदु तिवारी के विजय होने पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में हर्श की लहर व्याप्त हो गई।तीसरी बार विधायक चुने पर नगर के सभी वार्डों में एवं ग्रामीण क्षेत्र शारदा नगर, देवरी, धनपुरी , उमरिया, पहाड़ी खेड़ा, डूंडी, पड़वार ,हिनोतिया, बिलहरी. जमुनिया बलवाड़ा. मैं कार्यकर्ताओं द्वारा जश्न का मनाया गया इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर पटाखे फोड़े गए एवं एक दूसरे को बधाई दी।

बका रखने पर दोषी को 2 साल का कारावास

दमोह, देशबन्धु। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दिव्या रामटेके ने लोहे का बका रखने के मामले में एक आरोपी को 2 साल का कारावास एवं जुर्माना से दंडित किया है। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी सतीश कपस्या ने बताया कि 27 जनवरी 2021 कोमुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि दुली आदिवासी दमयंतीपुरम के पास लोहे का बका लिए घूम रहा है।पुलिस तत्काल ही मौके पर पहुंची।

खराब सामग्री बेचने पर 15 हजार रुपए का जुर्माना

दमोह, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णयन अधिकारी मीना मसराम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया द्वारा प्रस्तुत परिवाद पत्र पर कार्रवाई की है। जिसमें दमोह जिले के एक अनावेदक धर्मेंद्र पिता हरिचरण तिवारी निवासी टंडन बगीचा पर अस्वास्थ्यप्रद एवं अस्वच्छ तरीके से खाद्य पदार्थ का निर्माण, भण्डारण एवं सामग्री बेचने के आरोप में 15 हजार रुपए का जुर्माना किया है। उन्होंने क्रय की गई सामग्री को अपील अवधि के बादविनष्टिकरण किए जाने के लिए आदेश दिए हैं। अपर कलेक्टर मीना मसराम ने संबंधित को आदेशित किया है कि अधिरोपित शस्ति की राशि एमपी ऑनलाइन के माध्यम से जमा करें।

100 महिला समूहों ने धान उपार्जन के लिए आवेदन जमा किए, एक भी स्वीकृत नहीं

दमोह, देशबन्धु। जिले में समर्थन मूल्य पर 1 दिसंबर से धान की खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। इसके लिए प्रशासन ने 33 सेवा सहकारी समितियों को ही धान खरीदी केंद्र बनाया है। इस वर्ष जिले में किसी भी महिला स्व सहायता समूह को धान खरीदी का जिम्मा नहीं दिया गया है। जबकि शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक उत्थान के लिए बीते तीन साल से सहकारी समितियों के साथ-साथ महिला समूहों को भी इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाती थी। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि अधिकारियों ने शासन के आदेश को भी दरकिनार कर दिया है। खाद्य एवं आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय द्वारा 29 नवंबर को जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धान उपार्जन कार्य में महिला समूहों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।इसके लिए निर्धारित मापदंड भी जारी किए गए हैं।

जरूरतमंदों को फल-कंबल वितरित

दमोह, देशबन्धु। नगर में हमेशा समाज सेवा में तत्पर रहने वाले नगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. राजेंद्र ताम्रकार सतीश बाबा के पुण्यतिथि पर बेलाताल टापू साईं बाबा मंदिर में परिवार जनों व मंदिर समिति द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद को फल और कम्बल वितरित किए जाते है। इस अवसर पर साईं मंदिर के पुजारी कमलेशानंद महाराज ने बताया कि सतीश भैया हर समय धार्मिक कायक्रमों में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाया करते थे। वह हम सभी को हमेशा याद आते है। इसी क्रम प्रतिवर्ष अनुसार इस कड़ाके की ठंड में दीन दुखियों जरूरत मन्दो को साईं मंदिर परिसर में पुण्यतिथि पर ताम्रकार परिवारजनों के साथ मंदिर कमेटी के बिहारी लाल गौतम, सुदामा दुबे, कपिल दुवे, नन्नू ताम्रकार, डब्बू ताम्रकार, राहुल ताम्रकार, यश ताम्रकार सहित अन्य लोगों ने अपनी सहभागिता निभाई।

कोहरे से ढंका नेशन हाईवे

गांधीग्राम, देशबन्धु। गांधीग्राम आसमान से रात व सुबह के समय कोहरे की बारिस हुई। रविवार को सुबह लोगों की नींद खुली तो आसमान से धरती से तक कोहरा ही कोहरा नजर आया। कोहरे से सराबोर नेशनल हाईवे, नहरें,स्कूल,खेतों में सभी जगह कोहरे का ऐसा असर था जैसे कोहरे ने धरती से आसमान तक सफेदी की चादर से ढक लिया हो।

हाइवे पर यातायात बेबस हुआ और वाहनों से 5 कदम की दूरी पर कुछ नजर नही आ रहा था जिससे इंडीकेटर्स व लाइट जलाए वाहन लगभग 10 किमी की स्पीड से चले। बरगी दाई तट की। बेली माइनर नहरें तो कोहरे भरा होने से लग रही थी जैसे नहर पानी से भरी हों। स्कूल भी कोहरे से ढके रहे और खेतों में भी फसलें कोहरे में डूबी हुई थी। कुल मिलाकर कोहरे से आम जनजीवन जैसे रुक गया हो लग रहा था।

पाटन मझौली विस से अजय विश्नोई जीते

धनी की कुटिया में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

पाटन देशबन्धु। जिले की पाटन विधान सभा चुनाव के परिणाम ने सभी 18 विरोधियों को चौंका दिया वही कांग्रेस की इतनी बड़ी हार पूरे क्षेत्र को हैरान करने वाली रही।

जबकि राजनैतिक पंडित इस चुनाव को बेहद करीबी मुकाबला मान कर चल रहे थे। लेकिन बीजेपी के कद्दावर नेता अजय विश्नोई के विकास के मॉडल और लाड़ली बहनों के सहारे भाजपा की एक तरफा जीत ने ये साबित कर दिया कि कांग्रेस तो कहीं मुकाबले में ही नहीं थी।

भाजपा के अजय विश्नोई ने 30584 मतों के भारी अंतर से कांग्रेस के नीलेश अवस्थी को शिकस्त दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मतगणना शुरू होते ही भाजपा ने जो लीड की रफ्तार पकड़ी फिर वह लीड हर राउंड में बढ़ती ही चली गई इस बीच धनी की कुटिया में अजय विश्नोई का पाटन मझौली विस क्षेत्र से आए कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहना कर गर्म जोशी के साथ स्वागत किया।

खाद की कमी से किसान हो रहे परेशान

सिवनी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में खाद की समस्या से किसान परेशान हो रहे हैं। खाद के लिए किसान खाद वितरण केंद्रों पर चक्कर लगा रहे हैं। किसानों का कहना है कि इस समय खाद की बेहद आवश्यकता है।

किसानों का कहना है कि खाद की समस्या को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया है। लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जितनी मांग है उतनी पूर्ति संबंधित विभाग के द्वारा नहीं की जा रही है। इसके कारण वितरण केंद्रों पर किसानों

की लंबी-लंबी लाइन देखी जा रही है।

मावठ की बारिश के बाद बढ़ी खाद की मांग-शिवपुरी जिले में बीते दो दिन में मावठ की बारिश हुई है। इसके कारण रबी सीजन में सरसों, चना और गेहूं की फसलों के लिए खाद, डीएपी और यूरिया की आवश्यकता है। लेकिन इस समय खाद न मिलने से किसानों को अपने खेतों को छोड़कर के खाद वितरण केंद्रों पर लंबी-लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि फसलों के लिए इस समय खाद की आवश्यकता है, लेकिन जितनी मांग है उतनी खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों का आरोप है कि कुछ खाद विक्रेता ब्लैक में खाद को बेच रहे हैं। इसके साथ ही किसानों ने कहा कि वितरण केंद्र के अधिकारी और कर्मचारी उनसे (खाद विक्रेताओं से) मिले हुए हैं।

कार्रवाई के बाद भी नहीं रुक रही कालाबाजारी-जिले में खाद की कालाबाजारी रुकने का नाम नहीं ले रही है, वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों का दावा है कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। आसपास के जिलों के किसान खाद वितरण केंद्र पर पहुंचकर खाद ले जा रहे हैं।

अंधे कत्ल का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

डिंडोरी, देशबन्धु। जिले के शहपुरा थाना मुख्यालय में कॉलेज के पास 27 नवम्बर को झाड़ियों मे मिले युवक के शव के मामले का खुलासा पुलिस ने कर दिया है। आपसी विवाद के चलते युवक की हत्या करना सामने आया है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को शहपुरा थाना में प्रेसवार्ता में थाना प्रभारी शिवलाल मरकाम ने बताया कि अज्ञात शव झाड़ियों में मिलने पर मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

प्रथम दृष्टया हत्या होना सामने आने पर धारा 302 का मामला कायम किया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शहपुरा निरीक्षक शिवलाल मरकाम द्वारा टीम का गठन किया है। बताया गया कि पहचान सरवन उर्फ श्रवण सिंह उईके पिता शंकर सिंह उईके उम्र 25 साल निवासी कटेहरा थाना शहपुरा के रूप में है। सरवन के पिता ने बताया कि अपने ग्राम कटेहरा से संतराम और मुनेश के साथ मड़ई करने के बाद

जयपुर जाने के लिए निकला था। परिजनों को लगा वह जयपुर निकल गया होगा। वह अपने साथ मोबाइल भी गया था, लेकिन मोबाइल पुलिस को न ही घटनास्थल पर और न ही सरवन के पास। उक्त मोबाइल की सीडीआर व लोकेशन लेने पर संदेही मुनेश की तलाश के लिए टीम को ग्राम सजनिया जिला उमरिया भेजा गया। उमरिया से संदेही के दशगात्र के कार्यक्रम में ग्राम तिमनी बघाड़ जिला अनूपपुर जाने की जानकारी मिली। टीम द्वारा मुनेश से पूछताछ की गई। पूछताछ मे उसने जुर्म स्वीकार किया। बताया गया कि मड़ई के अगले दिन सरवन द्वारा गाली। गलौज से मना करने और विवाद से नाराज होकर पहले पत्थर से उसके सिर पर लगातार वार किया गया। और फिर पर्स में रखी ब्लेड से गला व पेट में काटा गया। जिंदा बचने फंसने के डर से अरोपित ने सरवन का गुप्तांग काटकर शव को रामफूल की झाड़ियों में घसीटकर छिपा दिया। आरोपित के कपड़ों में खून लग जाने से उसने अपने कपड़े उतार कर वहीं फेंक दिए। मृतक के बैग से कपड़े निकाल कर पहनकर वहां से चले जाना बताया।

शटल और फास्ट पैसेंजर चलाने की मांग

गोटेगांव, देशबन्धु। विगत कोरोना कॉल की पहले से चलाएं मान शटल एवं फास्ट पैसेंजर अचानक बंद कर देने से जनमानस में जमकर आक्रोश व्याप्त है।इससे चुनावों पर गहरा असर हो सकता है।इस संबंध में अनेक बार जनता ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत भी कराया किंतु जनप्रतिनिधियों की चुप्पी जनमानस में रोष व्याप्त कर रही है जैसा कि सभी को विदित है कि सामान्य वर्ग के लिए सस्ती सुंदर और उपयोगी ट्रेनें बंद करने से जहां जनमानस पर आर्थिक बोझ तो पढ़ रहा है समस्याएं भी बल रही हैं।

इन गाड़ियों के स्थान पर चलाई गई मेमो ट्रेन ऊंट के मुंह में जीरा सिद्ध हो रही है और जनता लगातार अपनी पुरानी ट्रेनों को चलाने की मांग कर रही है स्मरण रहे यह ट्रेनें इटारसी से कटनी सतना के बीच लगभग 30 से 40 स्टेशनों की यात्रियों को समय पर और सुविधा

पूर्वक अपने गंतव्य तक लाने ले जाने का कार्य करती थी किंतु अचानक बगैर नोटिफिकेशन की बंद कर देने से जनमानस में तरह तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है जनता के मन में जहां जनप्रतिनिधियों के प्रति आक्रोश है वही अपनी सुविधा छिन जाने से नाराज भी है कहीं ऐसा ना हो क्या नाराजगी आगामी समय में होने वाले विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में विरोध के रूप में जनता जाग जाए और फिर पार्टियों को नुकसान उठाना पड़े।। और वर्तमान में जो जनप्रतिनिधि इन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं कहीं वह माननीय भूतपूर्व ना हो जाए ऐसा अंदेशा देखा जा रहा है, इसके पहले जनता अपने मन में कोई ठोस विचार लाए इससे पूर्व जनता की मांग को देखते हुए उन सुविधाओं को पुन: बहाल किया जाए ताकि तरह-तरह की सड़कों पर विराम लग सके।जनता का आक्रोश का ज्वालामुखी चुनाव में विस्फोट कर सकता है जिससे प्रजातंत्र पर नेताओं को मुंह की खानी भी पड़ सकती है।

दक्षिणी फिलीपींस में सैनिकों के साथ झड़प में 11 आतंकवादी ढेर

मनीला, (एजेंसियां)। दक्षिणी फिलीपींस में सैनिकों के साथ हुई झड़प में इस्लामिक आतंकवादी समूह दौला इस्लामिया के 11 आतंकवादी मारे गए। यह जानकारी सेना के प्रवक्ता ने शनिवार को दी। फिलीपीन सेना के छठी इन्फेंट्री डिवीजन के लेफ्टिनेंट कर्नल डेनिस अल्मोराटो ने कहा कि सैनिकों ने मागुइंदानाओ डेल सुर प्रांत के एक शहर दातु होफ़र अम्पाटुआन में शुक्रवार अपराह्न इस्लामिक आतंकवादी समूह के 11 संदिग्ध चरमपंथियों को मार गिराया। लेफ्टिनेंट अल्मोराटो ने संवाददाताओं से कहा कि सेना ने आतंकवादी समूह पर हमला करने के लिए दो एफए-50 लड़ाकू जेट और तोपखाने का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि हमने इलाके में अनुमानित 15 दौला इस्लामी आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमला किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने मौके से आठ हथियार बरामद किए। उन्होंने कहा कि झड़प में कोई जवान हताहत नहीं हुआ है।

हमास की कैद में सभी बंधकों को घर वापस लाया जाना चाहिए : बंधक फोरम

तेल अवीव, (आईएएनएस)। बंधकों और लापता परिवार फोरम ने इजरायली सरकार से कहा कि समय समाप्त हो रहा है और हमास की कैद से सभी बंधकों को घर वापस लाया जाना चाहिए। गाजा में मानवीय संघर्ष विराम के तहत, जो सात दिनों के बाद 1 दिसंबर को समाप्त हो गया, 24 से 30 नवंबर के बीच कुल 104 बंधकों और 240 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया गया। डैनियल अलोनी अपनी बेटी एमिलिया के साथ 49 दिनों के बाद कैद से रिहा हुईं। उन्होंने कहा- 7 अक्टूबर को घर से बेरहमी से हमारा अपहरण कर लिया गया। मेरी बेटियों ने वो चीज़ें देखीं जो उनकी उम्र के बच्चों को कभी नहीं देखनी चाहिए। किसी डरावनी फिल्म की तरह है। आपको इस फिल्म से जागने के लिए खुद को चुटकी काटने का मन करता है। मैं बात कर रही हूं और मैं कांप रही हूं। यह परेशान करने वाला था, यह डरावना था। कोई दैनिक कार्यक्रम नहीं है, कुछ भी नहीं। तुम सोते हो, तुम रोते हो। प्रत्येक अतिरिक्त दिन जो बीता वह अंतहीन था, अनंत काल था।

मेरे बहनोई, उनके भाई, उनके साथी और उनके भाई अभी भी कैद में हैं। वहां के लोग कभी भी मर सकते हैं। उन्हें अभी रिहा करें, तुरंत, क्योंकि कोई समय नहीं है। मैं आपसे विनती करती हूं।

इस सप्ताह जब रिहा किए गए बंदी बंधक प्लाजा पहुंचे, तो उन्होंने हजारों लोगों के सामने घोषणा की वहां रहने वाला हर दिन आपका आखिरी दिन हो सकता है। आप वहां के नरक की कल्पना नहीं कर सकते। आपको उन्हें वहां नहीं छोड़ना चाहिए। एक मिनट और नहीं। एक अन्य मुक्त बंधक येलेना ट्रूपानोब, जिनके पति विटाली की 7 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी, जबकि उनका बेटा साशा हमास की कैद में है, ने कहा मैं यहां आपके सामने खड़ी हूं, मैं आपको धन्यवाद कहने आयी हूं क्योंकि आपके बिना मैं यहां नहीं होता। हमें जारी रखना होगा और मेरे, साशा और बाकी सभी को अब घर वापस लाना होगा! हदास काल्डेरन, जिनके दो बच्चे इरेज और सहर रिहा हो गए, ने कहा- इरेज और सहर घर पर मेरा इंतजार कर रहे हैं, मेरे सुपरहीरो, वे बच गए और वापस आ गए। गवाहियां चौंकाने वाली और भयावह हैं, किसी भी लड़के या लड़की, पुरुष या महिला को इससे गुज़रना नहीं चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनके पिता ओफर अभी भी वहीं हैं। लौटने वालों से मिलने के बाद, अब पहले से कहीं अधिक मैं तात्कालिकता को समझता हूं। जब तक सभी बंधकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो जाती, हम भविष्य या राज्य की सुरक्षा पर चर्चा नहीं कर सकते। लौटने वालों की एक रैली के दौरान, उन बंधकों के वीडियो दिखाए गए जो हमास की कैद से लौटे थे और अब इजरायली अस्पतालों और अपने घरों में ठीक हो रहे हैं।

एक महीने पहले रिहा हुए 85 वर्षीय योचेवेद लिफ़शिट्ज़ ने कहा- %%मैं 17 दिनों तक सुरंगों में था, मैं मुश्किल से सो पाया। मेरे पास भोजन की कमी थी। पिछले चार दिनों में मैं बीमार पड़ गया और आतंकवादियों को डर था कि मैं महामारी फैला दूंगा।

हर दिन महत्वपूर्ण है, इसलिए भी क्योंकि वहां रहने की स्थिति बहुत कठिन है, और सुरंगों में ऑक्सीजन ख़त्म हो रही है। बंधकों के माध्यम से उनका बदला लेने का डर बहुत बड़ा है। वहां अभी भी 85 साल और ऐसे कई उम्र के लोग बंधक हैं, जो मानसिक और शारीरिक दबाव नहीं झेल पाएंगे।

इस सरकार का नैतिक दायित्व है कि उन्हें तुरंत घर वापस लाया जाए।

मेजर जनरल नोम टिबोन, जिन्होंने किबुत्ज़ नाहल ओज़ पर हमला करने के दौरान आतंकवादियों से अपने बेटे और पोतियों को बचाया था, ने कहा, सभी बंधकों की रिहाई किसी भी अन्य मिशन से पहले युद्ध का सर्वोच्च मिशन है! और हमारी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर, और जब तक हम सभी बंधकों को वापस नहीं कर देते तब तक हम युद्ध नहीं जीत पाएंगे।

जब तक हम सभी बंधकों को वापस नहीं पाते हैं, तब तक हम शांत नहीं बैठेंगे, चुप नहीं बैठेंगे। हाल के सप्ताहों में मैंने गाजा में आईडीएफ सैनिकों और अद्भुत कमांडरों से मुलाकात की, वे सभी सभी को देश में वापस लाने के लिए प्रयासरत हैं, और वे ऐसा करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।

आज का इतिहास

1748 – नमकों पर शोध करने वाले फ्रांस के रसायन शास्त्री बर्टले का जन्म।

1791 – दुनिया का पहला रविवार का अखबार द ऑब्जर्वर लंदन में प्रकाशित हुआ।

1796 – बाजीराव द्वितीय पेशवा नियुक्त हुए।

1829 – वायसराय लार्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा समाप्त की।

1833 – आर्थर तप्पान द्वारा फिलाडेल्फिया में अमेरिकी एंटी-स्लेवरी सोसाइटी गठित की गयी।

1859 – मेकटेब-ए मुल्कियाय स्कूल ओटोमन साम्राज्य में स्थापित किया गया।

1860 – गोवा में मारगाव के निवासी अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली। वह विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि पाने वाले पहले भारतीय थे।

1881 – लॉस एंजिल्स टाइम्स का पहला संस्करण प्रकाशित।

1910 – हिन्दी सिनेमा के अभिनेता मोतीलाल का जन्म।

सुडोकू 6395

				9	3	7		4
					4			5
			2			6		
	2			1				
	1	8	6		7	3	9	
				8			5	
		2			9			
6			4					
9		1	7	2				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

फिलीपींस विश्वविद्यालय में हुआ विस्फोट, 4 की मौत

मनीला। फिलीपींस के लानाओ डेल सुर स्थित मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी में रविवार को एक जिम के अंदर कैथोलिक प्रार्थना सभा में विस्फोट हुआ। इस विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेना के प्रथम इन्फेंट्री डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल गेब्रियल विरे ने कहा कि पीड़ितों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, विस्फोट सुबह करीब 7 बजे हुआ जब छात्र और शिक्षक जिम के अंदर सामूहिक प्रार्थना के लिए एकत्र हुए थे। मिंडानाओ स्टेट यूनिवर्सिटी ने इस संवेदनहीन और भयावह कृत्य की निंदा करते हुए कहा कि वह हिंसा के इस कृत्य से बहुत दुखी और स्तब्ध है। विश्वविद्यालय ने अगली सूचना तक कक्षाएं निलंबित करने का फैसला किया है और मरावी शहर में स्थित परिसर की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को भी तैनात किया है, जो राजधानी और मिंडानाओ द्वीप पर लानाओ डेल सुर का सबसे बड़ा शहर है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने विस्फोट की निंदा करते हुए इसे संवेदनहीन और सबसे जघन्य कृत्य करार दिया, जो विदेशी आतंकवादियों द्वारा किया गया। उन्होंने जनता से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा, आश्वस्त रहें, हम इस क्रूर कृत्य के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाएंगे। 2017 में, स्थानीय आतंकवादियों ने इस्लामिक स्टेट को समर्थन देने का वादा किया, जिसमें अबू सय्यफ समूह का एक गुट, माउते समूह और अन्य शामिल थे। उन्होंने झील के किनारे के शहर पर पांच महीने तक कब्जा कर लिया, जिसके चलते 1,200 से अधिक मौतें हुईं और सैकड़ों हजारों निवासी विस्थापित हुए।

श्रीलंकाई सेना ने पहाड़ में फंसे 180 छात्रों को बचाया

कोलंबो, (आईएएनएस)। श्रीलंकाई सेना और पुलिस ने पैदल यात्रा के दौरान हंथना पर्वत श्रृंखला में फंसे विश्वविद्यालय के लगभग 180 छात्रों को बचाया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कैंडी मुख्यालय पुलिस स्टेशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि छात्र केलानिया विश्वविद्यालय के मेडिसिन फैकल्टी से हैं। प्रवक्ता ने कहा कि छात्रों ने शनिवार सुबह पैदल यात्रा शुरू की और कोहरे और बारिश के कारण वापसी में रास्ता भटक गए। श्रीलंका के ऊंचे इलाकों में स्थित हंथाना, विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक लोकप्रिय पर्वतारोहण स्थल है। प्रवक्ता के अनुसार, क्षेत्र में अचानक मौसम परिवर्तन के कारण हर साल कुछ छात्र खो जाते हैं।

इजरायल ने 7 अक्टूबर से गाजा पर एक लाख बमों, रॉकेटों से हमला किया

गाजा, (आईएएनएस)। गाजा में हमास-नियंत्रित सरकार के मीडिया कार्यालय (जीएमओ) ने कहा कि 7 अक्टूबर से जारी युद्ध के बाद से इजरायल ने घिरे इलाके पर लगभग 1,00,000 बमों और रॉकेटों से हमला किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, जीएमओ के निदेशक इस्माइल अल-थवाबतेह ने शनिवार रात बताया कि कुछ बमों का वजन 2,000 पाउंड था, जो नागरिकों को निशाना बनाने के लिए जानबूझकर और क्रूर इरादे से बनाए गए थे। इजरायल के हमलों के कारण फिलीस्तीन लोगों की मौत का आंकड़ा शनिवार दोपहर तक 15,207 हो गया है। वहीं, लापता लोगों की संख्या 7,500 से अधिक हो गई है, जो या तो मलबे में फंसे हुए हैं या अज्ञात हैं। जबकि घायलों की संख्या 40,650 पहुंच गई है।

इस्माइल अल-थवाबतेह ने मानवीय सहायता के प्रवेश को रोकने वाली प्रतिबंधात्मक नीतियों की निंदा की। उन्होंने घातक संघर्ष से जो भी बचाया जा सकता है उसे बचाने के लिए वास्तविक सहायता, आपूर्ति और 1 मिलियन लीटर ईंधन ले जाने वाले एक हजार ट्रकों के दैनिक प्रवेश का आह्वान किया।

इसके अलावा मलबे के नीचे दबी सैकड़ों लाशों को निकालने के लिए राहत के लिए सैकड़ों उपकरण और मशीनरी, आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों और नागरिक सुरक्षा के प्रवेश का आग्रह किया। बमबारी और सैकड़ों हजारों घरों, स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों और महत्वपूर्ण सुविधाओं के विनाश के कारण मलबे को साफ करने के लिए ये आवश्यक हैं। इजरायल और गाजा के बीच अस्थायी संघर्ष विराम समाप्त होने के बाद 1 दिसंबर को गाजा में लड़ाई फिर से शुरू हो गई है। दोनों युद्धरत पक्षों ने एक-दूसरे को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। इजरायली सेना ने कहा कि उसने पहले दिन हमास के 400 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया। गाजा में हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 1 से 3 दिसंबर के बीच कम से कम 193 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 652 घायल हुए हैं। संघर्ष विराम के तहत 24 से 30 नवंबर के बीच कुल 104 बंधकों (80 इजरायली, 24 विदेशी) और 240 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया गया। इज़रायली सूत्रों के अनुसार, अनुमान है कि गाजा में लगभग 133 लोग बंदी हैं, जिनमें इज़रायली और विदेशी नागरिक शामिल हैं।

सिंगापुर : दुकानों में चोरी के आरोप में दो और भारतीय छात्रों को जेल

सिंगापुर, (आईएएनएस)। सिंगापुर में दुकानों में चोरी के आरोप में दो और भारतीय छात्रों को जेल की सजा हुई है। छात्रों को एक रिटेल स्टोर से मूल्य टैग हटाकर 1700 सिंगापुर डॉलर (1 लाख से अधिक) रुपये के कपड़े चुराने की साजिश रचने के आरोप में जेल भेजा गया है। स्ट्रेट्स टाइम्स न्यूजपेपर की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रह्मभट्ट कोमल चेतन कुमार और क्रिश्चियन अर्पिता अरविंदभाई ने 1 दिसंबर को दुकान से चोरी के अपराध में दोष कबूल किया। इनमें से एक को 40 और दूसरे को 45 दिनों की जेल की सजा सुनाई गई। पिछले महीने एक अदालत के फैसले में सिंगापुर में छात्र पास पर मौजूद दोनों ने शुरू में कहा था कि उनका चोरी करने का कोई इरादा नहीं था। जिला न्यायाधीश यूजीन टेओ ने उनके कृत्य को अपमानजनक बताया और उनसे दोबारा ऐसे अपराध न करने को कहा।

दोनों चार अन्य भारतीयों के साथ एक ही फ्लैट में रहते थे, जो यूनीक्लो स्टोर से कपड़े (वस्त्र) चुराने वाले समूह का हिस्सा थे। अदालत के दस्तावेजों में साजिश में तीन और भारतीय नागरिकों 24 वर्षीय भाविक, 23 वर्षीय विशाल और 22 वर्षीय दर्शन की पहचान की गई।

द स्ट्रेट्स टाइम्स ने दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि भाविक और विशाल ने आउटलेट से चोरी करने की योजना बनाई और बाकी लोगों को भी योजना में शामिल कर लिया। उप लोक अभियोजक मैक्सिमिलियन च्यू ने पहले अदालत को बताया कि समूह 12 अक्टूबर को शाम करीब 6 बजे ऑर्चर्ड सेंट्रल में यूनीक्लो आउटलेट पर गया था।

कपड़े पसंद करने के बाद उन्होंने रेडियो-फ़्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) वाले मूल्य टैग हटा दिए, जो स्टोर के सुरक्षा अलार्म को बंद कर सकता था। फिर उन्होंने सेल्फ-चेकआउट क्षेत्र में वस्त्र को टोट बैग में रख दिया और दिखावा किया कि उन्होंने अपनी सभी वस्तुओं के लिए भुगतान कर दिया है।

द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कुल मिलाकर समूह ने 1,788 सिंगापुर डॉलर के कपड़ों के 64 पीस चुरा लिए। अधिकारियों को कुछ दिनों बाद साजिश के बारे में सतर्क किया गया। जब एक दूसरे समूह, जिसमें पहले समूह के कुछ सदस्य शामिल थे, उन्होंने उसी आउटलेट से 2,271 सिंगापुर डॉलर के कपड़े चुराने की कोशिश की। उनका प्रयास विफल हो गया क्योंकि एक स्टोर सुरक्षा अधिकारी ने उनके संदिग्ध व्यवहार को देखा और पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से ग्रुप के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन भाविक, विशाल और दर्शन तब तक सिंगापुर छोड़ चुके थे।

वर्ग पहेली 6395

बायें से दायें:-

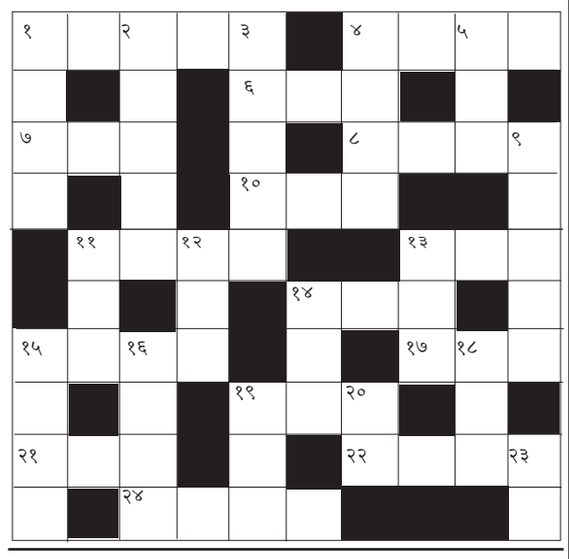

१. वह पात्र जिसमें शवदाह के पश्चात मृतक की हड्डियों को रखा जाता है
४. अव्यवस्था, गोलमाल, घपला
६. पढ़ा-लिखा साक्षर
७. बुद्धिमान
८. बंदीगृह
१०. सौदे आदि में मध्यस्थता करने वाला
११० प्रज्वलित होना, जोर से जल उठना, क्रुद्ध होना, चौंकना
१३. जीत, फतह
१४. हरगिज
१५. बंधुत्व
१७. ऊंट के नाक में डाली जाने वाली रस्सी
१९. कमल
२१. उपवन
२२. कामयाबी
२४. सूर्यकिरण

ऊपर से नीचे:-

१. जिसके पास कुछ न हो, अतिनिर्धन, वह वस्तु जिसका कोई मूल्य न हो
२. असह्य, असक्त कर देने वाला (उपमा)
३. चंद्रमा के समान सुंदर मुख वाली
४. बीता हुआ समय
५. उपद्रव, दंगा (उर्दू)
९. टाईम कीपर
११ हित, कल्याण, अच्छाई
१२. भैंस का नर बच्चा
१३. जंगल, वन
१४. दया, अनुकम्पा
१५. किस्मतवर
१६. चापलूस
१८. सिर्फ, मात्र
१९. चंद्रमा, चंद्रमा का धब्बा
२०. चिपकने का गुण
२३. करतल ध्वनि

वर्ग पहेली-6394

१ ए	क	२ च	र	■	■	३ अ	लं	४ कृ	त
क	■	रि	■	५ प	ड़ा	व	■	प	■
६ प	वि	त्र	■	ट	■	७ ग	लि	या	८ रा
दी	■	ही	■	९ रा	ह	त	■	■	ज
■	१० म	न	११ मा	नी	■	■	१२ सु	ल	भ
■	द्धि	■	णि	■	१३ दु	वि	धा	■	व
१४ सा	म	१५ रि	क	■	श्म	■	१६ र	१७ ह	न
धु	■	श्व	■	१८ क	नी	१९ ज	■	मे	■
२० बा	हि	त	■	त	■	२१ बा	द	शा	२२ ह
द	■	■	२३ बे	ई	मा	न	■	■	

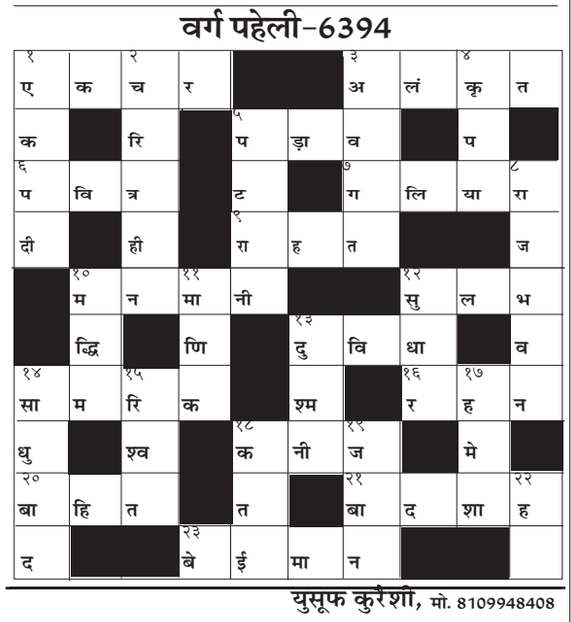

युसूफ कुरेशी, मो. 8109948408

चुनाव — *पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में निर्वाचन आयोग की सख्ती का दिखा असर*

चुनावी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई

नई दिल्ली (एजेंसियां)। पांच राज्यों में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में निर्वाचन आयोग की सख्ती और प्रयासों का असर दिखा। अब तक 11 राज्यों में हुए चुनावों में केवल 6 मतदान केंद्रों पर ही पुनर्मतदान हुआ है। वहीं, चुनावी हिंसा की घटनाओं में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़कर कहीं भी।

बड़ी हिंसा की घटना सामने नहीं हाई। वहीं, 2019 में हुए आम चुनावों में त्रिपुरा में ही 168 जगहों पर पुनर्मतदान हुआ। वहीं, आयोग सख्ती के कारण 5 राज्यों में 2000 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं, नकदी, उपहार और कीमती वस्तुएं जब्त हुईं। 45 हजार से ज्यादा शिकायतें मिलीं। इसमें पहले सौ मिनट में ही 99 फीसदी का समाधान कर दिया गया। मिजोरम में भी हिंसा की एक भी बड़ी घटना नहीं हुई है। वहीं, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी नक्सल प्रभावित इलाकों में भी लोगों ने जमकर मतदान किया। मध्य प्रदेश में 2018 में 74.97 तो 2023 में 76.22 प्रतिशत मतदान हुआ, छत्तीसगढ़ में पिछली बारे के 76.45 प्रतिशत से इस बार कुछ कम यानी 76.32 फीसदी मतदान हुई। राजस्थान में

- **11 राज्यों में केवल छह केंद्रों पर हुए पुनर्मतदान**
- **दो हजार करोड़ रुपए की नशीली दवा व नकदी की गई जब्त**

74.06 प्रतिशत से बढ़कर 74.96 प्रतिशत, मतदान हुआ। मिजोरम में 77.4 फीसदी रहा। तेलंगाना में पिछली बार के मतदान 73.37 फीसदी के मुकाबले इस बार केवल 70.71 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग इन चुनावों में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन को लेकर सतर्क है। इसके लिए आयोग आगामी लोकसभा चुनावों से ही एमसीसी के सख्त अनुपालन को लेकर कड़े कदम उठाएगा। इस दिशा में तेजी से कार्रवाई भी शुरू कर दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा चुनाव आयोग एक सांविधानिक संस्था है। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर राजनीतिक दलों की एमसीसी समझ पर सवाल उठाया है। अमर उजाला से उन्होंने कहा है कि चुनाव में राजनीतिक दलों की चुनावी आदर्श आचार संहिता की समझ और उनके द्वारा किए जा रहे कार्य बताते हैं कि या तो उनमें समझ की कमी है, या वह अनर्गल प्रलाप राजनीतिक लाभ के लिए कर रहे हैं। मतगणना को लेकर विधानसभा चुनावों में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार कानून-व्यवस्था की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी किसी भी राजनैतिक व्यक्ति, मंत्री या वरिष्ठ अधिकारी से निर्देश प्राप्त नहीं करेंगे और न ही किसी तरह से कोई पक्षपात करेंगे।

मतगणना स्थल में प्रवेश करने के लिए वैध प्राधिकार पत्र होने के बाद भी यदि आरओ को मतगणना हॉल में किसी व्यक्ति की उपस्थिति के बारे में उचित संदेह है, तो वह उसकी तलाशी ले सकता है। मतगणना हॉल के बाहर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहेगी और किसी भी व्यक्ति को बिना अनुमति के कमरे में प्रवेश करने या छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

खेल जगत

तमिलनाडु के गिरीश ने पुरुषों के 6-रेड में जीत हासिल की

चेन्नई। तमिलनाडु के गिरीश ने रविवार को यहां नेहरू इंडोर स्टेडियम में 90वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के पुरुषों के 6-रेड स्नूकर क्वालीफाइंग में महाराष्ट्र के सुमेर मागो को 4-2 से हराया। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले स्थानीय स्टार गिरीश ने क्वालीफाइंग मैच में मागो को 44-41, 21-37, 51-12, 35-55, 42-01, 41-16 से हराया। अन्यत्र, मौजूदा तमिलनाडु 15-रेड स्नूकर चैंपियन पार्थिबा राजेंद्रन ने पुडुचेरी के पूरन कुन को 4-0 से हराया, जबकि उनके राज्य साथी सैयद सिकंदर ने दिल्ली के विष्णु प्रकाश को 4-3 से हराया। हरियाणा की दिव्या शर्मा ने महाराष्ट्र के अभिषेक बजाज पर 4-1 (41-25,44-16, 21-49, 75(75)-0, 39-19) की जीत में चौथे फ्रेम में 75 का अधिकतम ब्रेक दर्ज किया।

रिंकू सिंह में मोहम्मद अली जैसा निडर रवैया है : श्रीसंत

विशाखापत्तनम। रिंकू सिंह के आक्रामक और निडर दृष्टिकोण की गूंज के बीच, भारत के पूर्व क्रिकेटर एस श्रीसंत का मानना है कि खेल के प्रति 26 वर्षीय खिलाड़ी का रवैया 20वीं सदी के प्रतिष्ठित खेल व्यक्तित्व मुहम्मद अली की याद दिलाता है। आईएएनएस से बात करते हुए, पूर्व दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार पर विचार किया, उन्होंने अपने असाधारण क्षेत्ररक्षण से भारतीय टीम को मात देने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रेय दिया, जबकि उन्होंने अपनी उम्मीदें भारतीय युवा कंधों पर केंद्रित कीं। टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम तैयार हो रही है।

मैं ईमानदार रहूँगा। ऑस्ट्रेलिया ने हमें पछाड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई तरीके से खेला। लक्ष्य जो 280 से 290 होना चाहिए था, ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्ररक्षकों ने इसे 240 तक रोक दिया। यह वार्नर, लाबुशेन, स्मिथ थे जिन्होंने उन 40 से 50 रनों को बचाया। श्रीसंत ने कहा, खेल का पूरा परिदृश्य बदल गया।

आत्मविश्वास और निडर दृष्टिकोण वाले उभरते सितारे रिंकू ने श्रीसंत का ध्यान खींचा और 40 वर्षीय खिलाड़ी ने युवा बल्लेबाज में मोहम्मद अली की झलक देखी और सभी प्रारूपों में उनके लगातार प्रदर्शन और अपने दिल की बात कहने की उनकी क्षमता की सराहना की। श्रीसंत ने उनके लचीलेपन और रवैये पर प्रकाश डालते हुए कहा, मुझे रिंकू सिंह का आत्मविश्वास पसंद है। वह जिस भी टीम के साथ खेलते हैं, उसके लिए लगातार ऐसा कर रहे हैं, चाहे वह क्लब क्रिकेट हो, चाहे वह टीम क्रिकेट हो, चाहे वह फ्रेंचाइजी हो। वह परवाह नहीं करते, बहकते नहीं लेकिन वह अपने दिल की बात कहते हैं और वह हैं मोहम्मद अली मेरे लिए।

श्रीसंत, जो एम एस धोनी के नेतृत्व में 2007 टी

20 विश्व कप विजेता टीम के प्रमुख सदस्य थे, ने भी अपने करियर के महत्वपूर्ण क्षणों पर विचार किया, उन बाधाओं और लचीलेपन के बारे में बताया जिसने अंततः क्रिकेट के मैदान में उनकी वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। श्रीसंत ने कहा, जैसे कि विश्व कप जीतना मेरे करियर में एक मील का पत्थर है। लेकिन मैं और मेरा परिवार जिस दौर से गुजरे उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। इसलिए जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो 39 साल की उम्र में केरल के लिए वापसी करना आसान नहीं था। और साबित करने और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज होने के बाद भी इसे बंद करना एक बहुत ही व्यक्तिगत कॉल जैसा था।

श्रीसंत का सफर किसी रोलरकोस्टर राइड जैसा था. 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने और जनवरी 2022 में केरल का प्रतिनिधित्व करते हुए घरेलू मैचों से संन्यास की घोषणा करने के बाद, अनुभवी क्रिकेटर को कई व्यक्तिगत और व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि, 39 साल की उम्र में केरल के लिए उनकी वापसी, जहाँ वे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में उभरे, ने उनके अटूट दृढ़ संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। अब, लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में गुजरात जायंट्स की जर्सी पहनकर और स्टुअर्ट बिन्नी के साथ अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) टी20 के दूसरे संस्करण के लिए तैयारी करते हुए, श्रीसंत ने भारत के बाहर फ्रेंचाइजी क्रिकेट द्वारा दिए गए अवसरों की सराहना की। एलएलसी उनके लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने का एक मंच रहा है, जिसमें महान सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में प्लेयर ऑफ द मैच ट्रॉफी प्रदान करते हुए उनके लचीलेपन को स्वीकार किया था, एक ऐसा क्षण जिसे वह संभावित बायोपिक के अंतिम दृश्य के रूप में देखते हैं। श्रीसंत ने कहा, मैं अपनी फिटनेस में सुधार कर सकता हूं। कोलकाता में वर्ल्ड जायंट्स के खिलाफ मैच में वीरू भाई ने मुझे ट्रॉफी दी और कहा कि यह तुम्हारे लचीलेपन के लिए है। इसलिए यह अभी भी मेरे घर में रखी हुई है, अगर मैं कभी बायोपिक बनाता हूं, तो मुझे लगता है कि फिल्म मेरे हाथ में लीजेंड्स लीग कप के साथ खत्म हो जाएगी।

क्रिकेट के मैदान से बाहर, श्रीसंत सेवानिवृत्ति के बाद काम की पेशकश करने, उन्हें व्यस्त रखने और उनके परिवार के लिए आजीविका के साधन के रूप में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय फिल्म उद्योग को स्वीकार करते हैं।

रिंकू सिंह जिस स्थान को निशाना बना रहे हैं, उसके लिए कई चुनौतियां हैं : आशीष नेहरा

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि मध्यक्रम के बल्लेबाज रिंकू सिंह की अगले साल होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की संभावनाएं उज्ज्वल दिख रही हैं, हालांकि साथ ही प्लेइंग इलेवन में जगह के लिए फिनिशर के सामने कई चुनौतियां भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में, रिंकू पारी के अंत में अपनी तेज फिनिशिंग के माध्यम से भारतीय टीम में फिनिशर के रूप में पूर्णकालिक पद के लिए अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में 14 गेंदों पर नाबाद 22 रन बनाकर 209 रन के लक्ष्य का अंत किया। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने फिर से नौ गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और रायपुर में 29 गेंदों पर 46 रन की आकर्षक पारी खेली। सिर की स्थिर स्थिति और अंदर से शांति के साथ, रिंकू एक फिनिशर के रूप में अपने कौशल का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं, यह भूमिका वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए और घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश के लिए अच्छी तरह से निभाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रिंकू सिंह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में डेविड वॉर्नर को जगह, लांस मॉरिस नया चेहरा

मेलबर्न। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान हो गया है। टेस्ट मैचों में ख़राब फ़ॉर्म से जूझ रहे सलामी बल्लेबाज़ डेविड वॉर्नर को 14-सदस्यीय दल में जगह मिली है, जबकि ऑलराउंडर मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन दोनों को भी टीम में शामिल किया गया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ लांस मॉरिस टीम में नया चेहरा हैं। एशेज सीरीज़ के दौरान पिंडली की चोट से बाहर हुए ऑफ़ स्पिनर नाथन लियोन की टीम में वापसी हुई है। वह टॉड मर्फ़ी की जगह लेंगे। ग्रीन टीम में अतिरिक्त बल्लेबाज़ और मॉरिस व स्कॉट बोलैंड टीम में अतिरिक्त गेंदबाज़ के तौर पर शामिल हैं।

वनडे विश्व कप के दौरान जॉश इंग्लिस से अपनी जगह गंवा चुके एलेक्स कैरी टेस्ट मैचों में विकेटकीपर के रूप में बने हुए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए विक्टोरिया के ख़िलाफ़ 81 रनों की पारी खेली थी। वहीं टीम के नए नाम तेज़ गेंदबाज़ मॉरिस भी चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने इस साल सिर्फ़ दो मार्श कप मैच और तीन शेफ़ील्ड शील्ड मैच खेले हैं। हालांकि मेडिकल टीम नें उन्हें अब पूरी तरह से फ़िट घोषित किया है। वॉर्नर इस सीरीज़ के तीसरे मैच से टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं, जो कि उनके घरेलू मैदान सिडनी में होना है। पिछले दो सालों में उनका टेस्ट औसत 30 से भी कम है। हालांकि चयनकर्ताओं का मानना है कि फ़िलहाल वह देश के सर्वश्रेष्ठ दो उपलब्ध सलामी बल्लेबाज़ों में से एक हैं। मार्कस हैरिस, मैट रेनशॉ और कैमरन बैनक्रॉफ़्ट उनकी जगह लेने के प्रबल दावेदार नाम हैं। हालांकि वे अभी पाकिस्तान के ख़िलाफ़ प्रधानमंत्री एकादश टीम में खेलते हुए दिखेंगे, जो इसी बुधवार से शुरू हो रहा है। 14 सदस्यीय टेस्ट दल में ग्रीन ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अभ्यास मैच में भी खेलेंगे । उन्होंने हाल ही में पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वींसलैंड के ख़िलाफ़ 96 रनों की पारी खेली थी। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड्स ने संकेत दिए हैं कि वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद मार्श और ग्रीन टेस्ट एकादश में एक साथ भी खेल सकते हैं। हालांकि इसके लिए बल्लेबाज़ी क्रम को थोड़ा ऊपर-नीचे करना होगा। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पहला टेस्ट 14 दिसंबर से पर्थ में शुरू हो रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई दल : पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, उस्मान ख़्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर) नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क, लांस मॉरिस

अभिनव चौधरी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली/भोपाल। राजस्थान के अभिनव चौधरी ने भोपाल में चल रही 66वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) रविवार को एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में पिस्टल स्पर्धा में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) का खिताब जीता।

अभिनव ने फाइनल में 30 का स्कोर बनाकर उत्तर प्रदेश के अंकुर गोयल को पछाड़ दिया, जिन्होंने 26 हिट अपने नाम किए। दिल्ली के अर्पित गोयल 21 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। अभिनव ने इससे पहले क्वालीफिकेशन में 584 के स्कोर के साथ शीर्ष छह निशानेबाजों के फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया था, जो अग्रणी स्कोर भी था। जूनियर पुरुष आरएफपी में, विजयवीर सिद्धू ने फाइनल में 28 हिट के साथ स्वर्ण पदक जीता, और हरियाणा के पेरिस ओलंपिक कोटा विजेता अनीश भनवाला से बेहतर प्रदर्शन किया, जिनके पास 25 थे। पंजाब ने इस स्पर्धा में स्वर्ण और कांस्य जीता जब राजकंवर सिंह संधू ने 20 का स्कोर करके कांस्य पदक जीता।

हालाँकि, अनीश (578) ने पुरुष आरएफपी में समीर (578) और आदर्श सिंह (571) के साथ मिलकर 1727 के संयुक्त प्रयास से टीम स्पर्धा जीती। विजयवीर ने राजकंवर और जुड़वां भाई उदयवीर के साथ जूनियर टीम का स्वर्ण जीता।

एक कप्तान के तौर पर पैट कमिंस मेरी उम्मीदों से कहीं आगे निकले : इयान चैपल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक कप्तान के रूप में उनकी उम्मीदों से आगे निकल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह न केवल टेस्ट क्रिकेट में, बल्कि 50 ओवर के प्रारूप में भी सफल साबित हुए हैं। यह कमिंस के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, जहां उनके नेतृत्व में, ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी और इंग्लैंड में अपनी पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप गदा जीती और भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खिताब जीतकर और अधिक गौरव बढ़ाया, जिसमें पहले दो मैच हारने के बाद लगातार आठ मैच जीते। कमिंस हमेशा एक अच्छे कप्तान बनने वाले थे। तेज गेंदबाजी कप्तान होने की कठिनाइयों को एक पल के लिए नजरअंदाज करते हुए, वह आसानी से ऑस्ट्रेलियाई टीम में सबसे प्रेरणादायक खिलाड़ी थे, और क्रिकेट के सामान्य ज्ञान से संपन्न खिलाड़ी थे। चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, कमिंस ने न केवल खुद को एक योग्य टेस्ट कप्तान साबित किया है, उनका नेतृत्व अब विस्तारित हो गया है और वह 50 ओवर के क्रिकेट में भी सफल हैं। मैंने सोचा था कि वह एक अच्छा कप्तान होगा लेकिन वह मेरी

उम्मीदों से कहीं आगे निकल गया। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अगर प्रशंसक कमिंस के खेल खेलने के तरीके से प्रेरित नहीं हैं तो वे गलत खेल में हैं। कोई भी क्रिकेटर जो कमिंस से प्रेरित नहीं है वह गलत खेल में है। इसके अलावा, कमिंस बड़े दिल वाले एक उत्कृष्ट तेज गेंदबाज हैं और जब जरूरत होती है तब विकेट लेने की उनकी कला बहुत प्रशंसनीय है। इसे खत्म करने के लिए, वह एक ऐसा गेंदबाज है जो नियमित रूप से विपक्षी टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों को परेशान करता है।

ये गुण उन्हें एक प्रेरक कप्तान बनने के योग्य बनाते हैं। बाकी यह ऑस्ट्रेलिया टीम का नेतृत्व करने और यह देखने का मामला है कि वह क्या काम कर सकता है। एक कप्तान के रूप में सुधार करने का एकमात्र तरीका काम करना है, गलत अनुमान लगाना और किसी भी असफलता से तुरंत सीखना है।

चैपल का यह भी मानना है कि कमिंस ने तब तक कप्तान रहने का अधिकार हासिल करने के लिए काफी कुछ किया है, जब तक वह रहना चाहते हैं। विभिन्न देशों और प्रारूपों में और विभिन्न परिस्थितियों में एक कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करके, कमिंस खुद को उस श्रेणी में रख रहे हैं। उस तिकड़ी में से केवल इमरान - शानदार उपस्थिति वाले उत्कृष्ट नेता - तेजी से बढ़ते सीमित ओवरों के क्रिकेट के युग में खेले। मैं कमिंस को मार्क वॉ और अनिल कुंबले के समान श्रेणी में रखूंगा - भयंकर प्रतिस्पर्धी जो अपने कार्यों से अपने इरादे स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं। अपना मुँह बंद करने से आप एक कठिन खिलाड़ी नहीं बन जाते; अक्सर, यह बिल्कुल विपरीत होता है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के रूप में कमिंस सही विकल्प थे और उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। यहां तक कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के अत्यधिक मांग वाले माहौल में भी, उन्होंने तब तक कप्तान बने रहने का अधिकार अर्जित किया है जब तक वह भूमिका चाहते हैं।

वॉर्नर अभी भी पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में हैं : जॉर्ज बेली

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए डेविड वार्नर के चयन पर तीखा हमला करने के बाद, मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के समर्थन में सामने आए और कहा कि वह उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने के लिए अभी भी सबसे अच्छा विकल्प है।

इस साल की शुरुआत में, वार्नर ने सिडनी में अपने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में अपने टेस्ट करियर को समाप्त करने की इच्छा व्यक्त की थी। हालाँकि वार्नर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में असाधारण फॉर्म में हैं, उन्होंने 2020 की शुरुआत से केवल 31.79 की औसत से रन बनाए हैं और इस साल पांच एशेज टेस्ट में 28.50 की औसत से केवल 285 रन बनाए हैं। बेली ने संवाददाताओं से कहा, आखिरकार, हम अभी भी सोचते हैं कि वह पहला टेस्ट जीतने वाले हमारे सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों में से एक है। मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट, जिस तरह से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक निर्धारित करता है, उसके संदर्भ में, प्रत्येक टेस्ट महत्वपूर्ण है। प्रत्येक मैच के लिए अंक लाइन पर हैं । तो हमारा ध्यान उन 11 को चुनने पर है जो हमें लगता है कि यह काम कर सकते हैं और जाहिर तौर पर इसमें प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका होती है और यह वास्तव में पूरी टीम को कैसे तैयार करता है और हमें लगता है कि डेविड इसके लिए सही व्यक्ति हैं। वार्नर के बारे में आगे बात करते हुए, बेली ने कहा, स्पष्ट रूप से डेव श्रृंखला के माध्यम से सिडनी में समाप्त करना चाहेंगे, और हम इसका पूरा सम्मान करते हैं। हम इस तथ्य को लेकर काफी सुसंगत रहे हैं कि किसी भी खिलाड़ी के साथ, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक व्यक्ति के रूप में कैसा प्रदर्शन करते हैं, और वह प्रदर्शन वास्तव में टीम के कार्य में कैसे फिट बैठता है, और यह नहीं बदलेगा।

हमें घरेलू टेस्ट श्रृंखला होने और टेस्ट दर टेस्ट टीम का चयन करने में सक्षम होने का फायदा मिलता है। और यह डेव के लिए विशिष्ट नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि सभी खिलाड़ी, यह प्रदर्शन के बारे में है और यह टीम में कैसे फिट बैठता है जो किसी भी टेस्ट में टीम का स्वरूप तय करेगा। बेली ने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में वार्नर की जगह लेना एक लंबी यात्रा हो सकती है, जैसा कि 2007 से 2011 तक शेन वार्न के प्रतिस्थापन की खोज करते समय हुआ था। विपक्षी को दबाव में रखने की क्षमता बहुत खास है, और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। जब भी आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जो इतनी लंबी उम्र का हो और किसी भूमिका में इतना प्रभावशाली हो, (यह महत्वपूर्ण है) कि जो भी हो उसकी अपेक्षाओं पर काबू पाया जाए वहां प्रतिस्थापन होने जा रहा है।

फातिमा, शवाल ने पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर ऐतिहासिक महिला टी20 जीत दिलाई

डुनेडिन। तेज गेंदबाज फातिमा सना के शानदार 3-18 और शवाल जुल्फिकार के 41 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच सात विकेट से जीत लिया। इस परिणाम का मतलब यह भी है कि पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर पहली महिला टी20 जीत मिली है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम फातिमा की बेहतरीन गेंदबाजी के कारण 127/6 पर सिमट गई। फातिमा, जो चोट के कारण बांग्लादेश दौरे से चूक गईं, ने बादल छाए रहने की स्थिति का फायदा उठाते हुए 3-18 का शानदार स्पैल डाला, जिसमें बर्नडाइन बेजुइडेनहाउट, केट एंडरसन और सूजी बेट्स के विकेट शामिल थे । कप्तान निदा डार, डायना बेग और आलिया रियाज ने नियमित अंतराल पर एक-एक विकेट लेकर न्यूजीलैंड की पारी को फिर से बनाने के काम को नुकसान पहुंचाया। मैडी ग्रीन सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने 28 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 43 रन बनाए और न्यूजीलैंड को 120 के पार पहुंचाया। 128 रनों का पीछा करते हुए, पाकिस्तान की शवाल और मुनीबा अली की सलामी जोड़ी ने 40 रनों की अच्छी साझेदारी की,लेकिन मुनीबा बाद में 24 गेंदों में 23 रन बनाकर सोफी डिवाइन का शिकार बन गईं। निदा ने खुद को इस क्रम में आगे बढ़ाया और युवा शवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी की।

बेल्जियम से हारकर भारत जूनियर महिला विश्व कप से बाहर

सैंटियागो। एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के चौथे दिन ने कुछ टीमों के भाग्य का फैसला कर दिया है क्योंकि भारत और दक्षिण अफ्रीका प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं, जबकि पूल ए और सी की चार अन्य टीमें - नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और जर्मनी - ने शीर्ष 8 में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। बेल्जियम ने पूल सी में तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए रोमांचक मुकाबले में भारत पर 3-2 से जीत हासिल की, जबकि जर्मनी ने पूल सी में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए कनाडा पर बड़ी जीत दर्ज की।

पूल ए में, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली थी, ने यह सुनिश्चित किया कि वे दक्षिण अफ्रीका और चिली को बड़े अंतर से हराकर उच्च स्थान पर रहें। इन चारों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है जबकि अपने-अपने पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को 9वें से 16वें स्थान के लिए वर्गीकरण मैच खेलना होगा। शनिवार रात दिन के पहले मैच में भारत और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर हुई। पांचवें मिनट में नोआ श्रेडर्स ने फील्ड गोल करके बेल्जियम के लिए खाता खोला। इसके बाद यह बराबरी का मुकाबला था और दोनों टीमें गोल करने के मौके बनाने की कोशिश कर रही थीं। फ्रांस डी मोट ने बेल्जियम के लिए एक और गोल कर अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया, लेकिन तब इस प्रतियोगिता में भारत की स्टार खिलाड़ी अन्नू थीं, जिन्होंने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके भारत को खेल में वापस ला दिया। हालाँकि, 52वें मिनट में एस्ट्रिड बोनामी के विजयी गोल ने पूल सी में शीर्ष पर रहने की भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। दिन के दूसरे मैच में जर्मनी ने कनाडा को 8-0 से हरा दिया, यह गोल का

उत्सव था। लौरा प्लुथ और कप्तान लिली स्टॉफेल्स्मा दोनों ने हैट्रिक बनाई, जबकि कैटरीना हैड और जोआना बोहरिंगर ने एक-एक गोल किया। जर्मनी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और 14 पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए और कई बार प्रतिद्वंद्वी सर्कल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, जर्मनी पूल सी में बेल्जियम के नीचे दूसरे स्थान पर रहा, जबकि कनाडा तीन में से शून्य जीत के साथ सबसे नीचे रहा। ऑस्ट्रेलिया ने पूल चरण में दो जीत और एक हार के साथ विश्व कप के अपने आखिरी लीग मैच में दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मुकाबले में 4-0 से हराया। वह मकायला जोन्स थीं जिन्होंने चौथे मिनट में तेज फिनिश के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलिया को 11 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वह केवल एक को ही गोल में बदल सका, जिसका श्रेय दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर मोर्गन डी जैगर को जाता है। तीन मैचों में तीन हार के साथ दक्षिण अफ्रीका पूल ए में सबसे निचले स्थान पर रहा। यह नीदरलैंड बनाम चिली के बीच एक समान मैच था क्योंकि महिला हॉकी में दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक, नीदरलैंड ने मेजबान टीम को 7-0 से हराया था। वे शुरू से ही लय में थे और पहले दस मिनट में तीन गोल दागे।

सार संक्षेप

मोहन बागान सुपर जाइंट ने आईएसएल में हैदराबाद एफसी को 2-0 से हराया

भुवनेश्वर। मोहन बागान सुपर जाइंट ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की बदौलत हैदराबाद एफसी को 2-0 से हरा दिया। मेरिनर्स को इस हफ्ते की शुरुआत में घरेलू मैदान पर ओडिशा एफसी के खिलाफ 5-2 से हार का सामना करना पड़ा। हैमिल ने 85वें मिनट में स्कोरिंग की शुरुआत की, और राय ने 96वें मिनट में गोल कर मेरिनर्स की जीत पक्की कर दी, इस टूर्नामेंट में मोहन बागान सुपर जायंट की पांचवीं जीत है। हैदराबाद एफसी अपना अगला मुकाबला 10 दिसंबर को गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से खेलेगी, जबकि मोहन बागान सुपर जाइंट छह दिसंबर को साल्ट लेक स्टेडियम में ओडिशा एफसी से भिड़ेगी। हैदराबाद एफसी के थांगबोई सिंग्नल ने कहा, मोहन बागान के बारे में बोलते हुए, मुझे लगता है कि यह सितारों की टीम है, लेकिन मैंने ओडिशा एफसी के खिलाफ उनका मैच देखा और मुझे लगता है कि यह उनके साथ खेलने का अच्छा समय है। उनके पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, शुरुआत में भी और बेंच पर भी।

केंद्रीय अनुबंध पाने के लिए विंडीज वनडे, फ्रेंचाइजी क्रिकेट की तलाश में इंग्लैंड के विल जैक

लंदन। केंद्रीय अनुबंध तय करते समय इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा नजरअंदाज किए गए इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर विल जैक नॉर्थ साउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला को स्थायी रूप से टीम में जगह बनाने और अगले साल केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल होने के अवसर के रूप में देख रहे हैं। । इसके अलावा, विल जैक्स अगले साल के आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में जगह पक्की करने के लिए अपने भविष्य के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाना चाह रहे हैं।

सुडोकू 6395 का हल

2	8	6	5	9	3	7	1	4
1	9	7	8	6	4	2	3	5
4	3	5	2	7	1	6	8	9
7	2	9	3	1	5	4	6	8
5	1	8	6	4	7	3	9	2
3	6	4	9	8	2	1	5	7
8	4	2	1	3	9	5	7	6
6	7	3	4	5	8	9	2	1
9	5	1	7	2	6	8	4	3

कृषि जगत

फ्रेंचबीन की खेती का सही तरीका और उत्पादन काल में ध्यान रखने वाली बातें

सर्दियों का मौसम चल रहा है। इन दिनों रबी फसलों की बुवाई जोरों पर चल रही है। किसान अपने खेत में गेहूं, चना, सरसों आदि रबी फसलों की बुवाई कर रहे हैं। यदि किसान इन फसलों के साथ ही फ्रेंचबीन की खेती करें तो अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। फ्रेंचबीन को राजमा भी कहा जाता है। ये एक दलहनी फसल है। हालांकि इसकी हरी पौध को सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इसे सुखाकर राजमा के रूप में खाया जाता है।

फ्रेंचबीन या हरी बीन्स में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए लाभकारी होते हैं। इसमें मुख्य रूप से पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्सियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं। बीन्स विटामिन बी2 का मुख्य स्रोत हैं। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं। इसका सेवन हृदय रोगियों के लिए बहुत ही लाभकारी बताया गया हैं। ये शरीर में बढ़े कोलेस्टेरोल की मात्रा को कम करता है जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसके सेवन से रक्चाप नहीं बढ़ता है। इसलिए ये हृदय रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना गया है। यदि सही तरीके से फ्रेंचबीन खेती की जाए तो किसान इसकी खेती से अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से आपको फ्रेंचबीन की खेती का सही तरीका और उत्पादन काल में रखने ध्यान रखने वाली महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दे रहे हैं, तो बने रहिये हमारे साथ।

फ्रेंचबीन की खेती में ध्यान रखने वाली बातें

फ्रेंचबीन की खेती करते समय यदि कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा जाए तो इसकी बेहतर पैदावार प्राप्त की जा सकती है। इसकी खेती के दौरान जिन बातों का ध्यान रखना चाहिए, वे इस प्रकार से हैं-

फ्रेंचबीन की खेती के लिए कैसे होनी चाहिए जलवायु और मिट्टी

फ्रेंचबीन की खेती सर्दी व गर्मी दोनों मौसम में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए हल्की गर्म जलवायु अच्छी रहती है। इसके लिए खेती के लिए अधिक ठंडी और अधिक गर्म जलवायु अच्छी नहीं रहती है। इसकी खेती हमेशा अनुकूल मौसम में की जानी चाहिए। यदि मिट्टी की बात की जाए तो इसकी खेती के लिए बलुई बुमट व बुमट मिट्टी अच्छी रहती है। जबकि भारी व अम्लीय भूमि वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

फ्रेंचबीन की खेती के लिए किन किस्मों का करें चुनाव / फ्रेंचबीन की उन्नत किस्में

फ्रेंचबीन की खेती के लिए कई किस्में आती है जो अच्छी हैं। इसमें दो तरह की किस्में आती है जिसमें पहली झाड़ीदार किस्में होती हैं जिनमें जाइंट स्ट्रींगलेस, कंटेंडर, पेसा पार्वती, अक्र कोमल, पंत अनुपमा तथा प्रीमियर, वी.एल. बोनी-1 आदि प्रमुख किस्में है। वहीं दूसरी बेलदार किस्में होती है जिनमें केंटुकी वंडर, पूसा हिमलता व एक.वी.एन.-1 अच्छी किस्में हैं।

फ्रेंचबीन की खेती में बुवाई का सही तरीका

उत्तर भारत में इसकी खेती अक्टूबर व फरवरी में की जाती है। वहीं हल्की ठंड वाले स्थानों पर इसकी खेती नवंबर में की जाती है। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्र में इसकी खेती फरवरी, मार्च व जून माह में की जा सकती है। बुवाई करते इस बात का ध्यान रखें की बुवाई हमेशा कतार में करें ताकि निराई-गुडाई के काम में आसानी रहे। बुवाई के समय पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45-60 सेमी. और बीज से बीज की दूरी 10 सेमी. रखनी चाहिए। वहीं बेलदार किस्में लगा रहे हैं तो पंक्ति से पंक्ति की दूरी 100 सेमी रखना अच्छा रहता है। इसके लिए पौधों को सहारा देने का प्रबंध भी करना जरूरी है। इसके लिए लकड़ी, बांस या लोहे की छड़ को सहारे के लिए प्रयोग किया जा सकता है। बीज के अंकुरण के लिए भूमि में पर्याप्त मात्रा में नमी होनी चाहिए।

फ्रेंचबीन की खेती में कितनी मात्रा में करें खाद व उर्वरक का प्रयोग

फ्रेंचबीन के बीजों की बुवाई से पहले बीज का राइजोबियम नामक जीवाणु से उपचार कर लें ताकि जमीन जनित रोग से फसल सुरक्षित रहे। इसके अलावा इसकी खेती के लिए 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 80 कि.ग्रा. फास्फोरस और 50 कि.ग्रा. पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से खेत की तैयारी के दौरान खेत की अंतिम जुताई समय पर मिला दें। इसके अलावा 20-25 टन गोबर या कम्पोस्ट खाद को खेत की तैयारी के समय मिट्टी में अच्छी तरह मिला देना चाहिए। वहीं 20 कि.ग्रा. नत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से फसल में फूल आने के समय प्रयोग करें।

फ्रेंचबीन की खेती कब करें सिंचाई

फ्रेंचबीन की बुवाई के समय खेत में पर्याप्त मात्रा में नमी होनी जरूरी है। इससे बीजों का अंकुरण अच्छा होता है। इसके बाद इसकी हर सात से दस दिन के अंतराल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए।

फ्रेंचबीन की खेती में कैसे करें खरपतवार पर नियंत्रण

फ्रेंचबीन की खेती में भी खरपतवारों का प्रकोप बना रहता है। खरपतवार वे अवांछिनीय पौधे होते हैं जो इसके आसपास उग जाते हैं और इसके विकास में बाधा पहुंचाकर फसल को हानि पहुंचाते हैं। ऐसे अवांछिनीय पौधों को हटाने के लिए दो से तीन बार निराई व गुडाई करके खरपवार को हटा देना चाहिए। यहां बता दें कि एक बार पौधे को सहारा देने के लिए मिट?टी चढ़ाना जरूरी होता है। यदि खरतवार का प्रकोप ज्यादा हो तो इसके लिए रासायनिक उपाय भी किए जा सकते हैं। इसके लिए 3 लीटर स्टाम्प का प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के बाद दो दिन के अंदर घोल बनाकर छिड़काव करने से खरपवारों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

कब करें फ्रेंचबीन की कटाई (फ्रांसबीन)

फ्रेंचबीन की कटाई फूल आने के दो से तीन सप्ताह के बाद शुरू कर दी जाती है। इसकी फलियों की तुड़ाई नियमित रूप से जब फलियां नर्म व कच्ची अवस्था में हो तब उसकी तुड़ाई करनी चाहिए। फ्रेंचबीन की पैदावार की बात करें तो उचित वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल करके इसकी हरी फली की उपज 75-100 क्विंटल/हेक्टेयर तक प्राप्त की जा सकती है। फ्रेंचबीन यानि राजमा का भाव बाजार में सामान्यतः 120 से लेकर 150 रुपए प्रति किलोग्राम रहता है। मंडियों में इसके भावों में अंतर हो सकता है। क्योंकि अलग-अलग मंडियों और बाजार में इसके भावों में उतार-चढ़ाव होता रहता है।

टिंडा की खेती और उससे लाभ

डा की खेती हमारे देश में समय से की जाती है । परम्परागत टिंडे की खेती की तुलना में टिंडा की वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने पर अधिक उपज मिलती है । साथियों आज हम जिस सब्ज़ी के बारे में बात करने जा रहे हैं वह सिर्फ़ अपने स्वाद के लिए नही बल्कि अपने औषधीय गुणों के लिए भी जानी है। यह उत्तर भारत में ख़रीफ़ व गरमी के मौसम में उगायी जाती है । टिंडा की खेती के लिए गर्म व शुष्क जलवायु अच्छी मानी जाती है किंतु गर्म व मृदु जलवायु में भी इसकी खेती आसानी से की जा सकती है। इससे निम्न जलवायु पर इसके बीजों का अंकुरण नही होता है। अंकुरण के लिए 27 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है।

भूमि की जानकारी व भूमि का चयन - वैसे तो टिंडा की खेती विभिन्न तरह की मृदाओं में उगाया जा सकता है। अधिक पैदावार व लाभ लेने के लिए इसके लिए जीवाश्म युक्त, रेतीली, व दोमट मृदा सर्वाधिक उपयुक्त होती है। नदी तटों की मिट्टी में भी टिंडे की खेती से लाभ लिया जा सकता है। भूमि का पी0एच0 6-7 बढ़िया माना जाता है।

खाद व उर्वरक - टिंडा की खेती से अधिक पैदावार लेने के लिए रासायनिक उर्वरकों के साथ - साथ कार्बनिक व जैविक रसायनों के उपयोग की आवश्यकता होती है। कार्बनिक उर्वरक के रूप में गोबर की खाद 20-25 टन प्रति हेक्टेयर व 100 किलो ग्राम नाइट्रोजन, 100 किलो ग्राम फ़ोस्फोरस व 50 किलो ग्राम पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।

खाद व उर्वकों के प्रयोग की विधि - सबसे पहले गोबर की खाद की पूरी मात्रा को भूमि की तैयारी से पूर्व खेत में मिला दें। इसके बाद नाइट्रोजन की आधी व फ़ोस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा भूमि में डालकर जुताई कर दें। बची हुई नाइट्रोजन की आधी मात्रा को खड़ी फ़सल में टॉप ड्रेसिंग करें।

बुवाई का समय - टिन्डा की खेती से अधितम लाभ लेने के लिए समय से बुवाई करना बहुत आवश्यक है। देश के उत्तरी मैदानी भागों में टिंडे की खेती साल में दो बार की जाती है। टिंडे की पहली बुवाई फ़रवरी से अप्रैल माह में करें तथा दूसरी खेती के लिए जून - जुलाई में बुवाई करें।

बीज की मात्रा - टिंडा की खेती के लिए उच्च गुणवत्ता वाला, सुडौल, स्वस्थ अच्छी प्रजाति के 4-5 किलो ग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त होती है।

बुवाई की विधि - टिंडे की बुवाई थालों में की जानी चाहिए। लाइन से लाइन की दूरी 2 से 2.5 मीटर व थालों से थालों की आपस की दूरी 1 से 1.5 मीटर रखते हैं। हर थाले में 4-5 बीज की बुवाई करनी चाहिए। बीजों के अंकुरण के बाद, केवल दो स्वस्थ पौधों को छोड़कर बाक़ी के पौधे उखाड़ देने चाहिए। पर्याप्त सघनता होने पर पौधों की बढ़वार अच्छी होती है।

सिंचाई व खरपतवार नियंत्रण - सिंचाई की संख्या भूमि की क़िस्म व स्थानीय जलवायु पर निर्भर करती है। किसान साथियों टिंडा एक उथली जड़ वाली फ़सल है। इसमें सिंचाई की आवश्यकता अधिक होती है। टिंडे की फ़सल पर पहली सिंचाई अंकुरण के 5 से 8 दिन के अंदर करनी चाहिए। टिंडे में बौछारी विधि से सिंचाई करने पर 28 से 30 प्रतिशत उपज बढ़ायी जा सकती है। साथ ही में विधि से सिंचाई करने पर हम पानी के दुरुपयोग को भी रोक सकते हैं। जल हाई जीवन है। इस बात को हमें हमेशा ध्यान रखना चाहिए। टिंडे की फ़सल पर पहली निराई-गुड़ाई बुवाई के दो सप्ताह बाद करनी चाहिए। निराई के दौरान अवांछित खर पतवारों को उखाड़ दें । साथ ही पौधों की जड़ों में मिट्टी चढ़ा दें। अधिक खरपतवार की दशा में एनाक्लोर रसायन की 1.25 लीटर मात्रा को प्रति हेक्टेयर मात्रा का छिड़काव करना चाहिए। टिंडे के फल बनने के एक सप्ताह के अंदर तुड़ाई के लिए तैयार हो जाते है। पौधे छोटे व कोमल हों तुड़ाई कर लेनी चाहिए। अन्यथा कड़े फल हो जाने पर फल सब्ज़ी बनाने लायक नही रहते हैं। बाज़ार में उसका उचित मूल्य नही मिलता। इसलिए पहली तुड़ाई के 4 -5 दिन के अंतराल पर तुड़ाई करते रहना चाहिए।

अदरक उत्पादन की तकनीक अपनाएं और धन कमाएं

उत्पादन तकनीक

जलवायु- अदरक की खेती गर्म और आर्द्रता वाले स्थानों में की जाती है । मध्यम वर्षा बुवाई के समय अदरक की गांठों (राइजोम) के जमाने के लिये आवश्यक होती है । इसके बाद थोडा ज्यादा वर्षा पौधों को वृद्धि के लिये तथा इसकी खुदाई के एक माह पूर्व सूखे मौसम की आवश्यकता होती हैं । अगेती वुवाई या रोपण अदरक की सफल खेती के लिये अति आवश्यक हैं । 1500-1800 मि .मी .वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में इसकी खेती अच्छी उपज के साथ की जा सकती हैं । परन्तु उचित जल निकास रहित स्थानों पर खेती को भारी नुकसान होता हैं । औसत तापमान 25 डिग्री सेन्टीग्रेड, गर्मीयों में 35 डिग्रीसेन्टीग्रेड तापमान वाले स्थानो पर इसकी खेती बागों में अन्तरवर्तीय फसल के रूप मे की जा सकती हैं ।

भूमि-अदरक की खेती बलुई दोमट जिसमें अधिक मात्रा में जीवाशं या कार्बनिक पदार्थ की मात्रा हो वो भूमि सबसे ज्यादा उपयुक्त रहती है । मृदा का पी.एस.मान 5-6 ये 6 .5 अच्छे जल निकास वाली भूमि सबसे अच्छी अदरक की अधिक उपज के लिऐ रहती हैं । एक ही भूमि पर बार-बार फसल लेने से भूमि जनित रोग एवं कीटों में वृद्धि होती हैं । इसलिये फसल चक्र अपनाना चाहिये । उचित जल निकास ना होने से कन्दों का विकास अच्छे से नही होता ।

बीज (कन्द) की मात्रा-

अदरक के कन्दों का चयन बीज हेतु 6-8 माह की अवधि वाली फसल में पौधों को चिन्हित करके काट लेना चाहिये अच्छे प्रकन्द के 2 .5-5 सेमी .लम्बे कन्द जिनका वजन 20-25 ग्रम तथा जिनमें कम से कम तीन गाँठे हो प्रवर्धन हेतु कर लेना चाहिये। बीज उपचार मैंकोजेव फफूँदी से करने के बाद हीप्रर्वधन हेतु उपयोग करना चाहिये।

बुवाई के समय- अदरक की बुबाई दक्षिण भारत में मानसून फसल के रूप में अप्रैल - मई में की जाती जो दिसम्बर में परिपक्व होती है । जबकि मध्य एवं उत्तर भारत में अदरक एक शुष्क क्षेत्र फसल है । जो अप्रैल से जून माह तक वुवाई योग्य समय हैं । सबसे उपयुक्त समय 15 मई से 30 मई हैं । 15 जून के बाद वुवाई करने पर कंद सड़ने लगते हैं और अंकुरण पर प्रभाव बुरा पड़ता हैं । केरल में अप्रैल के प्रथम समूह पर वुवाई करने पर उपज 200त्न तक अधिक पाई जाती हैं । वही सिचाई क्षेत्रों में वुवाई का सवसे अधिक उपज फरवरी के मध्य बोने से प्राप्त हुई पायी गयी तथा कन्दों के जमाने में 80त्न की वृद्धि आँकी गयी । पहाड़ी क्षेत्रो में 15 मार्चके आस-पास वुवाई की जाने वाली अदरक में सबसे अच्छा उत्पादन प्राप्त हुआ

बीज (कन्द) की मात्रा- अदरक के कन्दों का चयन बीज हेतु 6-8 माह की अवधि वाली फसल में पौधों को चिन्हित करके काट लेना चाहिये अच्छे प्रकन्द के 2 .5-5 सेमी .लम्बे कन्द जिनका वनज 20-25 ग्राम तथा जिनमें कम से कम तीन गाँठे हो प्रवर्धन हेतु कर लेना चाहिये । बीज उपचार मैंकोजेव फफूँदी से करने के बाद ही प्रर्वधन हेतु उपयोग करना चाहिये । अदरक 20-25 कुंटल प्रकन्द/है. बीज दर उपयुक्त रहता हैं । तथा पौधों की संख्या 140000./है. पर्याप्त मानी जाती हैं । मैदानी भागो में 15 -18 कु ./है. बीजों की मात्रा का चुनाव किया जा सकता हैं । क्योंकि अदरक की लागत का 40-46-भाग बीज में लग जाता इसलिये वीज की मात्रा का चुनाव, प्रजाति, क्षेत्र एवं प्रकन्दों के आकार के अनुसार ही करना चाहिये ।

बोने की विधि एवं बीज व क्यारी अन्तराल-प्रकन्दों को 40 सेमी .के अन्तराल पर बोना चाहिये । मेड़ या कूड़ विधि से बुवाई करनी चाहिये । प्रकन्दों को 5 सेमी .की गहराई पर बोना चाहिये । बाद में अच्छी सड़ी हुई गोबर की खाद या मिट्टी से ढक देना चाहिये । यदि रोपण करना है तो कतार से कतार 30 सेमी .और पौध से पौध 20 सेमी .पर करे । अदरक की रोपाई 15 15, 20 40 या 25 30 सेमी .पर भी कर सकते हैं । भूमि की दशा या जल वायु के प्रकार के अनुसार समतल कच्ची क्यारी, मेड-नाली आदि विधि से अदरक की वुवाई या रोपण किया जाता है । (क) समतल विधि- हल्की एवं ढालू भूमि में समतल विधि द्वारा रोपण या वुवाई की जाती हैं । खेती में जल निकास के लिये कुदाली या देशी हल से 5-6 सेमी .गहरी नाली बनाई जाती है जो जल के निकास में सहायक होती हैं । इन नालियों में कन्दों को 15-20 सेमी .की दूरी अनुसार रोपण किया जाता हैं । तथा रोपण के दो माह बाद पौधो पर मिट्टी चढ़ाकर मेडनाली विधि बनाना लाभदायक रहता है

(ख) ऊँची क्यारी विधि- इस विधि में 1*3 मी. आकार की क्यारीयों को जमीन से 20 सेमी .ऊची बनाकर प्रत्येक क्यारी में 50 सेमी .चैड़ी नाली जल निकास के लिये बनाई जाती हैं । बरसात के बाद यही नाली सिचाई के कसम में असती हैं । इन उथली क्यारियों में 30X20 सेमी .की दूरी पर 5-6 सेमी .गहराई पर कन्दों की वुवाई करते हैं । भारी भूमि के लिये यह विधि अच्छी है।

(ग) मेड़ नाली विधि- इस विधि का प्रयोग सभी प्रकार की भूमियों में की जा सकती हैं । तैयार खेत में 60 या 40 सेमी .की दूरी पर मेड़ नाली का निर्माण हल या फावडे से काट के किया जा सकता हैं । बीज की गहराई 5-6 सेमी रखी जाती हैं ।

रोपण हेतु नर्सरी तैयार करना- यदि पानी की उपलब्धता नही या कम है तो अदरक की नर्सरी तैयार करते हैं । पौधशाला में एक माह अंकुरण के लिये रखा जाता । अदरक की नर्सरी तैयार करने हेतु उपस्थित बीजो या कन्दों को गोबर की सड़ी खाद और रेत (50- 50) के मिश्रण से तैयार बीज शैया पर फैलाकर उसी मिश्रण से ठक देना चाहिए तथा सुबह-शाम पानी का छिड़काव करते रहना चाहिये । कन्दों के अंकुरित होने एवं जड़ो से जमाव शुरू होने पर उसे मुख्य खेत में मानसून की बारिश के साथ रोपण कर देना चाहिये ।

बीज उपचार- प्रकन्द बीजों को खेत में वुबाई, रोपण एवं भण्डारण के समय उपचारित करना आवश्यक हैं । बीज उपचारित करने के लिये (मैंकोजेब .मैटालैक्जिल) या कार्बोन्डाजिम की 3 ग्राम मात्रा को प्रति लीटर के पानी के हिसाब से घोल बनाकर कन्दों को 30 मिनट तक डुवो कर रखना चाहिये ।

खरगोश पालन से कम समय में लाखों की कमाई

हिमाचल, हरियाणा में रैबिट फॉर्मिंग ने किसानों और युवाओं के लिए एक सबसे मुनाफे के व्यवसाय की राह दिखाई है। रैबिट फॉर्मिंग कर रहे अनुभवी किसान बताते हैं कि इस धंधे में नफा ही नफा है। कुछ ही सप्ताह में लागत की दोगुनी लाखों की कमाई हो जा रही है। फार्म में रखे गए खरगोश एक खरगोश दिनभर में एक मुट्ठी फीड, एक मुट्ठी चारा और दो-तीन कटोरी पानी पीता है। चार महीने में खरगोश दो किलो से ज्यादा वजन का हो जाता है और फिर साढ़े तीन सौ से पांच सौ रुपए तक में बिक जाता है। किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए एक कम लागत, कम समय में बड़े मुनाफे का धंधा चल पड़ा है रैबिट फॉर्मिंग।

इसके ऊन और मीट से पांच-छह सप्ताह के भीतर लागत की दोगुनी कमाई हो जा रही है। खरगोश का मीट वसा की दृष्टि से स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। खरगोश के मीट में तुलनात्मक रूप से ज्यादा प्रोटीन, वसा और कैलोरी कम होती है। साथ ही इसका मीट आसानी से सुपाच्य होता है। इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस अधिक होता है। इसमें तांबा, जस्ता और लौह तत्व शामिल होते हैं। सभी उम्र के लोग इसका सेवन कर सकते हैं। दिल के मरीजों के लिए यह अत्यंत लाभप्रद माना जाता है। खरगोश को पिंजड़े में पाला जा सकता है, जो मामूली खर्च से तैयार हो जाता है। खरगोशों को मौसमी परिस्थितियों जैसे तेज गर्मी, बरसात और कुत्तों, बिल्लियों से बचाने के लिए शेड आवश्यक होता है। शेड चार फिट चौड़ा, दस फिट लम्बा और डेढ़ फिट ऊंचा होना चाहिए। अब पार्टीशन देकर दो-बाइ-दो के दस बराबर बॉक्स बना लिए जाते हैं। शेड को ज़मीन से दो फिट ऊंचाई पर रखते हैं, जिससे खरगोश के अपशिष्ट सीधे ज़मीन पर गिरें। खरगोश को आसानी से उपलब्ध हरी पत्तियां, घास, गेंहू का चोकर, बचा भोजन आदि खिलाया जा सकता है। ब्रॉयलर खरगोशों में वृद्धि दर अत्यधिक उच्च होती है। वे तीन महीने की उम्र में ही दो से तीन किलो के हो जाते हैं। एक मादा तीस दिन में बारह बच्चे तक दे देती है। यह क्रम पांच वर्ष तक चलता रहता है। रैबिट फार्मिंग का पिछले कुछ सालों से कारोबार बढ़ता जा रहा है। सैकड़ों लोग इससे अच्छी कमाई कर रहे हैं। खरगोश को खास तौर से मीट और इसके ऊन के लिए पाला जाता है। छोटे स्तर पर भी चार लाख की लागत से सालाना आठ लाख तक की आराम से कमाई हो जा रही है। जींद (हरियाणा) के संजय रोहतक रोड बाईपास पर करीब आधा एकड़ जमीन पर अपने रैबिट फॉर्म हाउस में छह प्रजातियों के पांच सौ से अधिक खरगोश पाल रहे हैं। मैट्रिक पास संजय बताते हैं कि हर पैंतालीस दिन बाद मादा खरगोश लगभग एक दर्जन बच्चों को जन्म दे देती हैं। एक खरगोश पचास से ढाई सौ रुपये तक में बिक जाता है। उन्होंने वर्ष 2008 में कर्नाटक से सिर्फ सौ खरगोश लाकर अपना व्यवसाय शुरू किया था। इसके बाद धीरे-धीरे खरगोशों की संख्या बढ़ती गई। दूर-दूर से लोग उनसे रैबिट फार्मिंग के बारे में जानकारी लेने आते हैं। इस कारोबार में अच्छी कमाई हो रही है। उनके यहां से हर महीने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार समेत दूसरी यूनिवर्सिटी में भी रिसर्च के लिए खरगोश भेजे जाते हैं। देशभर की पेट शॉप में उनके फार्म से खरगोश की सप्लाई होती है। रैबिट फार्मिंग में पोल्ट्री व्यवसाय से काफी कम खर्च और जोखिम है। एक खरगोश दिनभर में एक मुट्ठी फीड, एक मुट्ठी चारा और दो-तीन कटोरी पानी पीता है। चार महीने में खरगोश दो किलो से ज्यादा वजन का हो जाता है और फिर साढ़े तीन सौ से पांच सौ रुपए तक में बिक जाता है। रैबिट फार्मिंग के लिए सरकार पचीस-तीस प्रतिशत सब्सिडी भी देती है। पशु पालन सम्बन्धी किसी भी व्यवसाय में पालक का मुनाफा पल रहे पशु-पक्षी के भोजन के खर्च पर निर्भर करता है। मुर्गियों के विक्रय से प्राप्त कुल धन में से अस्सी प्रतिशत लागत उनके भोजन पर आ जाती है। खरगोश के भोजन पर आधा से भी कम खर्च आता है। मुर्गियों की तरह खरगोशों की बिक्री में गिरावट भी नहीं आती है। चारे की व्यवस्था बहुत आसानी से हो जाती है। अब तो अच्छी बढ़ोतरी के लिए कुछ कंपनिया खरगोश के लिए विशिष्ट खाद्यान्न भी बनाने लगी हैं। खरगोश का मीट भारी मात्रा में विदेशों को निर्यात हो रहा है। इसके निर्यात में भारत अभी विश्व में तीसवें स्थान पर है हालाकि अभी तेजी से खरगोश पालन व्यवसाय भारत के सभी राज्यों में फ़ैल रहा है।

भारतीय क़ानून के तहत भारतीय खरगोश को पकड़ना, मारना व रखना मना है लेकिन 1960 अधिनियम के तहत विदेशी खरगोश को पालने व रखने की अनुमति है। रैबिट फार्म को यूनिट्स में बांटने के बाद एक यूनिट में सात मादा और तीन नर खरगोश रखे जाते हैं। दस यूनिट से फार्मिंग शुरू करने के लिए लगभग 4 से 4.5 लाख रुपए खर्च आते हैं। इसमें टिन शेड लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए में, पिंजरे एक से सवा लाख रुपए में, चारा और इन यूनिट्स पर लगभग दो लाख रुपए खर्च आ जाते हैं। दस यूनिट खरगोश से पैंतालीस दिनों में तैयार बच्चों को बेचकर लगभग दो लाख तक की कमाई हो जाती है। इन्हें फार्म ब्रीडिंग, मीट और ऊन के लिए बेचा जाता है। साल भर में दस यूनिट से कम से दस लाख रुपए तक की कमाई हो जाती है। हमीरपुर (हिमाचल) के गांव डमैणा के विपन कुमार सिंह वर्ष 2011 में बीकॉम करने के बाद छह साल तक नौकरियां खोजते रहे। जून 2017 में उन्होंने तीन महीने तक खरगोश पालने का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद बैंक से साढ़े चार लाख रुपये लोन लेकर हरियाणा से सौ खरगोश खरीद लाए।

भिंडी-एक लोकप्रिय एवं लाभकारी सब्जी

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है। सब्जियों में भिंडी का प्रमुख स्थान है जिसे लोग लेडीज फिंगर या ओकरा के नाम से भी जानते हैं। भिंडी की अगेती फसल लगाकर किसान भाई अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। मुख्य रुप से भिंडी में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवणों जैसे कैल्शियम, फास्फोरस के अतिरिक्त विटामिन ए, बी, सी, थाईमीन एवं रिबोफ्लेविन भी पाया जाता है। अधिक उत्पादन तथा मौसम की भिंडी की उपज प्राप्त करने के लिए संकर भिंडी की किस्मों का विकास कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया हैं। ये किस्में यलो वेन मोजकै वाइरस रोग को सहन करने की अधिक क्षमता रखती हैं। इसलिए वैज्ञानिक विधि से खेती करने पर उच्च गुणवत्ता का उत्पादन कर सकते हैं।

भूमि व खेत की तैयारी- भिंडी के लिये दीर्घ अवधि का गर्म व नम वातावरण श्रेष्ठ माना जाता है। बीज उगने के लिये 27-30 डिग्री सेंग्रे तापमान उपयुक्त होता है तथा 17 डिग्री सें.ग्रे से कम पर बीज अंकुरित नहीं होता। यह फसल ग्रीष्म तथा खरीफ, दोनों ही ऋतुओं में उगाई जाती है। भिंडी को उत्तम जल निकास वाली सभी तरह की भूमियों में उगाया जा सकता है। भूमि का पी0 एच मान 7.0 से 7.8 होना उपयुक्त रहता है। भूमि की दो-तीन बार जुताई कर भुरभुरी कर तथा पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए।

बीज की मात्रा व बुआई का तरीका- सिंचित अवस्था में 2.5 से 3 किग्रा तथा असिंचित दशा में 5-7 किग्रा प्रति हेक्टेअर की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए 5 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की बीजदर पर्याप्त होती है। भिंडी के बीज सीधे खेत में ही बोये जाते हैं। बीज बोने से पहले खेत को तैयार करने के लिये 2-3 बार जुताई करनी चाहिए। वर्षाकालीन भिंडी के लिए कतार से कतार दूरी 40-45 सें.मी. एवं कतारों में पौधे की बीच 25-30 सें.मी. का अंतर रखना उचित रहता है। ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 25-30 सें.मी. एवं कतार में पौधे से पौधे के मध्य दूरी 15-20 से.मी. रखनी चाहिए। बीज की 2 से 3 से.मी. गहरी बुवाई करनी चाहिए। बुवाई के पूर्व भिंडी के बीजों को 3 ग्राम मेन्कोजेब कार्बेन्डाजिम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करना चाहिए। पूरे खेत को उचित आकार की पट्टियों में बांट लें जिससे कि सिंचाई करने में सुविधा हो। वर्षा ऋतु में जल भराव से बचाव हेतु उठी हुई क्यारियों में भिण्डी की बुवाई करना उचित रहता है।

बुआई का समय- ग्रीष्मकालीन भिंडी की बुवाई फरवरी-मार्च में तथा वर्षाकालीन भिंडी की बुवाई जून-जुलाई में की जाती है। यदि भिंडी की फसल लगातार लेनी है तो तीन सप्ताह के अंतराल पर फरवरी से जुलाई के मध्य अलग-अलग खेतों में भिंडी की बुवाई की जा सकती है।

खाद और उर्वरक- भिंडी की फसल में अच्छा उत्पादन लेने हेतु प्रति हेक्टेर क्षेत्र में लगभग 15-20 टन गोबर की खाद एवं नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की क्रमशः 80 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा. एवं 60 कि.ग्रा. प्रति हेक्टर की दर से मिट्टी में देना चाहिए। नत्रजन की आधी मात्रा स्फुर एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के पूर्व भूमि में देना चाहिए। नत्रजन की शेष मात्रा को दो भागों में 30-40 दिनों के अंतराल पर देना चाहिए।

निराई व गुड़ाई- नियमित निंदाई-गुड़ाई कर खेत को खरपतवार मुक्त रखना चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद प्रथम निंदाई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का भी प्रयोग किया जा सकता है। खरपतवारनाशी फ्लयूक्लरेलिन के 1.0 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से पर्याप्त नम खेत में बीज बोने के पूर्व मिलाने से प्रभावी खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है।

सिंचाई

सिंचाई मार्च में 10-12 दिन, अप्रैल में 7-8 दिन और मई-जून में 4-5 दिन के अन्तर पर करें। बरसात में यदि बराबर वर्षा होती है तो सिंचाई की आवश्यकता नहीं पड़ती है ।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com
www.deshbandhu.co.in जबलपुर । भोपाल । सागर । सतना । रायपुर । बिलासपुर । नई दिल्ली

महाकोशल में भाजपा की सुनामी, कांग्रेस चारों खाने चित्त

जबलपुर में 7 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतें, पूर्व क्षेत्र में लखन घनघोरिया ने कांग्रेस की लाज बचाई

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर समेत प्रदेश में जैसे भाजपा की सुनामी चली और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। आठ में से भाजपा ने सात सीटों पर शानदार जीत दर्ज की और अप्रत्याशित जीत दर्ज करने का काम किया है।

जबलपुर में कांग्रेस के दिग्गज माने जाने वाले तरूण भानोत भी बुरी तरह हार गये। केवल पूर्व क्षेत्र में लखन घनघोरिया ने कांग्रेस की इज्जत बचाने का काम किया। इसी के साथ ही भाजपा समर्थकों ने जश्न मनाया और गाजे बाजे के बीच एक दूसरे को मिष्ठान खिलाया। वहीं कांग्रेस खेमे में सन्नाटा पसर गया। भाजपा के राकेश सिंह, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। जिले की आठ विधानसभा की सात सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहरा दिया है। वहीं पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया ने जीत दर्ज कराकर कांग्रेस की लाज बचा ली है। लखन घनघोरिया शुरु से ही अपने निकटमत प्रतिद्वंदी अंचल सोनकर से बढ़त बना रहे।

जबलपुर की आठ विधानसभा सीटों के जो नतीजे सामने आए है, आमजन को अप्रत्याशित से नजर आ रहे है। कुछ सीटों को लेकर भाजपा के नेता भी डरे हुए थे कि कुछ भी परिणाम सामने आ सकते है। कुछ ऐसा ही जबलपुर की आठ विधानसभा सीटों में 7 में भाजपा ने शुरु से ही बढ़त बना रखी थी, एक दो राउंड में उत्तर-मध्य के कांग्रेस प्रत्याशी आगे हुए थे लेकिन भाजपा प्रत्याशी अभिलाष पांडेय फिर आगे हुए तो आगे ही बढ़ते गए। इसी तरह पश्चिम, केंट, सिहोरा, पाटन, बरगी, पूर्व, पनागर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी शुरु बढ़त बनाए रहे। शाम होते होते रुझान सामने आने लगे और भाजपा की सात सीटों प र भाजपा के प्रत्याशियों ने मतों का अंतर बढ़ा दिया, जिसे कांग्रेस छूने की स्थिति में भी नहीं रह गई और सात सीटों पर भाजपा ने अपना परचम लहरा दिया। वहीं पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया ने भाजपा के अंचल सोनकर को करारी शिकस्त दी।

बरगी-
भाजपा प्रत्याशी नीरजसिंह ठाकुर 30167 मतों से जीते

पाटन-
भाजपा प्रत्याशी अजय विश्रोई 31100 मतों से जीते

पनागर-
भाजपा प्रत्याशी इंदू तिवारी 40801 मतों से जीते

उत्तर-मध्य विधानसभा क्षेत्र-
भाजपा प्रत्याशी अभिलाष पांडेय 21934 मतों से जीते

सिहोरा-
भाजपा प्रत्याशी संतोष बरकड़े 42772 मतों से जीते

केंट-
भाजपा प्रत्याशी अशोक रोहाणी 30045 मतों से जीते

पश्चिम-
भाजपा प्रत्याशी राकेश सिंह 30435 मतों से जीते

पूर्व-
कांग्रेस प्रत्याशी लखन घनघोरिया 27741 मतों से जीते

मोदी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई: प्रहलाद पटैल

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटैल ने जनता को बधाई देते हुये कहा है कि जिस तरह के परिणाम आये हैं उसके बाद कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की गारंटी को जनता से पसंद किया है। इसी के प्रतिफल इतना बड़ा जनादेश भाजपा को मिला है।

गृहमंत्री अमित शाह का कुशल प्रबंधन असरकारक रहा है। महिला सशक्तिकरण को संवारते हुये किसानों के सम्मान को भाजपा ने सदैव बढ़ाया है। कांग्रेस के पास बताने के लिये कुछ भी नही है। कांग्रेस के पास दो थके हुये चेहरे हैं, इनमें दिग्विजय सिंह और कमलनाथ हैं।

योजनाओं को लाभ जनता को मिलेगा: राकेश सिंह

पश्चिम से धमाकेदार जीत दर्ज करने वाले भाजपा के राके श सिंह ने कहा है कि जबलपुर में आठ में से सात सीट जीत रही है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी का कुशल नेतृत्व एवं गृहमंत्री अमित शाह का प्रबंधन सफल रहा है, साबित हो गया है कि मोदी जी के चेहरे की विश्वनीयता पर लोगों ने समर्थन जताया है। जनता का आभार है जिन्होंने जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में भाजपा को ऐतहासिक जीत के दरवाजे तक पहुंचाया है। आगे नेतृत्व तय करेगा कि प्रदेश में सरकार का स्वरूप कैसा होगा। अब पश्चिम में सरकार की योजनाओं का लाभ जनता को मिलेगा।

जनता जर्नादन को आशीर्वाद के लिये मेरा प्रणाम: रोहाणी

केंट से जीते दर्ज करने वाले अशोक रोहाणी ने कहा है कि इस बार भी केंट की जनता ने दिल खोलकर अपना समर्थन और आशीर्वाद दिया है। मेरे द्वारा सदैव जनता के कामों को प्राथमिकता दी गई है आगे भी दी जाती रहेगी, इसी का परिणाम है जबलपुर में सात सीटों पर भाजपा ने जीत का परचम लहराया है। केंट की जनता को मेरा प्रणाम है जिसने नारी सम्मान को प्राथमिकता देने वाली भाजपा सरकार को फिर से बनाने का काम किया है।

जनता का आशीर्वाद मिला सराहनीय: सुशील तिवारी इंदू

पनागर में जानदार जीत दर्ज करने वाले भाजपा के सुशील तिवारी इंदू ने कहा है कि जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद है। जिस तरह जनता ने अपना समर्थन दिया है उसके बाद कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जनता पसंद करती है हमारे इन नेताओं की बातों पर भरोसा करती है। आने वाले दिनों में पनागर में शासकीय योजनाओं का लाभ जनता को और अच्छे तरीके से मिलेगा।

अब महाकोशल का कद बढ़ेगा: अजय विश्नोई

पाटन से जीत दर्ज करने वाले अजय विश्नोई ने कहा है कि यह जीत लाडली बहनों के नाम है जिन्होंने भाजपा पर भरोसा करते हुये जोरदार इतनी बड़ी जीत दिलवाई है। अब पूर्ण बहुमत के आधार पर भाजपा की सरकार बनने जा रही है। अब महाकोशल का कद बढ़ेगा।

जबलपुर के मतगणना केन्द्र जवाहरलाल कृषि विश्वविद्यालय के समीप सुबह से भारी संख्या में लागों का जमावड़ा लग गया था।

कोहरा का असर बढ़ा, ठंडक में आई कमी, दिन और रात के तापमान में बढ़ोत्तरी, कोहरा का असर बढ़ा

ठंडक में आई कमी , दिन और रात के तापमान में बढ़ोत्तरी

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। अब रात के बाद सुबह तक कोहरा देखने को मिल रहा है। तापमान का पारा अभी नीचे की तरफ नही आ रहा है, जिसके चलते अभी ठंड का एहसास नहीं किया जा रहा है। बारिश का क्रम थमने के बाद हल्की गर्मी महसूस की गई। अगले चौबीस घंटे में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है। रविवार को सुबह को पहले बदली के साथ कोहरा छाया रहा, इसके बाद धीरे-धीरे आसमान में बादल साफ होने के बाद सूर्य के दर्शन होने से लोगों ने राहत का सांस ली।

अभी उत्तर से पूर्व की चलने वाली हवाएं तीन से चार किमी प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं। जैसे-जैसे हवा की गति तेज होगी उसके बाद आने वाले दिनों में ठंडक बढ़ने की संभावना है।

स्थानीय मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अधिकतम तापमान 28.1 और 16.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते साल तीन दिसंबर को 27.4 और 11.6 डिग्री सेल्सियस आंका गया था। इसी के साथ ही जबलपुर और आस-पास के जिलों में भी कमोवेश इसी तरह मौसम बना हुआ है।

इधर मौसम का रूख बदलने से किसानों ने राहत की सांस ली है। मावठा का बारिश थमने से मौसमी फसल के खराब होने की संभावना कम हो गई है। मटर और चना की एवं धान की फसल के लिये मौसम अनुकूल है।

बालाघाट में मंत्री गौरीशंकर, रामकिशोर कांवरे और प्रदीप जायसवाल की हार

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश के मंत्री और बालाघाट के दिग्गज नेता गौरीशंकर बिसेन और राज्यमंत्री रामकिशोर कांवरे नानू, बारासिवनी के प्रदीप जायसवाल केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त को हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद महाकौशल में भाजपा के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी अनुभा मुंजारे ने 28061 वोटों से गौरीशंकर बिसेन को हराया है। वहीं राज्यमंत्री कांवरे को 25633 वोटों से कांग्रेस के मधु भगत ने हरा दिया है। इसी तरह म.प्र. शासन में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त जायसवाल को कांग्रेस प्रत्याशी विवेक पटेल ने 984 के मंतों के अंतर से हरा दिया।

नागपुर मण्डल में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के चलते रीवा-इतवारी-रीवा ट्रेन निरस्त

जबलपुर, देशबन्धु। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मण्डल के राजनांदगांव-कलमना रेल खण्ड पर तीसरी रेल लाइन के लिए कन्हान जंक्शन स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के लिए नॉन इंटरलॉकिंग लिया जा रहा है। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान इस मार्ग से होकर गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। इस इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान पश्चिम मध्य रेल से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली एक जोड़ी रेलगाड़ी निरस्त रहेगी।

निरस्त रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या 11754 रीवा से इतवारी एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन रीवा से दिनाँक 06.12.2023, 09.12.2023, 11.12.2023 एवं 13.12.2023 तथा वापसी में गाड़ी संख्या 11753 इतवारी से रीवा एक्सप्रेस अपने प्रारम्भिक स्टेशन इतवारी से दिनाँक 07.12.2023, 10.12.2023, 12.12.2023 एवं 14.12.2023 को निरस्त रहेगी । यात्रीगण कृपया असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस /139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

मिनरल वाटर में छिपाकर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का खुलासा

अनूपपुर में पुलिस ने बुलेरो वाहन के साथ आरोपियों को धर दबोचा

अनूपपुर, देशबन्धु । प्रदेश में इन दिनों अवैध मादक पदार्थों का परिवहन करने वलों खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया है। इसी के चलते अनूपपुर जिले में हजारों रुपये की कीमत वाले मादक पदार्थों के वाहन को पुलिस ने जब्त किया और आरोपियों को दबोचने में सफलता अर्जित की है यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि मिनरल वाटर में छिपाकर मादक पदार्थों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाने का काम किया जा रहा था। आरोपियों से पुलिस लगातार कड़ी पूछताछ कर रही है जिसके बाद माद पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भण्डा फोड़ होने की संभावना है।

अति.पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन डी.सी.सागर के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेंज सुश्री सविता सोहाने के दिशा-निर्देशन में पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवांर के निर्देशन में अनूपपुर पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध विगत माहों से मादक पदार्थो के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ अज्ञात व्यक्ति सफेद रंग की बुलेरो पिकअप वाहन में मिनरल वॉटर की बॉटल से छिपा कर अवैध मादक पदार्थ गांजा कोतमा से अनूपपुर की ओर जाने वाले है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवांर द्वारा चौकी प्रभारी फुनगा उनि.सुमित कौशिक के नेतृत्व में थाना भालूमाड़ा, थाना कोतमा एवं चौकी फुनगा की पुलिस टीम को तैनात कर छत्तीसगढ़ की ओर से आने वाले मार्ग में लगातार निगाह रखी जाकर घेराबंदी कर चेकिंग करने हेतु निर्देशित किया गया था। पुलिस टीम के साथ कोतमा से अनूपपुर जाने वाले मार्ग में औद्योगिक केन्द्र कदमटोला के पास एनएच 43 पर घेराबंदी कर वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कोतमा की ओर से एक अज्ञात वाहन आता हुआ दिखाई दिया पिकअप वाहन को पुलिस टीम के द्वारा रुकने का संकेत देने पर वाहन चालक द्वारा वाहन को कुछ दूरी पर रोड के किनारे वाहन को छोड़कर झाड़ियों, जंगल एवं गोड़ारु नदी के गढ्ढ़ों के रास्ते फरार हो गये।

पुलिस टीम के द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर पिकअप वाहन में मिनरल वाटर के बॉटन थे जिन्हे हटाने पर 15 प्लास्टिक की बोरे में कुल 478 किग्रा. अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 57, 38,400/-रु. एवं वाहन की कीमत लगभग 08 लाख रुपये कुल मशरूका 65,38,400/- चौकी फुनगा की पुलिस टीम के द्वारा जप्त किया गया। उपरोक्त घटना पर थाना भालूमाड़ा में अपराध क्र. 500/23 धारा 8/20बी एन.डी.पी.एस.एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण अनुसंधान में लिया गया है।

उक्त अवैध गांजा कहॉ से लाया गया था व कहॉ लेकर जाया जा रहा था, इस संबंध में अनुसंधान जारी है। वर्तमान में अवैध मादक पदार्थ के परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन में सवार वाहन चालक एवं एक अन्य फरार आरोपियों तथा पिकअप वाहन के मालिक की तलाश जारी है।

उक्त प्रकरण में फरार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु अति.पुलिस महानिदेशक शहडोल जोन डी.सी.सागर द्वारा 30,000/-रु. के नगद ईनाम उद्घोषित किया गया है।

J.B.F.A.
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 114
मुर्गा मीडियम - रु. 104
मुर्गा बड़ा - रु. 86
मुर्गा जम्बो - रु. 74
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 82
मीडियम ब्रॉयलर - रु.100
छोटा ब्रॉयलर - रु. 110
मोबाइल नं. 9300692405

आसान किस्तों में उपलब्ध
मिश्रा इन्टरप्राइजेज
सभी ब्रांडेड कम्पनियों के टी.वी. एल.सी.डी. फ्रिज, डी.वी.डी. वुडन फर्नीचर, स्टील फर्नीचर उपलब्ध है
1. उपभोक्ता की संतुष्टि ही सफलता की सीढ़ी है।
2. उपभोक्ता सेवा ही जीवन का लक्ष्य है।
एल.जी. सेमसन, फिलिप्स, बी.पी. एल. सोनी, वेस्टन व अन्य कंपनियों के उपलब्ध है।
441, सरकारी कुंआ, शीतलामाई वार्ड पश्चिमी घमापुर, जबलपुर
मो. 9200000162 फोन- 2626496

FOR ENQUIRY CALL 0761-4069888,89
FOLLOW BY SAMDAREEYA_CINEMAS
समदड़िया सिनेमा
MORNING SHOW OFFER
RS. @ 100/- (CONDITION APPLY)
16 seater Recliner Theatre Available for Private Screening for Families and Groups
BOOK NOW. 6232124487
ANIMAL
08:10 AM 09:30 AM
11:00 AM 12:00 PM
01:30 PM 02:45 PM
03:45 PM 05:30 PM
06:30 PM 07:30 PM
09:30 PM 09:30 PM
10:30 PM 11:30 PM
12TH FAIL 05:45 PM
TIGER-3 12:00 PM
SAMबहादुर 08:10 AM 09:15 AM 03:00 PM 08:30 PM 11:25 PM